- फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे, सरकारें रोजगार दें : सुप्रीम कोर्ट
- 7

- बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता
- 10

- अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस
- 11

- जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी, लगाई जीत की हैट्रिक
- 12

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 06.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया 02:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 16, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एआई मानवता के कल्याण के लिए साझा संसाधन

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए मानव विजन का किया अनावरण, कहा- डीपफेक रोकने के लिए कंटेंट की हो लेबलिंग

- कहा-भारत ने जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया, जिसे दुनिया से साझा कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन और अन्य हस्तियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई की पहुंच सभी तक सुनिश्चित किए जाने की वकालत करते हुए गुरुवार को 'मानव विजन' का अनावरण किया जिसके तहत संप्रभुता और समावेशिता पर विशेष जोर देते हुए तेजी से उभरती इस प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की परिकल्पना की गई है। प्रधानमंत्री ने यहां एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की भलाई के लिए वास्तव में तभी काम आएगी जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे। उन्होंने एआई को मानवता के कल्याण के लिए साझा संसाधन भी बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने एक जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है और इसे दुनिया के साथ साझा कर रहा है क्योंकि प्रौद्योगिकी देश के लिए शक्ति का माध्यम नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है, प्रभुत्व स्थापित करने का नहीं बल्कि सशक्त बनाने का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश एआई से डरता नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की संभावनाएं देखता है। सभी का कल्याण व खुशहाली एआई के लिए हमारा मापदंड है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मनुष्य महज 'डेटा' बिंदु या कच्चा माल न बनकर रह जाएं। मैं एआई के लिए मानव (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूं जिसमें एम का अर्थ मोरल एंड इथिकल सिस्टम्स (नैतिक एवं नीतिपरक प्रणालियां), ए से तात्पर्य अकाउंटेबल गवर्नेंस (जवाबदेह शासन), एन से तात्पर्य नेशनल सॉवेरिनिटी (राष्ट्रीय संप्रभुता), ए से तात्पर्य एक्सेसबल इंड इन्क्लूसिव (सुलभ और समावेशी) और वी से तात्पर्य वैलिड एंड लेजिटिमेट (वैध और कानूनी) है। सम्मेलन में संरा महासचिव एंटोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ उपस्थित थे।

11 भाषाओं में मोदी का भाषण प्रसारित

नई दिल्ली। समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की प्रगति तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री के भाषण का 11 भाषाओं में सीधा प्रसारण किया गया, साथ ही एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। सभागार में प्रधानमंत्री के पीछे लगी एक स्क्रीन पर एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद प्रदर्शित किया गया, ताकि सुनिश्चित हो सके कि उनका भाषण सभी के लिए सुलभ हो।

प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि एआई सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी। एआई से प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है।

मैक्रों भारतीय डिजिटल सिस्टम के हुए मुरीद

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि भारत ने ऐसा डिजिटल सिस्टम बनाया है, जो दुनिया में किसी और देश ने नहीं बनाया। भारत ने 140 करोड़ लोगों के लिए डिजिटल पहचान (आईडी) बनाई है। हर महीने करीब 20 अरब लेन-देन करता है।

डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का करेंगे निवेश

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अगले सात वर्ष में एआई में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की गुरुवार को घोषणा की और वादा किया कि वह एआई को भारत में उसी तरह सस्ता एवं सुलभ बनाएंगे जैसे मोबाइल व इंटरनेट डेटा को बनाया था। अंबानी ने कहा कि यह पहल हर नागरिक, व्यवसाय और सरकारी सेवा को एआई से जोड़ेगी, जो जियो की डिजिटल क्रांति के परिवर्तनकारी पैमाने को दर्शाती है। जियो अब भारत को बुद्धिमता (इंटेलिजेंस) के युग से जोड़ेगी। भारत अब बुद्धिमता को किराये पर लेने का जोखिम नहीं उठा सकता। इसलिए, हम बुद्धिमता से हासिल जानकारी की लागत को उतनी ही तेजी से कम करेंगे जितनी डेटा के मामले में की थी।

अनिल अंबानी का शीर्ष कोर्ट को हलफनामा, बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा

नई दिल्ली। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा है कि वह बिना पूर्व-अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और एजेंसियों के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये की बैंकिंग एवं कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में अंबानी ने कहा कि उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और न ही उनकी कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोई मंशा है।

- 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में दिया हलफनामा
- एजेंसी के साथ जांच में सहयोग करने की बात भी कही

अंबानी ने कहा, मैं शपथ लेकर कहता हूं कि मैंने जुलाई, 2025 से मौजूदा जांच शुरू होने के बाद से भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल देश से बाहर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साथ ही वादा किया कि यदि उन्हें किसी काम से विदेश जाना पड़ा तो वह उससे पहले अदालत की अनुमति लेंगे। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी से जांच में एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहा हूं और आगे भी ऐसा करना जारी रखूंगा। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की उस अर्जी के जवाब में दिया है, जिसमें एडीएजी, अनिल अंबानी और समूह की कंपनियों से जुड़े बड़े बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना किसी भेदभाव के जांच की अपील की गई है।

ब्रीफ न्यूज

राहुल समेत 25 सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दल के 25 अन्य सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो जारी करने वाले एक व्यक्ति को गुरुवार को राजस्थान के कोटा में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कोटा की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी को बोरखेड़ा थाने में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, अभी तक किसी भी संगठन से उनके संबंधों की कोई पुष्टि नहीं हुई है। उद्योग नगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। संबंधित धाराओं के तहत उचित कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

बरेली बवाल में असलहा सप्लाई करने वाले दो गिरफ्तार

बरेली। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल में अवैध असलहा मुहैया कराने वाले दो आरोपियों को बहेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पांच पिस्टल, दो तमंचे समेत भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपियों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया। पकड़े गए आरोपी बहेड़ी थाने के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर इशरत अली के सहयोगी हैं। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम तसलीम निवासी जोखनपुर थाना बहेड़ी और दूसरे ने अपना सोमू खान उर्फ औशाफ निवासी शेरगढ़ बताया है।

सियासत : बिजली, स्मार्ट मीटर और किसानों पर गरमाई विधानसभा

- किसानों के मुद्दे पर सपा का बहिर्गमन, बिजली कटौती व निजीकरण पर हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधानसभा में चर्चा करते मंत्री नरेंद्र कश्यप।

अमृत विचार: विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को बिजली आपूर्ति, उसके निजीकरण और स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं के कथित उत्पीड़न का मुद्दा जोर-शोर से उठा। शून्य प्रहर में सपा के सदस्यों ने सरकार पर बिजली संकट, बढ़ती दरों और विभागीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। वहीं, प्रश्नकाल में कृषि एवं किसान से जुड़े सवालों पर असंतोष जताते हुए सपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सदन में गुरुवार को कृषि, जलशक्ति समेत कई विभागों के बजट चर्चा हुई। शून्य प्रहर के दौरान सपा सदस्य राम सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में इस समय जिस तरह बिजली कटौती हो रही है, उससे आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के दौरान हालात और खराब होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद बिजली उत्पादन और आपूर्ति को लेकर कोई ठोस तैयारी नजर नहीं आ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिजली विभाग की हेल्पलाइन 1912 आम जनता के लिए केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा है। निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि विभागीय कर्मचारी पिछले एक साल से आंदोलन कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने मांग की कि बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल समाप्त की जाए।

ऊर्जा मंत्री का पलटवार, बोले-सपा ने बनाया था बीमारू

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विपक्ष के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रदेश में बिजली अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। हर उपभोक्ता को निर्बाध और निरंतर बिजली आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकारों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था, जबकि मौजूदा सरकार ने अपने अथक प्रयासों से प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है।

किसान मुद्दे पर प्रश्नकाल में हंगामा, सपा का वॉकआउट

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान कृषि और किसान से जुड़े मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर किसानों की हर समस्या का समाधान कर रही है।

बहराइच में प्रसव पीड़िता ने खुद का पेट चीरकर निकाली नवजात

संवाददाता, बहराइच

- हालत गंभीर होने पर पीड़िता बहराइच मेडिकल कालेज से लखनऊ रेफर

अमृत विचार : जनपद से एक हैरान कर देने वाला दर्दनाक मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा का असहनीय दर्द सहन न कर पाने पर एक महिला ने स्वयं ही अपना पेट ब्लेड से चीरकर नवजात बच्ची को बाहर निकाल लिया। फिलहाल नवजात की हालत ठीक बताई गई। लेकिन, महिला की हालत बेहद गंभीर हो गई। ऐसी स्थिति में बहराइच मेडिकल कालेज के चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर किया है।

मामला जनपद के बौंडी थाना क्षेत्र में स्थित नन्दवल गांव का है। गर्भवती महिला ननकई(35) को गुरुवार दोपहर प्रसव पीड़ा हुई, इससे वो बुरी तरह तड़पने लगी। इसी दौरान उसने ब्लेड से स्वयं का पेट चीरकर नवजात को निकाल लिया। उसकी चीख सुनकर पड़ोस में रहने लोग उसके घर पहुंचे तो सभी के होश उड़ गए। मौके पर पहुंची कुछ महिलाओं की मदद से ननकई को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेजा गया। बताया गया कि ननकई के पति बड़कऊ की मौत करीब छह माह पूर्व ही हो चुकी है। पति की मौत के पहले ही ननकई गर्भवती हुई थी। गुरुवार को उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो घर में कोई नहीं था। ननकई को इलाज के लिए फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसका प्रसव कराया, इस दौरान उसने बेटी को जन्म दिया। बहराइच मेडिकल कॉलेज में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर राजेश सोनकर व डॉक्टर शिवम मिश्रा ने बताया कि महिला ने किसी धारदार हथियार से अपने पेट को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर लिया था। डॉक्टरों के अनुसार नवजात बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है।

ईरान संकट से बाजार सहमा सेंसेक्स 1,236 अंक टूटा

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से उपजी चिंताओं के बीच गुरुवार को चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,236 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 365 अंक लुढ़ककर 25,500 अंक से नीचे आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1,236.11 अंक यानी 1.48 प्रतिशत टूटकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,470.05 अंक फिसलकर 82,264.20 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर बंद हुआ।

एपस्टीन मामले में किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी

- 17 साल की लड़की से रेप का आरोप
- शाही घर भी छीना जा चुका

ब्रिटेन पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उनके और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में की गई है। गुरुवार सुबह पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित 'वुड फार्म' पर पुलिस की छह कारें व सादे कपड़ों में लगभग आठ अधिकारी पहुंचे थे।

टेम्स वैली पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वे उन आरोपों की समीक्षा कर रहे हैं जिनमें दावा किया गया है कि माउंटबैटन-विंडसर ने जेफरी एपस्टीन को गोपनीय सरकारी दस्तावेज सौंपे थे। ये आरोप हाल ही में अमेरिकी सरकार द्वारा जारी की गई फाइलों के आधार पर लगाए गए हैं। स्वर्गीय महारानी एलिजाबेथ के दूसरे बेटे, माउंटबैटन-विंडसर ने एपस्टीन के साथ किसी भी गलत काम में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती पर पछतावा जताया है। एंड्रयू से 17 साल की लड़की से रेप का आरोप में शाही घर भी छीना जा चुका है।

31 वर्ष से फरार खालिस्तानी आतंकी नोएडा से गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के कमांडो सुखविंदर सिंह उर्फ दयाल सिंह उर्फ राकेश शर्मा उर्फ छिंदा को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह 31 वर्ष से फरार चल रहा था। एटीएस और नोएडा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दबोचा।

एटीएस के मुताबिक आरोपी काफी समय पहले जमानत पर रिहा हुआ। इसके बाद फरार हो गया था। उसके खिलाफ न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। एटीएस की नोएडा यूनिट के मुताबिक सूचना मिली प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स का सक्रिय सदस्य सुखविंदर सिंह ढिल्लों पहचान बदलकर पंजाब में रह रहा है। इसके बाद उसकी निगरानी शुरू की गई। वह अपने मूल स्थान कपूरथला में न रहकर खरड़ पंजाब में रह रहा था। नोएडा पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

1993 में एके-56 राइफल के साथ हुआ था गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध थाना सेक्टर-20, गौतमबुद्धनगर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। उसे 18 अप्रैल 1993 को एक ए.के.-56 राइफल और 121 कारतूस के साथ गिरफ्तार कर कोर्ट भेजा गया था। बाद में नौ दिसंबर 1993 को उसे जमानत मिल गई, लेकिन 16 अगस्त 1995 के बाद से वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ और लगभग 31 वर्षों से फरार चल रहा था। कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी सुखविंदर सिंह ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई नामों यानी दयाल सिंह, राकेश शर्मा और छिंदा का इस्तेमाल किया।

हीलाहवाली | यूपी में आयुष में इलाज लचर, यूपीसीडा में विकास-वित्तीय अनुशासन पर सवाल, कुप्रबंधन से सेवाएं अधूरी तो अनदेखी से करोड़ों का नुकसान

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा, खर्च तो हुआ लेकिन नतीजा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास दोनों ही मोर्चों पर सरकारी दावों की हकीकत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताज़ा निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्टों ने उजागर कर दी है।

एक ओर आयुष सेवाओं पर हजारों करोड़ के बजटीय प्रावधान के बावजूद बुनियादी सुविधाएँ, मानव संसाधन और दवा आपूर्ति जर्जर रहीं, तो दूसरी ओर औद्योगिक विकास के लिए गठित यूपीसीडा में नियमों की अनदेखी, योजनाओं का अभाव और वित्तीय अनुशासनहीनता सामने आई। आयुष पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 10/2025) बताती है कि 2018-19 से 2022-23 के बीच बड़े बजट प्रावधानों के बावजूद 20% से 40% तक राशि खर्च ही नहीं हो सकी और बचत वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन समर्पित की गई। जिसे अविवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन माना गया। अस्पतालों/औषधालयों में बिजली-इंटरनेट, उपकरण और स्टाफ की भारी कमी रही कई भवन बने पर समय पर चालू नहीं हुए दवाओं की खरीद-उत्पादन और आपूर्ति में वर्षों की देरी मिली। उधर यूपीसीडा पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 14/2025) के अनुसार 2017-18 से 2021-22 (मार्च 2024 तक अद्यतन) के दौरान भूमि अधिग्रहण, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, भूखंड आवंटन और आंतरिक नियंत्रण-चारों में गंभीर खामियाँ रहीं। सरकारी मंजूरी बिना विनियम, परिप्रेक्ष्य/विकास योजनाओं का अभाव, बोली-ठेकों में लापरवाही और लेखा-प्रबंधन की विफलता से औद्योगिक विकास असंतुलित और अनियोजित रहा।

आयुष: बजट बनाम खर्च (2018-19 से 2022-23)

- आयुर्वेद (राजस्व) : 5630.71 करोड़ 30.69% बचत
- यूनानी (राजस्व) : 684.15 करोड़ 33.60% बचत
- होम्योपैथी (राजस्व) : 2598.26 करोड़ 23.68% बचत
- पूंजीगत व्यय : 16% से 44% तक बचत

अस्पताल बने, इलाज नहीं

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 50 शैय्या वाले 25 एकीकृत आयुष चिकित्सालय स्वीकृत हुए, पर दिसंबर 2021 तक केवल 11 शुरू हो सके मार्च 2023 तक संचालन योग्य बने।

अधूरे अस्पताल : स्वीकृत 25, शुरू 11, देरी 3–6 वर्ष

डिजिटल हेल्थ का दावा, बिना बिजली-इंटरनेट 1034 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में से 21% में बिजली नहीं, 51% में इंटरनेट नहीं—उपकरण बेकार, सेवाएं कागजी।

दवाओं में गड़बड़ी

राजकीय आयुर्वेदिक-यूनानी निर्माणशाला को 388 दवाओं की अनुमति- औसतन 20% उत्पादन।

आपूर्ति देरी : आयुर्वेद/यूनानी 571 दिन तक, होम्योपैथी 964 दिन तक गुणवत्ता जांच में बिना भुगतान।

स्टाफ संकट (आयुष)

- चिकित्सा अधिकारी : 33%–100% कमी
- फार्मासिस्ट : 45%–88% कमी

यूपीसीडा: लक्ष्य कागजों में

- अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र : 154
- कुल क्षेत्रफल : 49,395 एकड़
- ऑडिट अवधि : 2017-18 से 2021-22 (मार्च 2024 तक)

भूमि अधिग्रहण—हकीकत

- 6 वर्षों में लक्ष्य हासिल : सिर्फ 1 वर्ष (2020-21)
- कमी : 27.6%–100%
- दो वर्ष शून्य अधिग्रहण

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

विधानसभा कार्यवाही

किसानों के मुद्दे पर सपा का वॉकआउट

विधानसभा सत्र में सपा ने लगाया आरोप, विभाग में कृषि विस्तार अधिकारियों के 303 में 273 पद खाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधान परिषद में गुरुवार को कृषि विभाग की स्थिति और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखी बहस हुई। सपा सदस्य शहनवाज खान ने नियम 105 के तहत मामला उठाते हुए कहा कि विभागीय योजनाएं कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीन पर किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा, कृषि विस्तार अधिकारियों के स्वीकृत 303 पदों में 273 पद रिक्त हैं। ऐसे में विभाग के सुचारु संचालन का दावा वास्तविकता से परे है। सपा सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया।

शून्य प्रहर में सपा सदस्य किरण पाल कश्यप और आशुतोष सिन्हा ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, बल्कि समस्याएं बढ़ी हैं। छुट्टा पशुओं से फसल बचाने के लिए किसान रातभर खेतों की रखवाली कर रहे हैं। कई जिलों में कृषि विस्तार अधिकारी तैनात नहीं हैं और बीटीएम-एटीएम से काम चलाया जा रहा है।

जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि किसानों के लिए अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित हैं। उन्होंने गन्ना भुगतान, बिजली बिल माफी और दलहन उत्पादन में वृद्धि के आंकड़े पेश किए। मंत्री के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 25.66 लाख हेक्टेयर में दलहन की बुवाई हुई, जिसे 2025-26 में 30.77 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत उन्नत बीज वितरण पर जोर है और जायद 2026 में 20 हजार क्विंटल उर्द व मूंग के प्रमाणित बीज अनुदान पर वितरित किए जाएंगे।

विधानसभा में विपक्ष के सवालों का जवाब देते मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सदन में मौजूद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व अन्य सदस्य। अमृत विचार

सदन में शिक्षकों से संबंधित मुद्दे भी गूंजे

अमृत विचार : नियम 105 के तहत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के मानदेय और 2017 की विशेष प्रोत्साहन राशि के 200 करोड़ रुपये के वितरण का मुद्दा उठाया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि मानदेय देना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। वहीं शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सुल्तानपुर के उमारमण इंटर कॉलेज के प्रबंधन और सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में शामिल न किए जाने का मुद्दा उठाया। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कार्यस्थगन प्रस्ताव अस्वीकार करते हुए मामले सरकार को भेज दिए। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने प्रदीप कुमार, कार्यवाहक प्रधानाचार्य वसी नकवी नेशनल इंटर कालेज, रायबरेली को विगत 43 माह से वेतन भुगतान न किये जाने की सूचना दी। सभापति ने 15 दिन में जांच कराकर समिति को संदर्भित करने के निर्देश दिये।

कौशल विकास विभाग से सीधे सरकारी नौकरी नहीं : मंत्री

अमृत विचार : प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के माध्यम से सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में नियुक्ति केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यह व्यवस्था सभी शैक्षणिक व प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

वित्त विकास निगम का 57 करोड़ का ऋण चुकाकर साख की बहाल

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि वित्त विकास निगम योजना वर्ष 1993-94 में शुरू हुई थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान इसमें अनियमितताओं और दुरुपयोग के आरोप सामने आए, जिसके कारण वर्ष 2012-13 में इस योजना को बंद कर दिया गया था। मंत्री कश्यप ने सदन को अवगत कराया कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने वर्ष 2019 में केंद्र के राष्ट्रीय निगम का लगभग 57 करोड़ रुपये का बकाया ऋण चुकाकर वित्त विकास निगम की साख बहाल की। उन्होंने कहा कि सरकार ने वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही के साथ पिछड़ा वर्ग हितों से जुड़ी योजनाओं को पुनर्जीवित किया है। छात्रवृत्ति वितरण का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में लाखों छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रह गए थे, जबकि वर्तमान सरकार ने अब तक लगभग 38 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित कर शिक्षा से जोड़ा है।

गलगोटिया और एआई रोबोट का उठा मुद्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने चर्चा की मांग खारिज की

अमृत विचार: नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़े एआई रोबोट कार्यक्रम का मामला भी सदन में उठा। सपा विधायकों ने इस पर चर्चा की मांग की, लेकिन अध्यक्ष सतीश महाना ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह कार्यक्रम न तो प्रदेश सरकार का है और न ही यूपी में संचालित हो रहा है, इसलिए चर्चा की आवश्यकता नहीं है।

सड़क भुगतान पर सवाल

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने वाराणसी में 12 लाख की सड़क के लिए 3 करोड़ रुपये से अधिक भुगतान किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 4 लाख की टाइल्स के बदले 34 लाख का भुगतान किया गया। इस पर कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार सदन और क्षेत्र दोनों में अच्छा काम कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर अनावश्यक हंगामा करने का आरोप लगाया।

धान खरीद पर आरोप

प्रयागराज के सपा विधायक संदीप पटेल ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जितना चावल बांटती है, उसका 5 प्रतिशत भी यूपी के किसानों से नहीं खरीदती। उन्होंने कहा कि यदि उतनी ही खरीद प्रदेश में हो जाए तो पंजाब-हरियाणा से चावल मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

किसानों की खाद किल्लत पर टकराव

बहराइच के सपा विधायक आनंद यादव ने कहा कि उन्हें खुद खाद लेने दूसरे जिले जाना पड़ा। आम किसानों की स्थिति और खराब है, कई जगह खाद की जगह लाठियां मिल रही हैं। इस पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा शासन में किसानों को बीज और खाद तक नहीं मिलती थी और उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया गया था।

सीएजी रिपोर्ट पेश

दोपहर में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। उन्होंने दावा किया कि यूपी अब सरप्लस राजस्व वाला प्रदेश बन चुका है और सिर्फ एक साल को छोड़कर बाकी वर्षों में राजस्व में लगातार वृद्धि हुई है।

'आप दबाव में मत खड़े होइए'

सदन में एक मौके पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को खड़े होकर बोलने के दौरान अध्यक्ष सतीश महाना ने टोका और कहा कि आप दबाव में मत खड़े होइए। इस टिप्पणी पर विपक्ष ने आपत्ति जताई और कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया।

एमएसएमई को इस बार ज्यादा बजट : सचान

विधानसभा में बोलते मंत्री राकेश सचान।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान ने विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 में उद्योग, लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन के लिए 3800 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तावित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जिनसे 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम रोजगार सृजन योजना और स्वरोजगार योजनाओं से हजारों युवा उद्यमी बने हैं। उन्होंने कहा कि ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से कारीगरों को प्रशिक्षण, टूलकिट और वैश्विक बाजार मिला है।

औद्योगिक विकास से जगमगा रहा प्रदेश : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के नौवें दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सदन में तारांकित प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का विस्तृत खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में औद्योगिक विकास की रोशनी से पूरा प्रदेश जगमगा रहा है। सरकार ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीता और 2017 से अब तक 15 .99 लाख को रोजगार मिला है। विधायक संदीप सिंह के प्रश्न के उत्तर में मंत्री नन्दी ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के छह नोडों में से दो बुंदेलखंड, दो मध्यांचल और दो पश्चिमांचल में स्थित हैं। वर्ष 2025-26 तक प्राप्त निवेश प्रस्तावों में 30 .3 प्रतिशत पूर्वांचल, 14 .5 प्रतिशत मध्यांचल, 5 प्रतिशत बुंदेलखंड और 50 .2 प्रतिशत पश्चिमांचल क्षेत्र से जुड़े हैं। विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने रोजगार सृजन की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2017 से 3 फरवरी 2026 तक कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत कुल 16,722 कारखाने पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 15 लाख 99 हजार 699 कर्मकारों को रोजगार मिला है।

गंगा में क्रूज के प्रदूषण की होगी जांच

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में प्रश्नकाल में ही आशुतोष सिन्हा ने ही वाराणसी में गंगा नदी पर सरकारी व प्राइवेट क्रूज के संचालन मानक संबन्धी सवाल किया, पर्यटन मंत्री के उत्तर से संतुष्ट न होने पर सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने गंगा में किसी भी प्रकार का प्रदूषण न हो इसका कड़ाई से पालन कराये जाने के निर्देश दिये। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और तथ्यों की अनदेखी कर प्रश्न उठाना उचित नहीं है।

मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती सरकार : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधान परिषद में सवालों के जवाब में नेता सदन ने कहा- श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए शुल्क नहीं

अमृत विचार : विधानपरिषद में प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद द्वारा किया जाता है और दर्शन शुल्क का निर्णय भी न्यास परिषद ही करता है, जबकि राम मंदिर अयोध्या में दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई।

विधान परिषद में प्रश्नकाल में सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने काशी व अयोध्या में मंदिरों में दर्शनार्थियों से होने वाली आय का सवाल करते हुए मौके पर कटने वाली रसीदों की आय का बंदरबाट होने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट के धन से राज्यपाल के नाम संपत्ति खरीदी जा रही है, जबकि 2016 में मंदिर ट्रस्ट के नियमानुसार सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंदिर ट्रस्ट के नाम संपत्ति खरीदी थी।

जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंदिरों में सरकार केवल सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद वर्ष 2017 में लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई। इनमें विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ी है।

ब्राह्मण समाज और शिखा पर तंज से गरमाया माहौल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन पर की टिप्पणी

अमृत विचार : विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन गुरुवार को राजनीतिक तंज सुनने को मिले। कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी टिप्पणियों के साथ-साथ हल्के-फुल्के क्षण भी सामने आए, जिससे सदन का माहौल कुछ देर के लिए गरम रहा।

चर्चा के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन को लेकर टिप्पणी करते हुए ब्राह्मण समाज और शिखा से जुड़ा तंज कसा। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिससे कुछ समय तक सदन में शोरगुल की स्थिति बनी रही। इसी क्रम में जब मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने विभाग की ओर से कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख कर रहे थे, तब विपक्ष की ओर से बीच-बीच में जवाबी टिप्पणियां भी की गईं। वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप निर्धारित समय से अधिक देर तक बोलते रहे, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें समय सीमा के पालन की सलाह दी। सदन में उस समय हल्का हास्य भी देखने को मिला, जब सपा विधायक आरके वर्मा द्वारा सवाल स्पष्ट न रख पाने पर विधानसभा अध्यक्ष ने हल्के अंदाज में चुटकी ली, जिस पर सदन में मुस्कान फैल गई।

ऑनलाइन मिलेंगे जाति प्रमाण पत्र

जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया अब और अधिक सरल और पारदर्शी होने जा रही है। राजस्व परिषद इसके लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार करा रही है, जिससे ऑनलाइन प्रमाण पत्र घर बैठे मिलेंगे। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने यह जानकारी विधानसभा में दी।

लाउडस्पीकर से एलान की प्रासंगिकता नहीं

सपा विधायक कमाल अख्तर द्वारा रमजान में लाउडस्पीकर की अनुमति को लेकर उठाए गए सवाल पर से संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर से एलान करने की परम्परा उस समय की है, जब घड़ियों का प्रचलन नहीं था और लोगों को समय की जानकारी देने के लिए इस माध्यम का उपयोग किया जाता था। वर्तमान परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता सीमित हो गई है। मंत्री खन्ना ने कहा कि लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनका सख्ती से पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने लाउडस्पीकर बजाने की समय-सीमा तय की है और किसी भी परिस्थिति में उसके उल्लंघन की अनुमति नहीं है। सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि कानून और न्यायालय के आदेश सभी पर समान रूप से लागू हैं और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जापान और सिंगापुर सिटी के लिए 500-500 एकड़ भूमि प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यीडा ने शासन को भेजा औपचारिक प्रस्ताव

अमृत विचार: यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के विकास को लेकर औपचारिक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। 18 फरवरी 2026 को जारी पत्र के माध्यम से प्राधिकरण ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन को अवगत कराया कि प्राधिकरण क्षेत्र में दोनों प्रस्तावित शहरों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है।

यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित विस्तृत योजना तैयार कर ली गई है। प्रस्ताव के अनुसार, ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर-5ए में 500 एकड़ क्षेत्र जापान सिटी के लिए तथा सेक्टर-7 में 500 एकड़ भूमि सिंगापुर सिटी के लिए प्रस्तावित की गई है। दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है और विकास कार्य ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मोड पर कराए जाने की योजना है।

नीट पीजी कांउसिलिंग आज से, 25 को सीट आवंटन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस व डीएनबी की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए शुक्रवार 20 फरवरी से स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउसिलिंग शुरू हो जाएगी। पहले तीन दिन पंजीकरण के बाद मेरिट सूची जारी होगी, तत्पश्चात मेरिट के क्रम में अभ्यर्थियों को कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने बताया कि 25 फरवरी को सीट आवंटन के बाद 28 फरवरी तक कॉलेज स्तर पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने बताया कि प्राथमिकताएं देने के पूर्व ही रिक्त सीटों का कॉलेजवार ब्यौरा वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

रिश्वत लेते तीन को रंगेहाथ दबोचा

राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक के साथ एक अन्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या व मुरादाबाद में एंटी करप्शन की ट्रैप कार्रवाई

अमृत विचार: भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती लगातार बढ़ती जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की अयोध्या व मुरादाबाद की टीम दो ऑपरेशन में राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन उत्तर प्रदेश की अयोध्या इकाई को अमेठी जनपद के पीपरपुर निवासी बृजेश कुमार सिंह की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले समस्त देयकों को निकलवाने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर हरि ओम मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने गौरीगंज स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय के पास जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान नलकूप खण्ड गौरीगंज, अमेठी में तैनात वरिष्ठ सहायक एहसान अहमद को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी मूलतः सुल्तानपुर का रहने वाला है।

नक्शा दुरुस्तीकरण की रिपोर्ट के नाम पर रिश्वत : उधर, मुरादाबाद यूनिट को सम्भल जनपद के ढंडूमरा निवासी बलवीर द्वारा शिकायत मिली। जिसमें बताया कि नक्शा दुरुस्तीकरण के बाद रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर नवल मारवाह के नेतृत्व में टीम ने तहसील परिसर गुन्नौर के पास ट्रैपिंग की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक तस्लीम अहमद (तहसील गुन्नौर, सम्भल) और एक निजी व्यक्ति महेन्द्र पाल को 14 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

आरटीई में आवेदनों की संख्या हुई दुगुनी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) योजना को लेकर अभिभावकों का भरोसा इस वर्ष ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में आरटीई के तहत कुल 2,61,501 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह संख्या 1,32,446 थी। इस प्रकार आवेदनों में लगभग 97 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए जनजागरूकता अभियानों के तहत प्रचार-प्रसार और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के सरलीकरण से बड़ी संख्या में लोग योजना से जुड़े।

कांग्रेस कार्यालय पर सत्याग्रह करते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी व अन्य।

लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने किया सत्याग्रह

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है। प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए लगातार दमनकारी नीतियां अपना रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर सरकार ने अपनी तानाशाही प्रवृत्ति का परिचय दिया है, जिसे कांग्रेस का कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदेश अध्यक्ष गुरुवार को बीते दिनों शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों पर लाठी चार्ज के विरोध में सत्याग्रह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करती रहेगी।

रणनीति

मोहन भागवत ने मुख्यमंत्री योगी के बाद केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक से की अलग-अलग मुलाकात

संघ प्रमुख से मिले दोनों उप मुख्यमंत्री, सियासी चर्चाएं तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश मंत्रिमंडल समेत संगठन में बदलाव की अटकलें

केशव प्रसाद मौर्य

मोहन भागवत

ब्रजेश पाठक

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार सुबह प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों से भी अलग-अलग मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से हुई इन भेंटों को औपचारिक रूप से शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे आने वाले बड़े सियासी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

संघ प्रमुख ने दोनों उप मुख्यमंत्रियों से गुरुवार सुबह करीब 10-10 मिनट तक बातचीत की। इससे पहले बुधवार रात राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मोहन भागवत के बीच बंद कमरे में करीब 35 मिनट तक एकांत में बातचीत हुई थी। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक फेरबदल और आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

संघ प्रमुख का दो दिवसीय लखनऊ प्रवास बुधवार को समाप्त हुआ। हालांकि, इस प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों से अलग-अलग मुलाकातों ने राजनीतिक सरगर्मी को और तेज कर दिया है। सत्तारूढ़ दल के भीतर भी इन मुलाकातों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि संगठन और सरकार के बीच समन्वय को लेकर अहम संदेश दिए गए होंगे।

2027 के चुनाव में संघ की भूमिका के संकेत

सूत्रों के अनुसार, जिस तरह हाल के महीनों में संघ प्रमुख का फोकस उत्तर प्रदेश पर बढ़ा है और वह लगातार किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने प्रदेश आ रहे हैं, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के तानाबाने में संघ परिवार की भूमिका अहम रहने वाली है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य है और यहां की राजनीति का असर राष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। ऐसे में सरकार और संगठन के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद को 2027 की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

योगी-भागवत की लगातार मुलाकातों की चर्चा

पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ प्रमुख मोहन भागवत की लगातार हो रही मुलाकातें राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। भले ही इन बैठकों को औपचारिक और शिष्टाचार बताया जा रहा हो, लेकिन प्रदेश की राजनीति में संभावित बदलावों के मद्देनजर इन्हें हल्के में नहीं लिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि सरकार के कामकाज, संगठन की भूमिका और भविष्य की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श होना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा हो।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर जी"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

होली में मिसाइल से बरसेंगे रंग

त्योहार के लिए बाजार में आईं -पिचकारियों की तमाम वैरायटी

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: होलिकोत्सव पर्व से पहले इस बार फिर से यहियागंज थोक बाजार तमाम तरह की पिचकारियों से पट गए हैं। ब्रह्मोस सरीखी मिसाइल से तबाही नहीं रंग बरसेगा। बीजेपी के हथौड़े से होरियार रंगों का वार करेंगे। होली के बाजार में कुल्हाड़ी काटेगी नहीं लोगों पर रंग बरसाएगी। मोदी पिट्ठू गन है तो बिग बॉस भी है। ऐसी म्यूजिक गन जिससे पाइप खींचते ही होली के रंग के साथ गीत बजने शुरू हो जाएंगे। जितने बार पाइप खींचेंगे भरा हुआ रंग निकलेगा और होली के गीत सुखद अहसास कराएंगे। एक नहीं तमाम ऐसी वैरायटी जो आपको रुकने को मजबूर न कर दें। बच्चों के लिए भी जेली टैंक जैसी आकर्षक पिचकारियां मौजूद हैं। पर्व नजदीक हैं ऐसे में थोक बाजार में न केवल शहर आसपास के जिलों से पिचकारियों की खरीद के लिए दुकानदारों का आगमन तेज हो गया है।

कुश मिश्र और आलोक गुप्ता बताते हैं कि इस रंग फेंकने वाली पिचकारी की अलग खासियत है। रंग खींचते समय जैसे ही इसके पाइप से रंग भरकर खींचेंगे और लोगों पर डालने लगेंगे इसमें से होली के गीत बजना शुरू हो जाएंगे। जब तक पाइप खुला रहेगा, गीत बजते रहेंगे। बंद होते ही म्यूजिक बंद हो जाएगा। इसमें दो सेल लगते हैं। इसकी कीमत 260 रुपया प्रति पीस है।

आलोक गुप्ता बताते हैं कि एक पीस मिसाइल की कीमत 180 रुपये है। यह देखने में एक पाइप वाली गन नजर आती है। इसे ब्रह्मोस मिसाइल की तरह बनाया गया है। यह होरियारों पर रंग बरसाने के लिए तैयार है। पिट्ठू की विस्तृत रेंज है। कारोबारी टेनी भाई बताते हैं कि इनकी कीमत 75 रुपये से शुरू होकर 500 रुपये तक है। 700 रुपये वाली पिट्ठू गन भी बाजार में है। इसी दायरे में बिग बॉस के सलमान खान भी हैं जो होली को और रंगीन करने को तैयार हैं।

डबल थंडर और थंडर कलर गुलाल।

7 शॉट का कमाल, रुक-रुक कर सात धमाके और रंगीन गुलाल

- 7 शॉट के नाम रंगों के बाजार में इसका जलवा है। यहियागंज बाजार के थोक कारोबारी शेखर गुप्ता बताते हैं कि करीब 750 रुपये एक पीस की कीमत है। इसमें सात पीस होते हैं। इनमें रंगीन महकदार गुलाल भरा होता है। जैसे ही इसे माचिस की तीली दिखाएंगे इसका कमाल देख हतप्रभ रह जाएंगे। एक-एक और रुक-रुक कर धमाके होते जाएंगे और वातावरण को अलग रंगों के भर देंगे। करीब दो से तीन मिनट का यह आइटम अपनी छाप छोड़ता है। फाइव-इन-वन 150 रुपये का है। व्यापारियों के मुताबिक मैजिक पेंसिल 160 रुपये का है तो लाम्बा थ्री-इन-वन है। इसकी कीमत 250 रुपये प्रति डिब्बा है।

अनार बम गुलाल से करेंगे रोशन

- अनार बम की भी अपनी खासियत है। बाहर की ओर उसकी बत्ती निकालिए और माचिस की तीली जलाकर उसमें लगा दीजिए। बिल्कुल अनार की तरह रंगीन गुलाल फुहार की तरह ऊपर उठता है और वातावरण में छा जाता है। इसकी कीमत 90 से शुरू होकर 150 तक है। एक पैक में तीन पीस आते हैं। बजी के नाम से भला कौन अनभिज्ञ होगा।

रंग -कीमत प्रति किलो में

- गुलाबी रंग की सबसे टॉप वैरायटी (रूह) – 1,800 से 2,000 रुपये
- हरा रंग अव्वल –1,200 से 1,400 रुपये
- बैंगनी –500 से 700 रुपये
- लाल रंग –600 से 800 रुपये
- गुलाल हर्बल –100 से 200 रुपये

नॉब खींचिए और गुलाल उड़ाइए

- सिलेंडर की अपनी पहचार है। यह किसी गैस के छोटे सिलेंडर की तरह रंगों की दुकानों पर नजर आता है। दो किलो से लेकर छह और साढे.सात किलो तक के सिलेंडर बाजार में हैं। कारोबारी अनिल गुप्ता और राजेश बताते हैं कि इसकी कीमत 550 से शुरू होकर 1,200 रुपये तक हैं। इनमें डबल जेड के खरीदार हैं। इस सिलेंडर शॉट की कीमत गुलाल के वजन के हिसाब से तय होती है। नॉब खींचिए और गुलाल उड़ाइए। इस सिलेंडर शॉट का नॉब खीचते ही इसमें से पानी नहीं गुलाल निकलेगा।

पहली बार दिखा बाजार में काला रंग

- आमतौर पर लोग काला रंग नहीं खेलते हैं लेकिन इस बार बाजार में काला रंग नजर आया। सतरंगा डिब्बा में सात तरह के रंग हैं। इनकी कीमत 250 रुपये है। इनमें सात तरह के रंग अलग-अलग डिब्बों में रखे हैं। पहली बार आया काला रंग देखकर ग्राहक और दुकानदार दोनों अचंभित हैं।

फर्जी बिजली कर्मी ने मीटर बदल हजारों वसूले

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- सच्चाई सामने आने पर ग्रामीणों ने घेरा, 16 के खिलाफ तहरीर

अमृत विचार: इटौंजा थाना क्षेत्र के लौधौली गांव में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब करीब एक दर्जन युवक खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताकर गांव में पहुंच गए। घरों में लगे पुराने बिजली मीटर हटाकर नए मीटर लगाने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने मीटर लगाने के नाम पर ग्रामीणों से हजारों रुपये की वसूली भी की।

ग्रामीणों ने बताया कि करीब 25 घरों में मीटर बदले गए। जिन घरों में मीटर बदले गए उनमें राकेश, गोलू, राजकुमार, गोविंद, लल्लन, बसंतू, अमित, गौरव, गया और शाहिद समेत अन्य शामिल हैं। शक होने पर ग्रामीणों ने इटौंजा बिजली विभाग में तैनात अवर अभियंता अजय कुमार को कॉल कर जानकारी ली। पता चला कि विभाग की ओर से किसी भी टीम को मीटर बदलने के लिए नहीं भेजा गया है। इसपर ग्रामीणों ने घेरकर आरोपियों को पकड़ लिया। विरोध पर मारपीट भी हुई।

सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस आरोपियों को थाने ले आई। बताया जा रहा है कि मड़ियाव न्यू कैंपस के आलोक रंजन, रियाज अहमद, मुश्ताक अहमद, अमन मिश्रा, अमित द्विवेदी, गौतम श्रीवास्तव व अन्य लोग मीटर लगाने आए थे। वे लोग घरों में मौजूद महिलाओं व पुरुषों से रुपये की वसूली कर रहे थे। ग्रामीणों ने 16 अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

अतिरिक्त निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर में चोरी करने वाला गिरफ्तार

- **अमृत विचार, आलमबाग** : वीआईपी रोड स्थित श्री तिलकेश्वर महादेव मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी को कृष्णानगर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की करतूत मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने उसके कब्जे से तांबे का लोटा, नाग, गदा, कटोरी समेत अन्य पूजन सामग्री बरामद की है। पकड़ा गया आरोपी अजय कुमार गौतम उन्नाव के मौरावां का निवासी है। इंस्पेक्टर पी .के . सिंह ने बताया कि मंदिर के सेवादार अमोल बाजपेई ने 18 फरवरी को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 16 फरवरी की रात आरोपी ने मंदिर में घुसकर मूर्तियों पर स्थापित तांबे और पीतल का सामान चोरी कर लिया था।

न्यूज ब्रीफ

मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

अमृत विचार, लखनऊ : मड़ियांव के अजीजनगर में चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। लीटू बोस ने बताया कि 10 फरवरी को अपने घर हरदोई गई थी। 17 फरवरी की सुबह पडोसियों से मकान का ताला टूटा होने की सूचना दी। जानकारी पर वह घर लौटी तो आलमारी खुली और सारा सामान बिखरा मिला। पीड़िता ने बताया कि आलमारी से 25 हजार रुपये, जेवर व कुछ नई साड़ियां गायब थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

छुट्टे रुपये के विवाद में युवक को पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : सरोजनीनगर के सोसाइटी कॉलोनी निवासी ऋतु सिंह ने दुकानदार अजय और तीन अन्य पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़िता ने बताया कि 4 फरवरी की शाम उनके पति संजय सिंह किसी काम से जा रहे थे। रास्ते में कानपुर रोड स्थित इंडिया चौराहे के पास उन्होंने एक गुमटी से पानी की बोतल खरीदी। छुट्टे रुपये न होने के कारण उन्होंने दुकानदार अरुण को 500 रुपये का नोट दिया। आरोप है कि इसी बात को लेकर दुकानदार अरुण से उनकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि दुकानदार ने अपने साथियों व एक महिला के साथ मिलकर संजय को पीटा और उनका मोबाइल भी तोड़ दिया।

किशोरी के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मलिहाबाद पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चंपी उर्फ चंदन उन्नाव आसीवन के बदुल्लाखेड़ा का रहने वाला है। 8 नवंबर 2025 को पिता ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप लगाया था कि चंपी और उसकी बहन किशोरी को भगा ले गए। पुलिस उसकी बहन की भूमिका की जांच कर रही है।

अनुदान और निशुल्क मिलेंगे जायद के बीज

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में कृषि विभाग ने जायद फसल की तैयारी शुरू कर दी है। किसान दलहन-तिलहन की खेती करेंगे। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाणित बीज 50 फीसद अनुदान पर किट निशुल्क दी जाएंगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि बीजों की खेप मंगा ली है। इसमें मूंग मिनीकिट 40 (1.6 क्विंटल), उड़द मिनीकिट 108 (4 .32 क्विंटल), मूंगफली 28 क्विंटल आदि बीज मंगाए हैं। वितरण पीओएस मशीन से करेंगे।

सरकारी भूमि की नपाई के दौरान युवक को पीटा

अमृत विचार, मोहनलालगंज : सरकारी बंजर भूमि की नापजोख के दौरान सिसेंडी गांव में एक युवक ने मारपीट का आरोप लगाया है। सिसेंडी निवासी आशीष गुप्ता ने बताया कि गांव की कुछ भूमि राजस्व अभिलेखों में बंजर दर्ज है। आरोप है कि उक्त भूमि पर गांव के कुछ लोग अतिक्रमण कर रहे थे। इस संबंध में आशीष ने एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायत पर गुरुवार को लेखपाल और कानूनगो मौके पर पहुंचे और जमीन की नापजोख शुरू कराई। नापजोख के दौरान आशीष को भी मौके पर बुलाया गया था। पीड़ित का आरोप है कि जैसे ही वह मौके पर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

अमृत विचार,हरदोई: पंच पीर बाबा शाहजहांपुर की दरगाह पर जा रहे बाइक सवार को तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने टक्कर मारी और उसका सिर कुचलते हुए भाग गया,गुरुवार की शाम हुए हादसे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। शाहाबाद कोतवाली के गढ़ी चांद खां निवासी 55 वर्षीय शिवचरन पेशे से राजमिस्त्री था। गुरुवार की शाम को वह बाइक से शाहजहांपुर पंच पीर बाबा की दरगाह पर जा रहा था,उसी बीच रास्तें मे.सेहरामऊ दक्षिणी के सूरतपुर गांव के पास ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से वह सड़क पर गिर पड़ा और ट्रैक्टर-ट्राली उसके सिर को कुचलते हुए भाग निकली।

ट्रैक्टर से गिरा मजदूर, पहिए के नीचे दबकर मौत

संवाददाता, बख्शी का तालाब/ सरोजनीनगर

- बंथरा में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमृत विचार: किसान पथ स्थित अस्ती मोड़ पर गुरुवार शाम संतुलन बिगड़ने पर बुजुर्ग ट्रैक्टर से सड़क पर गिर गया। चालक ब्रेक लगाता, उससे पहले ही ट्रैक्टर का पहिया ऊपर से गुजरने पर बुजुर्ग मजदूर की मौत हो गयी। वहीं, बंथरा में गुरुवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई।

ग्राम रैथा बीकेटी निवासी शिवकुमार गौतम (60) गुरुवार सुबह करीब 10 बजे ट्रैक्टर चालक अनूप उर्फ झम्मा के साथ मजदूरी करने के लिए किसान पथ के किनारे अस्ती मोड़ की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से शिवकुमार ट्रैक्टर से नीचे गिर पड़े। जब तक चालक अनूप ब्रेक लगाता, पहिया शिवकुमार के ऊपर से गुजर गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजन से बातचीत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे संदीप की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया गया है।

वहीं, इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 5 बजे कानपुर से लखनऊ की तरफ आ रहे बाइक सवार युवक को बंथरा में कटी बगिया के पास अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी।

पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कपड़ों की तलाशी के दौरान जेब में मिले मोबाइल से शव की पहचान मध्यप्रदेश के राजनगर स्थित हिंदौर गांव निवासी राजेश (30) के रूप में हुई। पुलिस परिजन को सूचना दे दी है।

कार ने युवक को कुचला, चालक धरा गया

- अमृत विचार, आलमबाग : आशियाना क्षेत्र में पत्नी के साथ क्लीनिक आए युवक को बेकाबू कार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के बाद पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रायबरेली के लालगंज निवासी शुभम सिंह 17 फरवरी को पत्नी को डॉक्टर को दिखाने आशियाना क्षेत्र के रतन खंड, शारदा नगर स्थित क्लीनिक आए थे। पत्नी को क्लीनिक में छोड़कर जैसे ही वह बाहर सड़क पर निकले, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। अनियंत्रित कार आगे चल रहे एक अन्य वाहन से भी टकरा गई। राहगीरों ने कार चालक विनय मिश्रा, निवासी जयप्रकाश नगर आलमबाग, को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने घायल शुभम को अस्पताल में भर्ती कराया।

फोटो पर अभद्र टिप्पणी कर की वायरल

अमृत विचार, आलमबाग : आशियाना थाने में एक महिला ने सोशल मीडिया पर उसकी फोटो के साथ अभद्र टिप्पणी कर उसे वायरल करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि कृतिका सिंह नामक युवती ने बुधवार को अपने फेसबुक अकाउंट से उसकी फोटो के साथ अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट कर दी, जिससे उसकी छवि को ठेस पहुंची है। पीड़िता के अनुसार उक्त पोस्ट के कारण उसके बच्चे के स्कूल में भी बदनामी हुई और वह मानसिक रूप से तनाव में है। इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आदेश निरस्त, बीमा कंपनी ब्याज समेत बोलेरो स्वामी को देगी क्लेम

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला उपभोक्ता फोरम भदोही का आदेश किया निरस्त

अमृत विचार : राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला उपभोक्ता फोरम भदोही का आदेश निरस्त कर दिया। अपील स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देकर आदेश दिया कि बीमा कंपनी बोलेरो स्वामी को 4.54 लाख रुपये छह फीसद वार्षिक ब्याज के साथ अदा करेगी।

जिला भदोही के ग्राम आनंद निवासी अहमद अली अंसारी के अनुसार वह 18 अगस्त 2015 को अपनी बोलेरो से परिवार को हज हाउस वाराणसी ले जा रहे थे। बोलेरो का यूनाइटेड कंपनी लिमिटेड से बीमा था। इसकी वैधता 24 जुलाई 2015 से 23 जुलाई 2016 तक थी। रास्ते में अज्ञात वाहन से बोलेरो की टक्कर हो गई। वाहन सवार आठ लोगों को बाहर निकाला गया था। अहमद ने बीमा कंपनी पर दुर्घटना का क्लेम किया तो दावा निरस्त कर दिया। तर्क दिया कि वाहन का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। जिस पर 11 लोग बैठे थे। इस बात पर जिला उपभोक्ता फोरम गए तो बीमा कंपनी की 11 लोग बैठने की बात आधार बनाकर वाद निरस्त कर दिया। इसके बाद अहमद ने राज्य उपभोक्ता आयोग में आदेश के खिलाफ अपील की। अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव व सदस्य सुधा उपाध्याय ने सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता फोरम का 23 जून 2022 को दिया आदेश निरस्त कर दिया। आदेश दिया कि बीमा कंपनी वाहन के मूल्य का 75 फीसद राशि पर छह फीसद वार्षिक ब्याज के साथ वाहन स्वामी को एक माह में दे। मानसिक व आर्थिक क्षतिपूर्ति व वाद व्यय 10 हजार रुपये भुगतान करे।

चारपाई पर बैठी महिला को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत

अमृत विचार, हरदोई: दुर्जनपुरवा निवासी रामकुमार के दो बेटे जितेंद्र, सत्येंद्र और दो बेटियां मंजू व विमला हैं। बड़ा बेटा जितेंद्र घर के बाहर गुमटी में परचून की दुकान चलाता है, जबकि छोटा सत्येंद्र हमीरपुर में एम्बुलेंस-108 पर एएमटी है। गुरुवार की दोपहर जितेंद्र अपनी मां जमुना (55) को गुमटी देखने के लिए छोड़कर खाना खाने गया था। जमुना गुमटी के पास पड़ी चारपाई पर बैठ गई, उसके पास से गांव की सावित्री, मायादेवी और श्रीमती निकल रही थी। उसी बीच ट्रैक्टर जमुना को टक्कर मारते हुए निकल गया, जबकि अन्य तीन महिलाएं बाल-बाल बच गईं।

पैमाइश बवाल में ग्राम प्रधान गिरफ्तार एकतरफा कार्रवाई होने से नाराजगी

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने थाने पहुंचकर कार्रवाई का किया विरोध

अमृत विचार: दिगोई ग्राम पंचायत में सरकारी तालाब की पैमाइश के दौरान हुए बवाल मामले में बीकेटी पुलिस ने ग्राम प्रधान आदर्श कुमार सिंह उर्फ लवकुश को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को पुलिस ने प्रधान के खिलाफ शांति भंग में चालान कर दिया गया। प्रधान के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही दर्जनों ग्राम प्रधान बख्शी का तालाब थाने पहुंच गए। देर शाम तक प्रधान और उनके समर्थक थाने परिसर में मौजूद रहे। प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने पुलिस कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए नाराजगी जताई। आरोपी आदर्श सिंह उर्फ लवकुश बीकेटी प्रधान संघ के अध्यक्ष भी हैं, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है।

बुधवार को राजस्व टीम सरकारी तालाब की पैमाइश के लिए गांव पहुंची थी। इसी दौरान कब्जे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया था। आरोप है कि फायरिंग, लाठी-डंडों और धारदार हथियार चले थे, जिसमें कई लोग घायल हुए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला था। प्रधान संघ का कहना है कि जब दोनों पक्षों में मारपीट हुई और दोनों ओर से लोग घायल हुए, तो फिर केवल प्रधान पर ही कार्रवाई क्यों की गई? संघ ने निष्पक्ष जांच और विपक्षी पक्ष पर भी समान कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात है।

उपलब्धि पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक स्तर पर 70वें रेल सप्ताह समारोह में दिए गए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

लखनऊ मंडल ने जीते 16 अंतरमंडलीय शील्ड व ट्रॉफी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक स्तर पर आयोजित 70वें रेल सप्ताह समारोह विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार में लखनऊ मंडल ने 34 में 16 पुरस्कार अपने नाम किए। यह सम्मान विशेष रूप से अंतरमंडलीय कार्यकुशलता और नवोन्मेष के क्षेत्र में लखनऊ मंडल की उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।

गोरखपुर मुख्यालय में आयोजित समारोह में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने अपर महाप्रबन्धक वीके शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष व मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में लखनऊ मंडल के कर्मचारियों को सम्मानित किया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत और रेलवे के बहुआयामी कार्य क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस उपलब्धि से लखनऊ मंडल ने पूर्वोत्तर रेलवे में कार्यकुशलता और नवाचार में प्रदर्शन दर्ज किया है।

ये ट्रॉफियां मिलीं

- लखनऊ मंडल को अंतरमंडलीय सर्वांगीक कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय यांत्रिक कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय इंजीनियरिंग कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय राजभाषा कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय कर्षण ऊर्जा दक्षता शील्ड, अंतरमंडलीय भण्डार कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय कार्मिक कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय सिग्नल कार्यकुशलता शील्ड,सर्वोत्तम नवोन्मेषी मंडल शील्ड, सर्वोत्तम लोको अनुरक्षण शील्ड, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्रॉफी,सर्वोत्तम सवारी व माल डिब्बा डिपो शील्ड, स्वच्छता वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड, सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन शील्ड, अंतरमंडलीय सौर ऊर्जा उत्पादन शील्ड के अलावा इस वर्ष कुल 18 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिनमें स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, तकनीशियन और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी शामिल हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक स्तर पर रेल सप्ताह समारोह पर विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देते अधिकारी।

लिव इन में रह रहे नर्सिंग छात्र ने फंदा लगा दी जान

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के भोलापुरवा गांव में नर्सिंग छात्र ने आत्महत्या कर ली। हॉस्टल के कमरे में बुधवार रात छात्र का शव लटका मिला। कमरे में लड़की के कपड़े भी रखे थे। बताया जा रहा है कि छात्र कई महीने से लिवइन में हरदोई की एक युवती के साथ रह रहा था। कुछ दिन पहले ही युवती अपने घर गई थी। माना जा रहा है कि युवती से विवाद के बाद छात्र ने दी है। बीकेटी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूल रूप से सीतापुर जनपद के दातार भुरकुंडी निवासी अमरेश कुमार वर्मा (25) सीतापुर रोड स्थित मामा पैराडाइज के पीछे यशोदा अस्पताल के पास एक हॉस्टल में प्रेमिका के साथ रह रहा था। अमरेश जीसीआरजी इंस्टीट्यूट से नर्सिंग अंतिम वर्ष का छात्र था। अमरेश के मौसेरे भाई सर्वजीत ने बताया कि बुधवार शाम भाई की प्रेमिका ने फोन कर सूचना दी कि अमरेश ने आत्महत्या कर ली है। जानकारी मिलते ही वे आनन-फानन हॉस्टल पहुंचे और डॉयल-112 पर सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अमरेश फंदे से लटका था। शव को उतारने के बाद परिजन को सूचना दी। सूचना पर पिता नरेंद्र कुमार व मां गीता पहुंची। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पिता नरेंद्र ने बताया कि उनका बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता था। उन्होंने मामले में जांच की मांग की है। वहीं, सर्वजीत ने बताया कि अमरेश ने कई अस्पतालों ने नौकरी के लिए भी आवेदन किया था। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि छात्र के घरवालों ने कोई लिखित में तहरीर नहीं दी है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

लखनऊ

18 मदरसों की मान्यता निलंबित फिर भी लगातार दिया जा रहा वेतन

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में मान्यता निलंबन के बाद अनुदान व वेतन के भुगतान पर पूरी तरह रोक है। पर, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग प्रदेश के 18 मदरसों पर विशेष कृपा बरसा रहा है। सभी 18 मदरसों की मान्यता निलंबित है। इसके बाद भी इनके अनुदान और वेतन लगातार जारी किये जा रहे हैं। इस मामले में एक जनहित याचिका हाईकोर्ट लखनऊ पीठ में दायर की गई। जिस पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से स्पष्टीकरण तलब किया है। इस मामले में अगली तारीख 30 मार्च रखी गई है।

- **हाईकोर्ट ने 30 मार्च तक विभाग को पक्ष रखने का दिया निर्देश**

जौनपुर निवासी एजाज अहमद ने बुधवार को हाईकोर्ट लखनऊ पीठ में जनहित याचिका दायर की। जिसमें बताया कि प्रदेश में सहायता प्राप्त 18 मदरसों की मान्यता निलंबित होने के बावजूद वेतन भुगतान और सभी तरह के अनुदान जारी रखने की बात कही है। मामले में वित्तीय अनुशासन, नीति की एकरूपता और सरकारी अनुदान की वैधानिकता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किया हैं। याचिका के मुताबिक, वाराणसी स्थित मदरसा जामिया इस्लामिया, मदनपुरा तथा अशरफिया मुबारकपुर (आजमगढ़) सहित सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर और अलीगढ़ समेत विभिन्न जनपदों के कुल 18 सहायता प्राप्त मदरसों का मामला कोर्ट के सामने प्रस्तुत किया गया है। आरोप है कि मान्यता निलंबन की स्थिति के बावजूद कुछ संस्थानों में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। समान परिस्थितियों वाले अन्य संस्थानों में अनुदान पूरी तरह रोक दिया गया है। आरोपी मदरसों में ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद वेतन व पेंशन उठाने वाले शमशुल हुदा जिस मदरसा में शिक्षक था, उसका भी नाम शामिल हैं।

प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल

सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभागों में किसी संस्थान की मान्यता निलंबित होते ही उसका अनुदान और वेतन भुगतान स्वत: स्थगित कर दिया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, मान्यता और वित्तीय सहायता विधिक रूप से परस्पर संबद्ध होती हैं। जिससे गुणवत्ता नियंत्रण और वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित होती है। पर, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित कुछ मदरसों के संदर्भ में अलग स्थिति सामने आने के आरोपों ने पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक वाराणसी के मदरसा जामिया इस्लामिया, मदनपुरा से जुड़े विभागीय पत्राचार में यह उल्लेख सामने आया कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया चल रही है, जबकि प्रबंध समिति की ओर से वेतन बिल औपचारिक रूप से प्रस्तुत नहीं किए गए थे। इसी प्रकार पूर्वांचल के कुछ अन्य मदरसों में भी अनुदान जारी रहने अथवा प्रस्तावित होने की बात सामने आयी है।

जनहित याचिका से उठा मुद्दा

इस पूरे प्रकरण को लेकर जौनपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एजाज अहमद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में जनहित याचिका संख्या 130/2026 दायर की है। याचिका में कहा गया है कि मान्यता निलंबित संस्थानों के संबंध में राज्य की अनुदान नीति स्पष्ट और एकरूप नहीं है, जिससे सरकारी धन के उपयोग की वैधानिकता पर प्रश्न उठते हैं। 18 फरवरी को मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राज्य सरकार से इस विषय में स्पष्ट निर्देश और स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय दिया। कोर्ट ने यह भी संज्ञान लिया कि कुछ निलंबित संस्थानों को अनुदान दिए जाने की बात सामने आ रही है, जबकि अन्य संस्थानों में भुगतान रोक दिया गया है। साथ ही मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार द्वारा अनुदान रोकने संबंधी की गई संस्तुति पर अंतिम निर्णय न लिए जाने की बात भी न्यायालय के सामने रखी गई।

न्यूज ब्रीफ

400 करोड़ से बनेगा हाइपरस्केल डेटा सेंटर

अमृत विचार, लखनऊ: यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में बीके सेल्स कॉर्पोरेशन लगभग 400 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक हाइपरस्केल डेटा सेंटर स्थापित करेगा। गुरुवार को यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कंपनी को डेटा सेंटर स्थापना के लिए पांच एकड़ भूमि आवंटन का पत्र सौंपा। प्रस्तावित यह परियोजना दो अत्याधुनिक डेटा सेंटर भवनों के रूप में विकसित की जाएगी। इसकी कुल क्षमता लगभग 7000 सर्वर रैक की होगी। वहीं इटली की वैश्विक कंपनी सिम्प्लास्ट ग्रुप ने यीडा क्षेत्र में 70 करोड़ रुपये के निवेश से ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए उन्नत प्लास्टिक एवं रोटेशनल मोल्डिंग उत्पादों की विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है। यीडा के सीईओ ने कंपनी को तीन एकड़ भूमि आवंटन के लिए एलओआई पत्र सौंपा।

25 से ज्ञापन अभियान चलाएंगे एनएचएम कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उप्र. ने उप मुख्यमंत्री के बयान पर नाराजगी जताते हुए 25 फरवरी 2026 से प्रदेशव्यापी ज्ञापन अभियान की घोषणा की है। संघ का कहना है कि एनएचएम स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित है, इसलिए नियमितीकरण से जुड़े निर्णय विभाग के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मियों को न सेवा सुरक्षा मिल रही है, न समान वेतन और न ही सामाजिक सुरक्षा। ज्ञापन में नियमितीकरण की स्पष्ट नीति, चरणबद्ध कार्ययोजना तथा ईपीएफ, ग्रेच्युटी और बीमा की मांग उठाई जाएगी।

आयोग में आई शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ: पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने लखनऊ निवासी रामआसरे सिंह की उपनिदेशक कौशल विकास मिशन पद पर चयन के बावजूद कार्यभार न दिए जाने को गंभीरता से लिया, निदेशक की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए उपस्थित अधिकारी को शीघ्र कार्यभार ग्रहण कराकर आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए गए। आयोग के अध्यक्ष गुरुवार को इंदिरा भवन स्थित कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में 25 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर कई मामलों का निस्तारण किया गया।

इंकार करने वाले दो लाख लोगों ने खाई फाइलेरिया दवा

अमृत विचार, लखनऊ: फाइलेरिया संक्रमण को कम करने के लिए प्रदेश में लखनऊ समेत 21 जिलों में चलाए जा रहे सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में अब तक 40 लाख 43 हजार लोगों ने दवा का सेवन कर लिया है। दो लाख नौ हजार इनकार करने वाले लोग भी फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने सभी 21 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर व्यक्तिगत तौर पर अभियान की समीक्षा करने व सभी पात्र लोगों को दवा खिलाने के लिए निर्देशित किया है। विभाग का प्रयास लक्ष्य 1.40 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को दवा खिलाने का है। इसके लिए सभी सरकारी व निजी विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों व मदरसों के छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाना सुनिश्चित करें। अभियान के अंतर्गत 28 फरवरी तक फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलाई जाएंगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर मजदूर की मौत

अमृत विचार, उन्नाव: रायबरेली जिला के सरेनी थानाक्षेत्र के बर्बलिया गांव निवासी भुल्लू (58) मजदूरी करता था। गुरुवार देरशाम वह ट्रैक्टर-ट्राली में बैठकर घर लौट रहा था। तभी बिहार थानाक्षेत्र के चैनपुर-भगवंतनगर मार्ग पर जंगल खुर्द चौराहा के पास ट्रॉली से अचानक नीचे गिरकर वह ट्राली के पहिए के नीचे आ गया। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई।

भाई की शादी से लौटी बहन ने की आत्महत्या

अमृत विचार, हरदोई: भाई की शादी से ससुराल लौटी महिला ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के पीछे महिला की उसके पति से नाराजगी बताया गया है, क्योंकि मृतका का पति साले की शादी में ससुराल नहीं गया था। साण्डी कस्बे के मोहल्ला नौशहरा निवासी गंगासागर की 26 वर्षीय पत्नी राम रोशनी ने बुधवार की रात अपने कमरे के अंदर दुपट्टे से पंखे वाले कुंडे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।

गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के लिए समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान के दौरान उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

गोरखपुर में होंगे बड़े अंतरराष्ट्रीय मैच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रस्तावित गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 392.94 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। इसमें 30 हजार दर्शकों की बैठने की क्षमता होगी। यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम बनेगा। परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। वे गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के दौरान बोल रहे थे। गोरखपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 60 करोड़ रुपये का सहयोग देगा।

जापान में 600 किमी रफ्तार वाली मैग्लेव में सफर करेंगे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार, लखनऊ: पटरी से ऊपर हवा में तैरकर दौड़ने वाली जापान की अत्याधुनिक मैग्लेव (मैग्नेटिक लेविटेशन) ट्रेन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे का खास आकर्षण बनने जा रही है। मुख्यमंत्री अपने प्रवास के दौरान इस हाईस्पीड ट्रेन में 100 किलोमीटर की परीक्षण यात्रा करेंगे। मैग्लेव ट्रेन को आधुनिक परिवहन व्यवस्था का भविष्य माना जा रहा है। चुंबकीय शक्ति के कारण ट्रेन और ट्रैक के बीच प्रत्यक्ष संपर्क नहीं होता, जिससे घर्षण लगभग शून्य हो जाता है। इसी तकनीक के चलते यह ट्रेन 600 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार हासिल करने में सक्षम है। जापान टोक्यो से नागोया के बीच मैग्लेव कॉरिडोर को वर्ष 2027 तक शुरू करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। इसके शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा समय मौजूदा व्यवस्था की तुलना में आधे से भी कम रह जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा केवल तकनीकी अनुभव तक सीमित नहीं मानी जा रही है। इसे उत्तर प्रदेश में आधुनिक परिवहन ढांचे के विस्तार के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण का अभियान दिवस 22 को

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने तथा नोटिस चरण में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22 फरवरी को समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जाएगा। इस दिन बूथ लेवल अधिकारी शुभ 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संबंधित केंद्रों पर उपस्थित रहकर दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। साथ ही इनका निस्तारण भी किया जाएगा।

- **मतदाता सूची सही करने को बूथ स्तर पर दावे-आपत्तियां ली जाएंगी**

उन्होंने निर्देश दिया कि एसआईआर के कार्य में लगे अधिकारियों को अभियान की जानकारी देते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।उन्होंने बताया कि बूथ लेवल अधिकारी वर्तमान में संबंधित मतदाताओं को नोटिस वितरित करने, तार्किक विसंगतियों के मामलों में मतदाताओं के घर पर सुनवाई करने तथा पात्र मतदाताओं से फार्म-6 प्राप्त करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में जुट हैं। इन गतिविधियों की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए मतदाता सहायता केंद्रों पर उनका रहना जरूरी नहीं है।

नाम जुड़वाने-कटवाने में नहीं दिखाई रूचि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: एसआईआर को लेकर सभी सियासी दलों के द्वारा खासा शोर मचाया गया, लेकिन रिकार्ड गवाह है कि किसी भी दल ने वोट बढ़वाने और कटवाने में कुछ अधिक रुचि नहीं दिखाई। यह तब है जब पार्टियों ने लाखों की संख्या में बूथ लेवल एजेंट तैनात कर रखे हैं। भले ही भाजपा की ओर से जहां वोटर लिस्ट से सबसे अधिक वोट कटवाने के साथ ही बढ़वाने के लिए भी सबसे अधिक दावे किए हैं, लेकिन बीएलए की संख्या के हिसाब से काफी कम हैं। दूसरे नंबर सपा है, जबकि तीसरे पर बसपा और फिर कांग्रेस है।

उधर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से कहा गया है कि छह मार्च तक वोटर लिस्ट में नाम बढ़वाने और कटवाने के लिए आवेदन दिए जा सकते हैं। राज्य निर्वाचन अधिकारी के यहां दर्ज के रिकार्ड के मुताबिक राष्ट्रीय पार्टियों में भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदेश भर में 1,729 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने के लिए दावे पेश किए गए हैं, वहीं बहुजन समाज पार्टी ने केवल छह लोगों को नाम हटाने के लिए दावा पेश किया है। आम आदमी पार्टी ने आठ दावे पेश किए हैं, जबकि कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी किसी भी वोटर का नाम हटाने के लिए आवेदन नहीं किया है। सपा ने 47 लोगों के नाम हटवाने को दावा पेश किया है।

- **मतदाता सूची से वोट कटवाने में भाजपा आगे, दूसरे नंबर पर सपा**

वोट जुड़वाने में भी भाजपा आगे

फार्म-छह के तहत वोटर लिस्ट में मतदाता बढ़वाने में भी भाजपा अन्य दलो से आगे रही। भाजपा की ओर से 26,009 लोगों के वोट मतदाता लिस्ट में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया, वहीं सपा की ओर से 11,017 लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल करने का दावा पेश किया है। इसके अलावा बसपा ने 1,761, कांग्रेस की ओर से 1,324, आप की ओर से 110 और अपना दल (एस) ने 134 लोगों को मतदाता बनाने के लिए दावा पेश किया है। खास बात यह है कि कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने एक भी व्यक्ति का नाम जोड़ने को आवेदन नहीं किया है।

पीएम मोदी के एआई विजन पर आगे बढ़ रहा यूपी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव-केंद्रित, जिम्मेदार और पारदर्शी एआई विजन का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश इस दृष्टि को जमीन पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के "एमएएनएवी" सिद्धांत पर आधारित एआई विजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नैतिक, समावेशी और जवाबदेह नवाचार का मार्ग प्रशस्त करता है।

मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि प्रधानमंत्री के आह्वान से प्रेरित होकर उत्तर प्रदेश में बड़े कदम उठाए गए हैं। लखनऊ में देश की पहली एआई सिटी विकसित की जा रही है, जो वैश्विक नवाचार और तकनीकी अनुसंधान का केंद्र बनेगी। वहीं उन्नाव में देश का पहला एआई-समर्थित बहुविषयक विश्वविद्यालय शुरू किया गया है। योगी ने बताया कि 'एआई प्रज्ञा' पहल के माध्यम से 10 लाख से अधिक युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस किया जा रहा है। इसके साथ ही एआई आधारित समाधान एक मिलियन से अधिक कृषक परिवारों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक बन रहे हैं।

आचार्य नरेन्द्र देव की पुण्यतिथि पर गोमती तट स्थित उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय व अन्य।

आचार्य नरेंद्र देव के नेतृत्व में हुई थी समाजवादी आंदोलन की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव का मानना है कि आचार्य नरेन्द्र देव के नेतृत्व में ही देश में समाजवादी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। वे प्रमुख शिक्षाविद, कई भाषाओं के विद्वान, बौद्ध दर्शन के गंभीर अध्येता और राजनीति में अजातशत्रु थे। समाजवादी पार्टी उनके रास्ते पर चलने के लिए संकल्पित है। सपा प्रमुख का यह संदेश गुरुवार को गोमती तट पर मोती महल के पीछे आचार्य नरेन्द्र देव की 70वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने सुनाया। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने समाधिस्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

94,300 हेक्टेयर पहुंची प्राकृतिक खेती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी पहल की है। सुनियोजित रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में अब तक 94,300 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नेचुरल फॉर्मिंग का विस्तार किया जा चुका है, जो शीघ्र ही एक लाख हेक्टेयर के आंकड़े को पार करने वाला है। इस अभियान के विस्तार के लिए सरकार 298 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सरकार ने प्राकृतिक खेती को टिकाऊ कृषि व्यवस्था के रूप में स्थापित करने के लिए बुंदेलखंड क्षेत्र को विशेष फोकस में रखा है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर किसानों की लागत घटाने और आय बढ़ाने की दिशा में इसे एक सफल मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

- **298 करोड़ रुपये से होगा विस्तार, बुंदेलखंड क्षेत्र पर विशेष जोर**

बुंदेलखंड में 23,500 हेक्टेयर में गो-आधारित खेती : बुंदेलखंड के सभी सात जनपदों—झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट में 23,500 हेक्टेयर क्षेत्र में गो-आधारित प्राकृतिक खेती का विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जीवामृत और घनजीवामृत के प्रयोग से खेती में लागत कम होगी और मृदा की उर्वरता में सुधार आएगा।

कम लागत-ज्यादा लाभ मॉडल पर जोर : सरकार का फोकस 'कम लागत, ज्यादा लाभ' वाले कृषि मॉडल पर है। प्राकृतिक खेती से रासायनिक खाद व कीटनाशकों का खर्च घटेगा, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी की संभावनाएं मजबूत होंगी। यह मॉडल विशेष रूप से सूखा प्रभावित और कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए उपयोगी माना जा रहा है।

कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए वरदान : गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की संरचना सुधरती है और जलधारण क्षमता बढ़ती है। इससे बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में कृषि अधिक टिकाऊ बनेगी।

प्रशिक्षण और स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर : योगी सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। प्राकृतिक उत्पादों की ब्रांडिंग से जहां किसानों की आय बढ़ेगी, वहीं मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

अनी बुलियन व सहयोगी कंपनियों की चार संपत्तियां जब्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ टीम ने गुरुवार को अनी बुलियन व उसकी साथी कंपनियों की चार संपत्तियों को जब्त कर लिया है। इसमें तीन अचल और एक चल संपत्तियां शामिल हैं। सारी संपत्तियां लखनऊ, उत्तराखंड के उत्तरकाशी व दिल्ली में हैं। इनकी कीमत 7.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। पूर्व में ईडी ने सीएमडी अजीत गुप्ता और उनकी आईएफएस पत्नी निहारिका सिंह व अन्य लोगों की 16.40 करोड़ की संपत्तियां जब्त की हैं। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत की है। इसमें बैंक से जारी एफडी भी जब्त की गई है। ईडी के मुताबिक, लोगों से कई योजनाओं में करोड़ों रुपये निवेश कराये। रकम हड़पने के बाद कंपनी के कार्यालय पर ताला बंद कर दिया। सीएमडी समेत सभी फरार हो गये। निवेशकों ने 110 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की सौ से अधिक रिपोर्ट दर्ज कराई हैं।

जागरूकता | डिजिटल अरेस्ट में न फंसे लोग, ठगे जाने पर तुरंत करें 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल

डिजिटलीकरण से साइबर क्राइम में तेजी : डीजीपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा डिजिटल क्रांति ने आमजन के जीवन में बड़ा परिवर्तन किया है। मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन भुगतान अब दैनिक आवश्यकता बन चुके हैं। कोविड-19 महामारी के बाद 70-80 फीसदी नागरिक डिजिटल ट्रांजेक्शन को सामान्य जीवनशैली के रूप में अपना चुके हैं। हालांकि दूसरा पहलू देखें तो सुविधाओं के साथ साइबर अपराधों में भी तेजी आई है। उन्होंने कहा कि लोग डिजिटल अरेस्ट में न फंसे। ठगे जाने पर तुरंत करें 1930 साइबर हेल्पलाइन पर काल करें।

डीजीपी गुरुवार को इटावा में साइबर जागरूकता कार्यशाला को

साइबर कार्यशाला को वर्चुअली संबोधित करते डीजीपी राजीव कृष्ण।

वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे। उन्हों ने कहा सामान्य नागरिकों से जुड़े साइबर अपराध मुख्यतः तीन प्रकार के हैं। पहला, वित्तीय लेन-देन से संबंधित साइबर फ्रॉड, जो कुल मामलों का लगभग 55-60 प्रतिशत है। इसके प्रमुख कारण लालच, लापरवाही और मनोवैज्ञानिक भय हैं। उन्होंने आगाह किया कि अत्यधिक और सुनिश्चित लाभ का दावा करने वाली योजनाएं संदिग्ध होती हैं। निवेश केवल सेबी या आरबीआई से अधिकृत संस्थानों में ही करना चाहिए। अनजाने लिंक, एपीके फाइल या फर्जी मैसेज पर क्लिक करना मोबाइल हैकिंग का कारण बन सकता है।

दूसरा, सोशल मीडिया से संबंधित अपराध। उन्होंने अभिभावकों और युवाओं को सोशल मीडिया व ऑनलाइन गेमिंग की लत से सावधान रहने की सलाह दी। उनका कहना था कि साइबर गेमिंग में हमेशा गेम बनाने वाला जीतता है। तीसरा, तथाकथित 'डिजिटल अरेस्ट', जिसमें अपराधी स्वयं को पुलिस या जांच एजेंसी बताकर वीडियो कॉल के जरिए धन की मांग करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की कोई भी सरकारी एजेंसी ऑनलाइन गिरफ्तारी या समझौते के नाम पर पैसे नहीं मांगती।

ठगी गई रकम मिल सकती है वापस

डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा ठगे जाने की स्थिति में तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर सूचना दें, जिससे संदिग्ध खातों को शीघ्र फ्रीज कराया जा सके। वर्ष 2014 में प्रदेश में एक ही साइबर थाना था, जबकि अब प्रत्येक जिले में साइबर थाना और सभी 1581 थानों में साइबर हेल्पडेस्क स्थापित हैं। लगभग 26 हजार पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। अंत में उन्होंने नागरिकों से साइबर सुरक्षा के एंबेसडर बनकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: होली के पर्व को लेकर रेलवे पुलिस भी खासी चौकन्नी हो गई है। स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने का कार्य प्राथमिकता से करने के साथ ही यात्रियों के साथ कोई भी घटना न हो, इसके लिए भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। यदि लापरवाही हुई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

होली के पर्व को लेकर अभी से ट्रेनें फुल हैं, उधर अपने घरों को पहुंचने के लिए रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ती जा रही है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अपर पुलिस महानिदेशक प्रकाश डी. ने बताया कि होली के पर्व को लेकर डीजीपी राजीव कृष्ण की ओर से जिलों के साथ ही जीआरपी को निर्देश जारी किए गए हैं। कहा गया है कि जीआरपी रेलवे स्टेशनों पर क्राउड मैनेजमेंट का हर हाल में ध्यान रखे। इसके लिए वह रेलवे सुरक्षा बल के साथ समन्वय कर सकती है।

प्रदेश भर के अफसरों से कहा गया है कि वह चौकसी इस तरह की बरतें कि यात्रियों के साथ जहरखुरानी और जेबकतरी की घटनाएं किसी भी सूरत में नहीं हो पाएं। इसके लिए यात्रियों को जागरुक किया जाए। पुरानी घटनाओं में वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजे, वहीं जो जमानत पर बाहर हैं, उनकी लगातार निगरानी की जाए।

- **होली पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए डीजीपी और एडीजी ने कमान संभाली**
- **पुरानी घटनाओं में शामिल रहे अपराधियों को खंगाल रही पुलिस**

लगातार चलाएं चेकिंग अभियान

स्टेशनों पर सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। निर्देशों में कहा गया है कि जीआरपी अचानक प्लेटफार्म पर चेकिंग अभियान चलाए। जो भी संदिग्ध लगे उससे पूछताछ की जाए। आम तौर पर यात्री आता है, चला जाता है। लेकिन जो अनजान व्यक्ति लगातार कुछ दिन तक स्टेशन पर दिखाई दे तो उससे जरूर पूछताछ की जाए।

मत्स्य विभाग की योजनाओं में गड़बड़ी पर अंबेडकरनगर का स्टाफ लखनऊ अटैच

गोंडा के एक अधिकारी को भी मत्स्य निदेशालय से किया गया संबद्ध

कार्रवाई

गोंडा, अमृत विचार : केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं—प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट योजना तथा मत्स्य पालक कल्याण कोष के क्रियान्वयन में हीलाहवाली, शिथिलता एवं भ्रष्टाचार की शिकायतों पर मत्स्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है।

मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने अंबेडकर नगर के मत्स्य विभाग के पूरे स्टाफ को लखनऊ मुख्यालय से अटैच कर दिया है साथ ही गोंडा के अधिकारी को भी लखनऊ से संबद्ध किया गया है। मंत्री डॉ. संजय निषाद की तरफ से जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है। मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के जनसंपर्क अधिकारी राजीव यादव ने बताया कि मंत्री डॉ. निषाद को जनपद अंबेडकरनगर एवं गोंडा से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। मंत्री के निर्देश पर कराई गई प्राथमिक जांच में आरोप गंभीर पाए गए। इस पर मंत्री ने अंबेडकरनगर के समस्त स्टाफ को लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्देश दिया है। इसके तहत सहायक निदेशक (मत्स्य) कार्यालय, श्वेता सिंह, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक सुनीता सिंह एवं मत्स्य निरीक्षक मो. अशरफ को मत्स्य निदेशालय से संबद्ध किया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, गोंडा में तैनात प्रशांत कुमार को भी मत्स्य निदेशालय से संबद्ध किया गया है। मंत्री डॉ. निषाद ने कहा कि राज्य सरकार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है।

बाराबंकी में युवक की हत्या

- आरोपी बहनोई को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया

मौके पर जांच-पड़ताल करती पुलिस। ● अमृत विचार

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : सुबेहा थाना क्षेत्र में एक ईंट भठ्ठे पर जीजा ने नशे की हालत में झगड़ा कर रहे साले की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। गुरुवार शाम हुई इस घटना के बाद आरोपी भागने लगे लेकिन लोगों ने जीजा को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। एक की तलाश जारी है।

बिहार के किशनगंज जिले के धरमगंज क्षेत्र निवासी सूरज (32) अपने बहनोई मंगल और उसके चचेरे भाई आकाश के साथ सुबेहा के मोहम्मदपुर स्थित ईंट भठ्ठे पर काम करता था। तीनों वहीं कोठरी में रह रहे थे। गुरुवार शाम नशे की हालत में सूरज और आकाश के बीच हुई कहासुनी हाथापाई में बदल गई। बहनोई मंगल बीच-बचाव करने पहुंचा, लेकिन विवाद बढ़ गया। मंगल ने पास पड़ा डंडा उठाकर सूरज के सिर पर वार कर दिया। गंभीर रूप से जख्मी सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। मंगल और आकाश भागने लगे, लेकिन मजदूरों ने मंगल को पकड़ लिया जबकि आकाश फरार हो गया। सुबेहा व हैदरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। यहां पर उपजा सीमा विवाद खत्म हुआ और घटना हैदरगढ़ क्षेत्र में हुई मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरदोई में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, ट्रेन में थे आरएसएस प्रमुख

हरदोई, अमृत विचार : वाराणसी से मेरठ की ओर जा रही 22489 वंदे भारत एक्सप्रेस पर हरदोई जनपद में पथराव की घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह घटना चांदमारी और कौढ़ा स्टेशन के बीच उस समय हुई, जब ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रही थी। अचानक फेंके गए पत्थर से ट्रेन के सी-4 कोच का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।

रेल सूत्रों के अनुसार, घटना के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी इसी ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। हालांकि वे किस कोच में सवार थे, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

अभियुक्त की तलाश में जुटी आरपीएफः पथराव की सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम के माध्यम से हरदोई स्थित अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं।हरदोई रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हैं। आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि वंदे भारत एक्सप्रेस देश की प्रीमियम ट्रेनों में गिनी जाती है। फिलहाल सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी रेलवे हेल्पलाइन या सुरक्षा कर्मियों को दें, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दो पक्षों में हुई मारपीट

निन्दूरा, बाराबंकी : अमृत विचार : घुंघटेर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई और दोनों ओर से धारदार हथियार ईंट का प्रयोग हुआ। इस घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हो गये। दोनों पक्षों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाने के पीछे झुलसी मिली किशोरी, रास्ते में दम तोड़ा

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : गुरुवार को मोहम्मदपुर खाला थाने के पीछे एक ईंट भठ्ठा के पास एक किशोरी गंभीर रूप से झुलसी दशा में मिली। जिसने लखनऊ ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटनास्थल से पुलिस ने किशोरी को तत्काल सीएचसी भिजवाया। जहां से जिला अस्पताल फिर लखनऊ रेफर कर दिया गया था। उसने अपने बयान में एक पेट्रोल पंप कर्मी का नाम लिया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

मोहम्मदपुर खाला थाने के पीछे कुछ दूरी पर प्रभास ईंट भठ्ठा है। उसके करीब आग व धुआं उठता देखकर किसी राहगीर ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची तो एक किशोरी को जलता देखा। पुलिस ने आग बुझाकर उसे सीएचसी भिजवाया, जहां से उसे जिला अस्पताल फिर लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय किशोरी ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा कि घटनास्थल पहुंची किशोरी ने कथित रूप से पेट्रोल खुद पर छिड़ककर आग लगी ली। किशोरी कस्बा की ही रहने वाली है। एक माह पहले किशोरी के पिता की मौत हो चुकी है। जिला अस्पताल में उसने एक पेट्रोल पंप कर्मी का नाम लिया, वह फिलहाल वहां काम नहीं करता। प्रभारी निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। युवक की तलाश जारी है।

पत्नी से बहस के बाद ट्रेन के आगे कूदा शिक्षक, मौत

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : घरेलू विवाद के बाद निजी स्कूल के शिक्षक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गुरुवार सुबह रानीबाजार-त्रिलोकपुर मार्ग पर स्थित क्रासिंग से कुछ दूर नरैनीपुरवा के निकट रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। परिजनों ने मृतक की पहचान कजियापुर निवासी श्याम सिंह (41) पुत्र चंद्रभान सिंह के रूप में की। श्याम सिंह इस समय मसौली के त्रिलोकपुर में अपने परिवार के साथ रहते थे और यहीं पर बीपी शुक्ला इंटर कालेज में अंग्रेजी के अध्यापक थे। बताया जा रहा कि गुरुवार की सुबह किसी बात को लेकर उनकी पत्नी से कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद वह घर से निकल गए। क्रासिंग के गेटमैन ने बताया कि एक व्यक्ति वहां पहुंचा और आ रही ट्रेन के आगे कूद गया।

9.42 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

जरवा, बलरामपुर, अमृत विचार : कोतवाली जरवा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल की 9वीं वाहिनी, कोयलाबास की संयुक्त टीम ने बुधवार देर शाम दो तस्करों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 9.42 ग्राम ब्राउन शुगर व एक बाइक बरामद की गई। कार्रवाई एएसआई अरुण कुमार साहू (9वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल) और थानाध्यक्ष राकेश पाल के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जुनैद निवासी बहादुरडीहवा रतनपुर झिगहा, थाना जरवा, बलरामपुर तथा विकास बहादुर निवासी ग्राम गढ़वा बुद्धा ज्योति रोड, थाना गढ़वा, जनपद डांग, नेपाल के रूप में हुई है।

कार्यालय, क्षेत्रीय खेल कार्यालय
के0डी0 सिंह "बाबू" स्टेडियम, लखनऊ।

ई–मेल – rsolucknowoffice@gmail.com

संख्या– 2270 /2025–26 दिनांक 18.02.2026

जेम निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्षेत्रीय खेल कार्यालय, के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में खेल निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या–1/250732 दिनांक 26.08.2025 द्वारा प्राप्त स्वीकृति के क्रम में ताइक्वाण्डो सेंसर उपकरण जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय किया जाना है, जिसको क्रय करने हेतु जेम पोर्टल पर कस्टम/BOQ बिड प्रकाशित की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है :–

सामग्री का नाम	बिड संख्या	प्रकाशित होने की तिथि	निविदा बन्द होने की तिथि/समय	निविदा खुलने की तिथि/समय
ताइक्वाण्डो सेंसर उपकरण	GEM/2026/B/7256616	18-02-2026	05-03-2026 04:00 PM	05-03-2026 04:30 PM

उक्त उपकरण के क्रय हेतु जेम की नियम व शर्तें एवं विभाग द्वारा निर्धारित नियम व शर्तें लागू होंगी। बिड में उल्लिखित क्रय सम्बन्धी समस्त नियम व शर्तों को पूर्ण करने वाले समस्त इच्छुक सेवाप्रदाताओं से जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रित की जाती है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, लखनऊ बिना कोई कारण बताये किसी भी या सभी बिडों को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण/दस्तावेज बिड के साथ जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

(डा0 अतुल सिन्हा)
क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी
लखनऊ मण्डल, लखनऊ

UP-246617 दिनांक 19.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
कार्यालय विज्ञप्ति

दिनांकः फरवरी 17, 2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद न्यायालय, लखनऊ में 03 रिक्त संविदा कर्मियों की नियुक्ति किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। शासनादेश सं0 1963/सात–न्याय–2–2000–41जी/97, दिनांक 19.10.2000 के साथ पठित शासनादेश सं0 15/2016/1111/ सात–न्याय–2–2016–41जी/97, दिनांक 10.08.2018 में निहित शर्तों के अधीन संविदा के आधार पर नियत वेतन रू0 8,840/– प्रतिमाह की दर से रिक्त 03 संविदा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति किये जाने हेतु निम्नानुसार प्रारूप पर इच्छुक अभ्यार्थियों से आवेदन पत्र दिनांक 28.02.2026 तक आमत्रित किये जाते है। *शासनादेश सं0 1963/सात–न्याय–2–2000–41जी/97, दिनांक 19.10.2000 में दिये गये दिशा–निर्देशों के अंतर्गत तय किये गये मानको के अधीन कार्य कराया जाना है। जिसके अंतर्गत एक सफाई कर्मचारी द्वारा कम से कम पांच न्यायालय कक्षों तथा उससे सम्बद्ध कार्यालय/शौचालय आदि के साफ सफाई के कार्य का निष्पादन भी अपेक्षित है। उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त इन सफाई कर्मचारीगण से सम्पूर्ण परिसर/नालियॉ इत्यादि का भी सफाई का कार्य भी लिया जाता है। चयनित सफाई कर्मचारी पूर्णतया संविदा पर ही होंगे तथा कोई भी संविदा सफाईकर्मी कभी नियमित होने का दावा नहीं कर सकेगा।* आवेदन पत्र जमा करने वाले अभ्यार्थियों का साक्षात्कार दिनांक 07.03.2026 को जनपद न्यायालय, लखनऊ के पुराना उच्च न्यायालय परिसर स्थित मीडिएशन कक्ष में होगा जिसमें सभी आवेदनकर्ताओं की उपस्थिति अनिवार्य है। साक्षात्कार में पदों के सापेक्ष पॉच गुना अभ्यार्थी सफल घोषित किये जायेंगे, तथा उन्हें प्रयोगिक परीक्षा दिनांक 16.03.2026 को जनपद न्यायालय लखनऊ में उपस्थित होना होगा। साक्षात्कार 50 अंको का होगा तथा प्रायोगिक परीक्षा भी 50 अंको की होगी, अंतिम चयन सूची साक्षात्कार तथा प्रयोगिक परीक्षा में प्राप्त कुल अंको के आधार पर तैयार की जायेगी। उपरोक्त से संबंधित आवेदन पत्र कार्यालय केंद्रीय नजारत अनुभाग में प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 11:00 बजे सायं 05:00 तक प्राप्त किये जायेंगे।

आवेदक हेतु नियम व शर्तें:–

1. अभ्यर्थी भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. अभ्यर्थी की आयु आवेदन की अंतिम तिथि तक निर्धारित आयु 18 से 40 वर्ष तक होनी चाहिए।
3. अभ्यर्थी शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए तथा सफाई कार्य करने में सक्षम हो।
4. कार्य संतोषजनक न होने पर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है।
5. किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या जाली दस्तावेज पाए जाने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।
6. चयनित अभ्यर्थी को संस्थान के सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।
7. अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से कम से कम 5 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 5 वीं से अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया में कोई अतिरिक्त वरीयता प्रदान नही की जायेगी।
8. प्रयोगिक परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों से सार्वजनिक शौचालयों की साफ–सफाई करायी जायेगी।

UP - 246514 दिनांक: 18/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
चयन उप–समिति/प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, लखनऊ।

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ
3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लखनऊ – 226001 (उ.प्र.)
वेबसाईट– https://lmc.up.nic.in एवं ई–मेल– nnlko@up.nic.in

संख्या 416/मु0अ0/2025–26 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 18.02.2026

नगर निगम लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु 07.03.2026 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र 06.03.2026 तक अपराह्न 2:00 बजे तक कार्यालय दिवस की अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त, मुख्य अभियन्ता एवं मुख्य वित्त लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है तथा नगर निगम की बेवसाइट lmc.up.nic.in से टेंडर नोटिस डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र मण्डलायुक्त महोदय लखनऊ के कार्यालय, जिलाधिकारी महोदय के कार्यालय एवं मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 07.03.2026 को अपरान्हन 3:00 बजे तक रखे निविदा बाक्स में डाले जा सकती है। प्राप्त निविदाओ को उसी तिथि को अपरान्हन 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। पेवर कार्य हेतु निविदादाता के पास स्वय का कम्पूटराइज हाट मिक्स प्लान्ट व ब्राइवेटर रोलर होना आवश्यक है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रू0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18% जी0एस0टी0	कुल निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित
1.	चिनहट प्रथम वार्ड के अन्तर्गत आनन्द विहार कालोनी में मोहन जनरल स्टोर के सामने से मिथलेश पाण्डेय के मकान होते हुए जसीम खान के मकान तक एवं जीमल खान के माकन के सामने नाली एवं सी0सी0 सड़क का कार्य।	780330	78033	15 दिवस	780	140	921
2.	चिनहट प्रथम वार्ड के अन्तर्गत आनन्द विहार कालोनी में हसमत अली के मकान के सामने से जसीम खान के मकान के पास तक एवं अवधेश चतुर्वेदी के मकान के सामने से श्रीराम चौरसिया के मकान के सामने नाली एवं सी0सी0 सड़क का कार्य	808238	80824	15 दिवस	808	145	954
3.	रफी अहमद किदवई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–4 में म0स0 4/154 से एस0आर0एस0 मॉल तक सड़क का पेवर फिनिशर द्वारा सुधार कार्य।	796877	79688	15 दिवस	797	143	940
4.	रफी अहमद किदवई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–3 से म0सं0 3/205 से म0सं0 3/178 तक एवं म0स0 3/155ए से म0स0 सी–3/67 तक सड़क का पेवर फिनिशर द्वारा सुधार कार्य।	835039	83504	15 दिवस	835	150	985
5.	रफी अहमद किदवई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–2 में म0सं0 2/39 से म0स0 2/82 तक एवं म0सं0 2/80 के सामने से म0 सं0 बी–2/29 तक सड़क का पेवर फिनिशर द्वारा सुधार कार्य।	814838	81484	15 दिवस	815	147	962
6.	रफी अहमद किदवई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–4 में म0सं0 4/109 से म0सं0 4/93 तक एस0आर0एस0 मॉल के सामने सर्विस रोड का पेवर फिनिशर द्वारा सुधार कार्य।	798541	79854	15 दिवस	799	144	942
7.	रफी अहमद किवदई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–4 में म0सं0 4/79 से म0सं0 4/92 तक एवं म0सं0 4/50 से म0सं0 4/85 तक सड़क का पेवर फिनिशर द्वारा सुधार कार्य।	801622	80162	15 दिवस	802	144	946
8.	रफी अहमद किदवई वार्ड के अन्तर्गत विपुल खण्ड–3 में म0सं0 3/157 से म0सं0 3/256 तक एवं म0सं0 3/38 से म0सं0 3/57 तक सड़क का पेवर फिनिशिर द्वारा सुधार कार्य।	842621	84262	15 दिवस	843	152	994
9.	भरवारा–मल्हौर वार्ड के अन्तर्गत निजामपुर मल्हौर में माधव ग्रीन सिटी रोड पर मां शीतला प्लाई हार्डवेयर के सामने से प्रशान्त मिश्रा जी के घर के आगे तक सी0सी0 सड़क का कार्य।	844603	84460	15 दिवस	845	152	997

शर्तें

01. निविदा में प्रतिभाग हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नही है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। (आवेदक निविदादाता को शासनादेश संख्या 3890/नौ–5–19–149सा0/2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा)
02. शासनादेश सं0–6738/23–7–06–176(सा0)/06 दिनांक 31.01.2007 का पालन करते हुए रू0 40.00 लाख की धनराशि पर 10 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि निविदा के समय ही जमा करायी जायेगी। शासनादेश संख्याः– 692/23–07–2024 दिनांक 09–08–2024 के अनुसार यदि न्यूनतम निविदादाता की निविदित लागत, स्वीकृति (बी0ओ0क्यू0) लागत से 10 प्रतिशत से अधिक कम (Below) है तो 10 प्रतिशत से अधिक कमी (Below) के सापेक्ष 1 प्रतिशत प्रति प्रतिशत कम (Below) दर पर अतिरिक्त परफार्मेन्स सिक्योरिटी ली जायेगी जिसे ठेकेदार से अनुबन्ध गठन के समय जमा कराया जायेगा। अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्यूरिटी ऑनलाइन इण्टरनेट बैंकिग/आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी/डयूली प्लेज्ड एफ0डी0आर0/बैंक गारण्टी के माध्यम से स्वीकार की जायेगी।
03. कार्य पूर्ण होने के 1 वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटि पीरियड के उपरान्त कार्य सन्तोशजनक पाये जाने पर ही जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा।
04. 15 प्रतिशत से अधिक की न्यून दर की निविदाओं में अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पूर्ण होने एवं कार्य सन्तोशजनक पाये जाने पर के उपरान्त ही अवमुक्त की जायेगी।
05. किसी कार्य में एक से अधिक निविदादाताओं की एक समान दर पर सर्वन्यून निविदा प्राप्त होने पर इन निविदादाताओं के मध्य लाटरी के माध्यम से सफल निविदादाता का चयन किया जायेगा।
06. 15 प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं की स्वीकृति के पूर्व सम्बन्धित निविदादाता द्वारा शपथ–पत्र पर गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु अपनी कार्ययोजना/बारचार्ट निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा एवं निविदा समिति द्वारा गुण दोष के आधार पर निविदा स्वीकृति/अस्वीकृत पर निर्णय लिया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

सस्ते दाम पर सोना दिलाने का झांसा दे 10 हजार की ठगी

नवाबगंज गोंडा, अमृत विचार : उमरी बेगमगंज था के डिक्सिर निवासी रामप्रताप भान सिंह को सस्ते दाम पर सोना दिलाने का लालच देकर अज्ञात युवकों ने 10 हजार रुपये की ठगी कर ली। आरोपित पहले असली सैंपल दिखाकर भरोसा जीतते रहे और बाद में नकली धातु थमाकर मोबाइल बंद कर फरार हो गए।

सूचना

पहले मेरा नाम IKBAL AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम IQBAL रख लिया है भविष्य में मुझे IQBAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MEHDI HASAN R/O- ROKHA DEEH SALON, RAEBARELI

सूचना

पहले मेरा नाम NAIMAT KHAN था जो नाम बदलकर MOHD NEMAT KHAN पुत्र MOHD NAZAR KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MOHD NEMAT KHAN S/0-MOHD NAZAR KHAN ADD-CHOWK JAMA MASJID IMAM TEM PURANPUR PILIBHIT

लॉजिस्टिक्स कार्यालय सिग्नेचर भवन, उ0प्र0 पुलिस मुख्यालय लखनऊ

संख्याः लॉजि0–उन्नीस–189–2025(05CTSR) दिनांक फरवरी ,2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

पुलिस विभाग में तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत 05 अदद Containerized Tubular Shooting Range के क्यार्थ भारत सरकार की ई–मार्केट प्लेस (GeM) पर दिनांक 16.02.2026 को कस्टम बिड संख्याः GEM/2026/B/7240772 अपलोड की गई है। निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी भारत सरकार की ई–मार्केट प्लेस (GeM) से प्राप्त की जा सकती है। निविदा की अन्तिम तिथि 03.03.2026 है।

(राम कुमार)
अपर पुलिस महानिदेशक, लॉजिस्टिक्स
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

UP-246620 दिनांक 19.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र के नगर पालिका परिषद फर्रूखाबाद द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र संख्या 930 दिनांक 26/07/2007 में पुत्र का नाम भूलवश जीत सिंह अंकित हो गया है, जबकि सही नाम आयुष सिंह (Ayush Singh) है। मेरे पुत्र को उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **– सुरजीत सिंह पुत्र राम प्रकाश निवासी 79 शिव नगर शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

मेरा नाम नरोत्तम पुत्र आनंद स्वरूप (Anand Svroop) और पता आलापुर पोस्ट सेरुआ, अलापुर कानपुर देहात है। यही नाम–पता वास्तविक और सही है। इसे विधिक मान्यता प्रदान की जाए। नरोत्तम पुत्र आनंद स्वरूप (Anand Svroop) निवासी आलापुर पोस्ट सेरुआ, अलापुर कानपुर देहात।

सूचना

मेरे पिता का नाम मेरे ड्राइविंग लाइसेंस नम्बर यूपी76 20150007445 में ब्रजभूषण दर्ज है, जबकि पिता का सही नाम ब्रजभूषण नाथ प्रधान है, जो मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में भी दर्ज है। ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का सही नाम ब्रजभूषण नाथ प्रधान (Brijbhushan Nath Pradhan) दर्ज किया जावे। **विनय प्रधान पुत्र श्री ब्रजभूषण नाथ प्रधान निवासी 4/51बी, मोहल्ला बजरिया हरलाल शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

मैने अपना नाम SHEKHER PRATAP SINGH से बदलकर SHEKHAR PRATAP SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।S/0-SHANKAR PRATAP SINGH ADD-FLAT No-315 FI GANGA SAGAR APARTMENT 53 RAM TIRATH MARG NARHI DIST-LUCKNOW-226001 (U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **गार्गी शुक्ला उर्फ पप्पी देवी पत्नी दिनेश कुमार निवासी पूरे सरवरियन का पुरवा मजरे पारी थाना जगतपुर, जिला रायबरेली** के नाम एलआईसी पालिसी संख्या 275181482 है। इसमें नाम पप्पी देवी है, जबकि अन्य दस्तावेजों में नाम गार्गी शुक्ला अंकित है। दोनों नाम एक ही महिला के हैं। भविष्य में किसी प्रकार की आपत्ति या भ्रम से बचने हेतु यह सूचना प्रकाशित कराई जा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैंने अपने पुत्र का नाम MHD NAWAZ AHMAD KHAN के स्थान पर MOHD NAWAZ AHMAD KHAN रख दिया है भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। **परवेज अहमद खान मियां सराय खैराबाद सीतापुर**

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD SAHADAT HUSAIN था अब मैने बदलकर अपना नाम SAHADAT HUSSAIN रख लिया है भविष्य में मुझे SAHADAT HUSSAIN के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- ALI HUSSAIN R/O- MOHALLA THOK POST-MISRIKH, SITAPUR

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD FAISAL AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SYED FAISAL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SYED FAISAL AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- SYED MUJEEB AHMAD R/O- 295/5-ASHARFABAD BALDA, LUCKNOW

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सर्विस बुक में मिथिलेश कुमारी एवं अन्य अभिलेखों आधार कार्ड आदि में मिथिलेश सिंह पत्नी अशोक कुमार सिंह निवासी चकसुंडा पोस्ट रहवां रायबरेली उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD FIROJ KHAN से बदलकर FIROZ AHMAD KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-NAZEER ALI ADD-532 A/60 CHAUDHARI TOLA ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

सूचना

सूच्य हो कि मैं अपने सेवा तैनाती स्थल कंपोजिट विद्यालय कोटरा बहादुर गंज से दिनांक 18/02/2026 को ऊंचाहार आते समय रास्ते में मेरे कागजात कही खो गए है। जिसमें मेरा बीटीसी प्रमाण पत्र सन 1985–86 भी खो गया है। **ओम प्रकाश त्रिपाठी पुत्र चंद्रिका प्रसाद त्रिपाठी निवासी ग्राम - मियां का पुरवा मजरे लौंदा, पोस्ट - रढौली तहसील - कुंडा (प्रतापगढ़)**

सूचना

सूचित हो कि मैं **कु0 गायत्री पुत्री परमात्मा ग्राम व पोस्ट कटरिया याकूबपुर तहसील अकबरपुर जनपद अम्बेडकर नगर** का स्थाई निवासी हूँ। मेरा हाईस्कूल अंक सह प्रमाण पत्र 2013 अनुक्रमांक 2725441 व प्रमाण पत्र संख्या 6435400 तथा इण्टरमीडिएट 2015 अनुक्रमांक 1770048 व प्रमाण पत्र क्रमांक 16430871 वास्तव में कही खो गया है। बहुत खोजबीन के बाद नहीं मिला।

सूचना

आधार कार्ड में मेरा नाम शोभा जायसवाल है, जबकि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम शोभा रानी जायसवाल अंकित है। ये दोनों नाम (शोभा जायसवाल और शोभा रानी जायसवाल) मेरे हैं एवं मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **–शोभा जायसवाल पत्नी रविन्द्र नाथ जायसवाल, निवासी 3/1/102 नियावां रोड, मुकेरीटोला, फैजाबाद, अयोध्या।**

सूचना

पहले मेरा नाम WASEULLA था अब मैने बदलकर अपना नाम VASI ULLA रख लिया है भविष्य में मुझे VASI ULLA के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- FAJANULLA R/O- EKDANGA PURWA HARRAIYA JHUMAN INTYATHOK, GONDA

सूचना

सूचित किया जाता है की मैं **संजीव चन्द्र कॉजीलाल पुत्र स्व0 अमीया चन्द्र कॉजीलाल निवासी–153 एल्डिको ग्रीन्स गोमती नगर लखनऊ,** के अपने पुराने निवास भूखण्ड संख्या 440/11ए टी0जी0 न्यू सिविल लाईन्स लखनऊ की लीज डीड, रसीदे अन्य दस्तावेज रास्ते मे कही गिर गए। मो0–9839416738

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का नाम माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र वर्ष 2019 अनुक्रमांक 5031935 और सीनियर स्कूल सेकेंडरी प्रमाणपत्र 2021 अनुक्रमांक 23601638 में इंग्लिश में RAMMURATH PAL दर्ज है जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम RAM MURAT PAL है। जिसको संशोधन करना अनिवार्य है। **शिवम पाल पुत्र राम मूरत पाल ग्राम–मालीपुर तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर**

सूचना

मैं **गौरव सिंह पुत्र परमजीत सिंह निवासी– तेलीबाग, मजिस्द के पीछे पी.जी.आई. रोड, लखनऊ,** मेरा नाम गौरव गाँधी व पिता का नाम धीरज गाँधी सभी दस्तावेजों पर अंकित है। मेरा नाम गौरव गाँधी व पिता का नाम धीरज गाँधी के स्थान पर नाम परिवर्तन करके अपना नाम गौरव सिंह एवं पिता का नाम परमजीत सिंह मेरे नये दस्तावेजों पर अंकित किया जाय।

सूचना

सूचित हो कि मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में मेरे पिता का नाम Mohd Shaban Ali तथा माता का नाम Shabeena Bano अंकित है जो गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम Mohd Shaban तथा माता का नाम Shabeena अंकित है जो सत्य व सही है। अतः मेरे पिता का नाम Mohd Shaban तथा माता का नाम Shabeena ही मान्य समझा जाये। **अब्दुल अहद अली पुत्र मो0 शाबान निवासी– 105/109, मस्जिद वाली गली, हुसैनगंज, फूलबाग, लखनऊ, उ0प्र0।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मोबिन का चाल चलन ठीक न होने के कारण उसे दिनांक 16.03.2017 को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था किंतु अब उसका चाल–चलन उत्तम हो गया है एवं अब वह मेरा कहना भी मानता है। इसलिए मैं अपने पुत्र को पूर्व में की गई बेदखली से बहाल करता हूँ और अपनी चल–अचल सम्पत्ति में पूर्ण अधिकार देता हूँ। यदि उसका चाल चलन कार्य भविष्य में उत्तम रहा। **मो0 फारूख पुत्र खालिक उर्फ सहजादे, निवास– फुलबाग मस्जिद, नई बस्ती पीरबटावन, तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।**

दो मुस्लिम छात्रों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद की

प्रतिबंधित स्थल पर नमाज पढ़ने का मामला, आगे के लिए दी चेतावनी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संत कबीर नगर के दो छात्रों के खिलाफ दर्ज सम्पूर्ण आपराधिक मुकदमे को रद्द करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था और धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने का अधिकार है। हालांकि, समाज की मिश्रित संस्कृति और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नागरिकों को स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और मापदंडों का पालन करना आवश्यक है। कोर्ट ने माना कि केवल प्रतिबंधित स्थल पर नमाज अदा करने के इरादे के आधार पर दर्ज आरोप आवेदक के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं और परिस्थितियों में यह अभियोजन उचित नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकलपीठ ने आरोपपत्र और समन आदेश सहित पूरी कार्यवाही निरस्त करते हुए दोनों याचियों को भविष्य में स्थानीय प्रशासन के निर्देशों और प्रतिबंधों का पालन करने की चेतावनी भी दी। दोनों छात्रों के खिलाफ आईपीसी की धारा 143 (अनधिकृत जमाव) और 188 (लोक सेवक के आदेश की अवहेलना) के तहत पुलिस स्टेशन खलिलाबाद, संत कबीर नगर में एफआईआर दर्ज की गई थी। निचली अदालत ने मई 2019 में संज्ञान लेकर उनके विरुद्ध समन जारी किया था।

दस्तावेज तलब करने का निर्णय बरकरार निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली स्थित दुकान की किराएदारी से जुड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य तकनीकी आधार पर वाद को विफल करना नहीं, बल्कि न्याय सुनिश्चित करना है। कोर्ट ने याची के विरुद्ध पारित आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका का निस्तारण करते हुए निचली अदालत के दस्तावेज तलब करने के निर्णय को वैध ठहराया, साथ ही निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश भी जारी किए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति डॉ. योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की एकलपीठ ने मोहम्मद आरिफ की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार वादी ने वर्ष 2019 में एससीसी वाद दाखिल कर आरोप लगाया कि विपक्षी अगस्त 2018 के बाद किराया नहीं दे रहा था और 16 जनवरी 2019 के नोटिस के बावजूद बकाया अदा नहीं किया। वादी ने एक ही दिन बाजार की विभिन्न दुकानों के संबंध में कई बेदखली वाद दाखिल किए थे। इसी दौरान कथित त्रुटिवश संबंधित नोटिस व डाक रसीदें दूसरे वाद की फाइल में संलग्न हो गईं। अंतिम बहस के समय वादी ने प्रार्थना पत्र देकर उन दस्तावेजों को तलब करने का अनुरोध किया, जिसे ट्रायल कोर्ट ने स्वीकार करते हुए विपक्षी को गवाहों को पुनः बुलाकर जिरह का अवसर भी दिया। विपक्षी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी गई।

सांड़ों के हमले में घायल वृद्ध की मौत

संवाददाता कुशीनगर

मृतक मिट्ठू यादव की फाइल फोटो।

अमृत विचार: हाटा कोतवाली क्षेत्र के भिस्वां बाजार में बिते 12 फरवरी छुट्टा साढ़ों के झुंड ने किसान पर हमला कर दिया जिससे युवक मल्लु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वही बचाने गये मिट्ठू यादव को भी गंभीर रूप से साढ़ों ने घायल कर दिया था। मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में मिट्ठू यादव (65) का इलाज चल रहा था, जहां इलाज के दौरान गुरुवार दोपहर उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही गांव मे कोहराम मच गया। मृतक के तीन बेटे बबलू (30), विशाल (25) व सुजीत (22) हैं। छुट्टा पशुओं के हमले में 7 दिन बाद घायल मिट्ठू यादव की मौत से लोग मर्माहत है। छुट्टा पशुओं के हमले से हुई इस मौत को लेकर लोगों ने प्रशासन पर सवालिया निशान उठाए। प्रधान प्रतिनिधि सोनू जायसवाल, रामदयाल सिंह, राजेंद्र जायसवाल, डॉ बृजभूषण प्रसाद, अनिल जायसवाल, विमलेश, शिवजी सिंह, डब्ल्यू सिंह, घनश्याम प्रसाद, अनिरुद्ध सिंह, पीके सिंह, रामप्रसाद जायसवाल, राहुल जायसवाल, मुन्ना यादव सहित ग्रामीणों ने छुट्टा पशुओं के हमले में मृतक के परिजनों को त्वरित आर्थिक सहायता दिलाने की प्रशासन से मांग की है।

मेंहदावल के युवक की बखिरा में मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बखिरा थाना क्षेत्र के बखिरा कस्बे में देसी शराब की दुकान के पीछे गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मेंहदावल कस्बे के उत्तरपट्टी निवासी 43 वर्षीय राम अवतार उर्फ मजनू पुत्र झगई के रूप में हुई है। बखिरा क्षेत्र के हरदी गांव निवासी सुरेंद्र ने बताया कि राम अवतार उसका मौसेरा भाई था।

विकलांग वृद्ध की डूबने से हुई मौत

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत मेढ़वा गांव में गुरुवार सुबह वृद्ध की पानी भरे गढ्ढे में डूबकर मृत्यु हो गयी। नगर पंचायत शोहरतगढ़. के मड़वा में 75 वर्षीय वृद्ध राममिलन पैर से विकलांग था। उसकी गड्ढे में डूबकर मौत हो गयी। वहीं परिजनों ने वृद्ध राममिलन की शव की सूचना शोहरतगढ़ पुलिस को दिया। पुलिस मौके पहुंचकर पोस्टमार्टम हेतु शव को मुख्यालय सिद्धार्थनगर भेज दिया। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष शोहरतगढ़. नवीन कुमार सिंह ने बताया कि वृद्ध राममिलन की गढ़डे की जलकुम्भी में डूबकर मृत्यु हो गयी, जिसके शव को पीएम हेतु पोस्टमार्टम भेज दिया है।

53 रेलकर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

गोरखपुर, अमृत विचार। 70वें रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में गुरुवार को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुल 53 रेलकर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में ट्रैक मेन्टेनर, तकनीशियन, स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, लिपिक, विभिन्न विभागों के निरीक्षक एवं सेक्शन इंजीनियर, चिकित्साकर्मी तथा अधिकारी सम्मिलित थे, जिनकी समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवा से रेल की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, उत्पादकता बढ़ी है, रेल दुर्घटनायें बचाई जा सकी हैं तथा तकनीकी सुझबूझ से अर्थिक स्वावलम्बन में बढ़ोत्तरी हुई है। 70वें रेल सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार वितरण के अवसर पर सभी को बधाई देते हुये महाप्रबन्धक ने कहा कि इस अवसर पर हम अपने समर्पित, कार्यदक्ष एवं निष्ठावान रेलकर्मियों को पुरस्कृत कर सम्मानित करते हैं, जिनके प्रयासों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, उत्पादकता बढ़ी है तथा संरक्षा के नये मानक स्थापित हुए।

नवनिर्मित स्पोर्ट्स जिम का हुआ उद्घाटन

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) उदय बोरवणकर की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एलियम्मा मैथ्यूज ने गुरुवार को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में नवनिर्मित 'स्पोर्ट्स जिम' का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, तीनों मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक, मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी, नरसा के पदाधिकारी, खिलाड़ी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आसिफ जहीर ने किया।

रेलवे स्टेशन पर छात्र के बैग में ब्लास्ट, हिरासत में युवक

वाराणसी, अमृत विचार। ब्लास्ट की सूचना मिलते ही वरुणा जोन की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, आईबी ने छानबीन की। जांच में सामने आया कि पानी का बोतल गैस की वजह से फट गया, जिससे तेज आवाज हुआ। प्यार, इनकार के बीच प्रेमी के पास बैग में रखे सल्फास वाले मिश्रण के पानी का बोतल बुधवार अपराह्न 3.30 बजे सारनाथ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म एक पर तेज आवाज के साथ फट गया। आवाज सुनते ही यात्री सहम गए। आरपीएफ और जीआरपी के हाथ पांव फूल गए। ब्लास्ट की सूचना मिलते ही वरुणा जोन की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, आईबी ने छानबीन की। जांच में सामने आया कि पानी का बोतल गैस की वजह से फट गया, जिससे तेज आवाज हुआ। हिरासत में लेकर युवक से पूछताछ की गई। बाद में उसे सारनाथ पुलिस ने छोड़ दिया। एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना ने बताया कि बिहार, पटना के बहादुरपुर निवासी राजू कुमार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है। बुधवार को सारनाथ के बरईपुर में कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में ऑनलाइन परीक्षा देने आया था। पूछताछ में राजू कुमार ने पुलिस को बताया कि परिवार वालों ने उसकी शादी तय कर दी है, लेकिन वह किसी और युवती से प्यार करता है। परीक्षा खत्म कर पटना जाने के लिए स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करने लगा और प्रेमिका से फोन पर बातचीत करने लगा। स्टेशन पहुंचने से पहले ही मन बनाया था कि सल्फास खाकर खुदकुशी कर लेगा।

होली पर विशेष गाड़ी का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की मांग पर 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे होली विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 21 फरवरी से 08 मार्च, 2026 तक तथा गोरखपुर से 22 फरवरी से 09 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 16 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

होली पर विशेष गाड़ी का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की मांग पर 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे होली विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 21 फरवरी से 08 मार्च, 2026 तक तथा गोरखपुर से 22 फरवरी से 09 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 16 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे। गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 01079/01080 मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस-गोरखपुर- मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस होली विशेष गाड़ी का संचलन मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस से 21 फरवरी से 08 मार्च तक तथा गोरखपुर से 23 फरवरी से 10 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 16 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 09, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

तैयारी — निगम मुख्यालय का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने वाला है, तैयारियां तेज

नगर निगम सदन भवन की आधारशिला रखेंगे मोदी

वाराणसी, अमृत विचार। आगामी काशी दौरे पर नगर निगम सदन भवन की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रखने की तैयारी है। इसके लिए नगर निगम ने प्रक्रिया तेज कर दी है। निगम मुख्यालय का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने वाला है। सिगरा स्थित मुख्यालय परिसर में जर्जर हो चुके पुराने भवनों को ध्वस्त कर यहां भव्य और हाईटेक नगर निगम सदन भवन का निर्माण किया जाएगा।

करीब 97 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक भवन का मॉडल विशेष रूप से काशी और गंगा की थीम पर आधारित है। इसकी बाहरी बनावट शिवलिंग की आकृति जैसी नजर आएगी। वर्तमान में इसे जी-प्लस फोर (चार मंजिला) स्तर पर निर्मित किया जा रहा है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्र 21,858.01 वर्ग मीटर है। आवश्यकता पड़ने पर इसे भविष्य में सात मंजिला (जी-प्लस सेवन) तक विस्तार देने का भी विकल्प रखा गया है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस, उप्र जल निगम ने ईपीसी मोड पर 15 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। इसे दिल्ली की कंपनी की देखरेख में बनाया जाएगा।

भवन के ऊपरी तलों पर विभागों का व्यवस्थित बंटवारा किया गया है। द्वितीय तल पर पार्षदों के लिए विशेष कक्ष और वीवीआईपी रूम होंगे, जबकि चतुर्थ तल पर महापौर, नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्तों के कार्यालय के साथ-साथ एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल बनाया जाएगा। तृतीय तल पर मीटिंग रूम और टैक्स विभाग संचालित होंगे।

वैश्विक पटल पर बनारस की नई पहचान

मेयर अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृढ़ संकल्प से काशी का चहुंमुखी कायाकल्प हो रहा है। सिगरा स्थित नगर निगम का यह नया सदन भवन न केवल अधिकारियों और पार्षदों के लिए एक आधुनिक कार्यस्थल बनेगा, बल्कि अपनी भव्य काशी-गंगा सांस्कृतिक थीम के कारण यह वैश्विक पटल पर बनारस की नई पहचान और विकास का मील का पत्थर साबित होगा। यह भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सुशासन का प्रतीक बनेगा, जहां। एक ही छत के नीचे डिजिटल तकनीक और पौराणिक परंपराओं का संगम दिखेगा।

नहर के शाखा में फंसा मिला अज्ञात महिला का शव

कुशीनगर, अमृत विचार : जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगल सिसवा में बृहस्पतिवार को बड़ी गंडक नहर की चाफ शाखा में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव जंगल सिसवा बाजार से रामनगर जाने वाले मार्ग पर स्थित नहर पुलिया के नीचे झाड़ियों में फंसा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार सुबह गांव के कुछ बच्चे नहर किनारे खेलने गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पुल के नीचे झाड़ियों में फंसे शव पर पड़ी। बच्चों ने तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही कुबेरस्थान थाना पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची व ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतका की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए है। मृतका की उम्र लगभग 35 वर्ष आंकी जा रही है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04212/04211 सुल्तानपुर जं. – लोकमान्य तिलक (ट.) – सुल्तानपुर जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04212		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04211	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	04:00	सुल्तानपुर जं	23:00	--
12:20	--	लोकमान्य तिलक (ट.)	--	14:35

चलने के दिन: 04212 सुल्तानपुर जं. से (गुरूवार एवं सोमवार) को दिनांक 26.02.2026 एवं 02.03.2026 को और 04211 लोकमान्य तिलक (ट.) से (प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार) को दिनांक 27.02.2026 एवं 03.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता.।
ठहराव: लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पचोरा जंक्शन, चालीसगांव जं., नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।

04226/04225 वाराणसी जं. – लोकमान्य तिलक (ट.) – वाराणसी जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04226		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04225	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	01:35	वाराणसी जं.	02:05	--
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	--	लोकमान्य तिलक (ट.)	--	14:35

चलने के दिन: 04226 वाराणसी जं. से (बुधवार एवं रविवार) को दिनांक 25.02.2026 एवं 01.03.2026 को और 04225 लोकमान्य तिलक (ट.) से (प्रत्येक गुरूवार एवं सोमवार) को दिनांक 26.02.2026 एवं 02.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता.।
ठहराव: जौनपुर सिटी, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पचोरा जं., चालीसगांव जं., नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।

03435/03436 मालदा टाउन – आनन्द विहार (ट.) – मालदा टाउन आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03435		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 3436	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:30	मालदा टाउन	22:30	--
13:40	--	आनन्द विहार (ट.)	--	15:35

चलने के दिन: 03445 मालदा टाउन से (सोमवार) को दिनांक 02.03.2026, 09.03.2026 एवं 16.03.2026 को और 03436 आनन्द विहार (ट.) से (प्रत्येक मंगलवार) को दिनांक 03.03.2026, 10.03.2026 एवं 17.03.2026 को। स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: न्यू फरक्का, बरहरवा जं., साहिबगंज जं., पीरपैंती, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किउल जं., शेखपुरा, नवादाह, तिलैया, गया जं., अनुग्रह एन रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज, गोविन्दपुरी और टूंडला जं. स्टेशन।

03009/03010 डानकुनि जं. – आनन्द विहार (ट.) – डानकुनि जं. आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03009		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03010	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:20	डानकुनि जं.	23:30	--
11:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	15:00

चलने के दिन: 03009 डानकुनि जं. से (शनिवार) को दिनांक 28.02.2026 एवं 07.03.2026 को और 03010 आनन्द विहार (ट.) से (प्रत्येक रविवार) को दिनांक 01.03.2026 एवं 08.03.2026 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: बर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल जं., शेखपुरा, नवादाह, तिलैया, गया, अनुग्रह एन रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., मिर्जापुर, प्रयागराज जं., गोविंदपुरी, इटावा जं. एवं टूंडला जं. स्टेशन।

05736/05735 कटिहार जं. – अमृतसर (ट.) – कटिहार जं. एक्सप्रेस होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05736		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05735	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	21:00	कटिहार जं.	23:45	--
09:45	--	अमृतसर जं.	--	13:25

चलने के दिन: 05736 कटिहार जं. से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक एवं 05735 अमृतसर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट, फारबिसगंज, ललितग्राम, राघोपुर, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी जं., शीशो, सीतामढ़ी, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर जं., रुड़की, सहारनपुर जं., अंबाला कैंट जं., राजपुरा जं, ढंडारी कलां, जलंधर सिटी और ब्यास स्टेशन।

06597/06598 यशवंतपुर जं. – योग नगरी ऋषिकेश – यशवंतपुर जं. एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 06597		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 06598	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:00	यशवंतपुर जं.	19:45	--
10:20	--	योग नगरी ऋषिकेश	--	17:55

चलने के दिन: 06597 यशवंतपुर जं. से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 05.03.2026 से 30.04.2026 तक एवं 06598 योग नगरी ऋषिकेश से (प्रत्येक शनिवार) दिनांक 07.03.2026 से 02.05.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: येलहंका जं., हिंदूपुर, धर्मावरम जं., अनंतपुर, धोने जं., कुरनूल सिटी, काचीगुडा, काजीपेट जं., बलारशाह, नागपुर जं., जुझारपुर, भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई, ग्वालियर जं., आगरा कैंट, मथुरा जं., पलवल, गाजियाबाद जं., मेरठ सिटी जं., मुजफ्फर नगर, टापरी जं., रुड़की एवं हरिद्वार स्टेशन।

07023/07024 चर्लपल्ली – हज़रत निज़ामुद्दीन जं. – चर्लपल्ली होली स्पेशल रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07023		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 07024	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:45	चर्लपल्ली	17:20	--
05:00	--	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	--	07:15

चलने के दिन: 07023 चर्लपल्ली से (प्रत्येक सोमवार एवं शनिवार) दिनांक 23.02.2026, 28.02.2026 एवं 02.03.2026 को और 07024 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से (प्रत्येक बुधवार एवं सोमवार) दिनांक 25.02.2026, 02.03.2026 एवं 04.03.2026 को। स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: काजीपेट जंक्शन, रामागुंडम, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, ग्वालियर जंक्शन और आगरा कैंट जंक्शन स्टेशन।

04829/04830 जोधपुर जं. – गोरखपुर जं. – जोधपुर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04829		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04830	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	16:15	जोधपुर जं.	03:00	--
04:30	04:45	दिल्ली जं.	12:50	13:05
20:50	--	गोरखपुर जं.	--	23:25

चलने के दिन: 04829 जोधपुर जं. से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 05.03.2026, 12.03.2026, 19.03.2026 एवं 26.03.2026 को और 04830 गोरखपुर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026, 13.03.2026, 20.03.2026 एवं 27.03.2026 को। स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मेड़ता रोड जंक्शन, डेगाना जंक्शन, छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़ जंक्शन, चूरू, सादुलपुर जंक्शन, लोहारू जंक्शन, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जंक्शन, मनकापुर जंक्शन, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशन।

04731/04732 श्री गंगानगर जं. – समस्तीपुर जं. – श्री गंगानगर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04731		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04732	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:25	श्री गंगानगर जं.	12:20	--
00:25	00:35	दिल्ली जं.	23:40	23:50
23:30	--	समस्तीपुर जं.	--	01:00

चलने के दिन: 04731 श्री गंगानगर जं. से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक और 04732 समस्तीपुर जं. से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सादुलशहर, हनुमानगढ़ जं., संगरिया, मंडी डबवाली, रमन, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक जं., दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वाल जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं. स्टेशन।

04729/04730 श्री गंगानगर जं. – गोरखपुर जं. – श्री गंगानगर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04729		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04730	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:25	श्री गंगानगर जं.	02:45	--
00:25	00:35	दिल्ली जं.	12:30	12:40
16:30	--	गोरखपुर जं.	--	19:30

चलने के दिन: 04729 श्री गंगानगर जं. से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 26.02.2026 से 26.03.2026 तक और 04730 गोरखपुर जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सादुलशहर, हनुमानगढ़ जं., संगरिया, मंडी डबवाली, रमन, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक जं., दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वाल जं., गोंडा जं., बलरामपुर, बढ़नी एवं सिद्धार्थनगर स्टेशन।

09609/09610 उदयपुर सिटी – योग नगरी ऋषिकेश – उदयपुर सिटी होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09609		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09610	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:45	उदयपुर सिटी	15:30	--
10:15	--	योग नगरी ऋषिकेश	--	17:55

चलने के दिन: 09609 उदयपुर सिटी से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक और 09610 योग नगरी ऋषिकेश से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 04.03.2026 से 01.04.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: राणाप्रतापनगर, मावली जं., फतेहनगर, चित्तौड़गढ़ जं., चंदेरिया, भीलवाड़ा, मंडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर जं., किशनगढ़, फुलेरा जं., जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई जं., राजगढ़, अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जं., शामली, रामपुर मनिहारान, टपरी जं., रुड़की एवं हरिद्वार स्टेशन।

03257/03258 दानापुर – आनन्द विहार टर्मिनल – दानापुर स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03257		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03258	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:30	दानापुर	20:45	--
00:30	--	आनन्द विहार (ट.)	--	05:00

चलने के दिन: 03257 दानापुर से (रविवार) दिनांक 08.03.2026 को और 03258 आनन्द विहार (ट.) से (सोमवार) दिनांक 09.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सूबेदारगंज एवं गोविंदपुरी (कानपुर) स्टेशन।

05559/05560 रक्सौल जं. – उधना जं. (सूरत) – रक्सौल जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05559		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05560	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:30	रक्सौल जं.	00:15	--
14:50	15:00	लखनऊ	14:20	14:30
12:35	--	उधना जं. (सूरत)	--	15:35

चलने के दिन: 05559 रक्सौल जं. से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को और 05560 उधना जं. (सूरत) से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 08.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सिकटा, नरकटियागंज जंक्शन, बगहा, कप्तानगंज जंक्शन, गोरखपुर, गोंडा जंक्शन, बाराबंकी जंक्शन, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना जंक्शन, संत हिरदाराम नगर (भोपाल), सीहोर, उज्जैन जंक्शन, नगदा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, गोधरा जंक्शन, वडोदरा जंक्शन एवं भरूच जंक्शन स्टेशन।

03309/03310 धनबाद जं. – दिल्ली जं. – धनबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03309		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03310	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	10:10	धनबाद जं.	13:00	--
09:15	--	दिल्ली जं.	--	11:45

चलने के दिन: 03309 धनबाद जं. से (मंगलवार एवं शनिवार) दिनांक 07.03.2026 से 10.03.2026 तक और 03310 दिल्ली जं. से (बुधवार एवं रविवार) दिनांक 08.03.2026 से 11.03.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गोमो जंक्शन, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी (कानपुर) एवं टूण्डला जंक्शन स्टेशन।

03677/03678 धनबाद जं. – गोरखपुर जं. – धनबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03677		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03678	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:30	धनबाद जं.	13:00	--
08:40	08:50	वाराणसी जं.	03:25	03:35
16:15	--	गोरखपुर जं.	--	19:50

चलने के दिन: 03677 धनबाद जं. एवं 03678 गोरखपुर जं. से (सोमवार) दिनांक 09.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गोमो जंक्शन, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, जौनपुर जंक्शन, औंड़िहार जंक्शन, मऊ जंक्शन, भटनी जंक्शन और देवरिया सदर स्टेशन।

09451/09452 गांधीधाम जं. – भागलपुर – गांधीधाम जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09451		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09452	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18:25	गांधीधाम जं.	08:00	--
01:20	01:30	लखनऊ	23:55	00:05
20:15	--	भागलपुर	--	05:00

चलने के दिन: 09451 गांधीधाम जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक एवं 09452 भागलपुर से (प्रत्येक सोमवार) दिनांक 09.03.2026 से 30.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: भचाऊ, सामाख्याली जंक्शन, ध्रांगधरा, अहमदाबाद जंक्शन, नाडियाद जंक्शन, दाहोद, रतलाम जंक्शन, भवानी मंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिण्डौन सिटी, बयाना जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, मथुरा जंक्शन, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, चकिया, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, बरौनी जंक्शन, बेगू सराय, मुंगेर एवं सुल्तानगंज स्टेशन।

09065/09066 सूरत – छपरा – सूरत स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09065		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09066	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:30	सूरत	13:35	--
06:50	07:00	वाराणसी जं.	14:50	15:00
14:30	--	छपरा	--	08:30

चलने के दिन: 09065 सूरत से (सोमवार) दिनांक 23.02.2026 को एवं 09066 छपरा से (बुधवार) दिनांक 25.02.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: केराकत, जौनपुर जं., वाराणसी जं., प्रयागराज छिवकी जं., जबलपुर, इटारसी जं., भुसावल जं. एवं नंदूरबार स्टेशन।

09465/09466 अहमदाबाद जं. – दरभंगा जं. – अहमदाबाद जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09465		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09466	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:25	अहमदाबाद जं.	16:24	--
18:15	18:30	लखनऊ	18:00	18:15
10:30	--	दरभंगा जं.	--	03:00

चलने के दिन: 09465 अहमदाबाद जं. से (शुक्रवार) दिनांक 27.02.2026 को एवं 09466 दरभंगा जं. से (सोमवार) दिनांक 02.03.2026 को। स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: छायापुरी (वडोदरा), रतलाम जं., उज्जैन जं., गुना, बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या कैंट, शाहगंज जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. और समस्तीपुर जं. स्टेशन।

04401/04402 दिल्ली सराय रोहिल्ला – फुलेरा जं. – दिल्ली सराय रोहिल्ला अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04401		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04402	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:10	दिल्ली सराय रोहिल्ला	18:05	--
02:30	--	फुलेरा जं.	--	11:40

चलने के दिन: 04401 दिल्ली सराय रोहिल्ला से (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) दिनांक 20.02.2026, 21.02.2026 एवं 22.02.2026 को एवं 04402 फुलेरा जं. से (शनिवार, रविवार एवं सोमवार) दिनांक 21.02.2026, 22.02.2026 एवं 23.02.2026 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दिल्ली कैंट, गुड़गांव, पटौदी रोड, रेवाड़ी जंक्शन, कुण्ड, अटली, नारनौल, डाबला, मांवडा, नीम का थाना, कांवट, श्री माधोपुर, रींगस जंक्शन और रेनवाल स्टेशन।

04084 नई दिल्ली – खोरधा रोड जं. एकतरफा आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 04084		स्टेशन
आगमन	प्रस्थान	
--	00:20	नई दिल्ली
12:30	--	खोरधा रोड जं.

चलने के दिन: 04084 नई दिल्ली से (शनिवार) दिनांक 21.02.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., एवं 3 टियर वाता.,
ठहराव: गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जंक्शन, पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन, चंद्रपुरा, बोकारो स्टील सिटी, पुरुलिया जंक्शन, बराभूम, चाण्डिल जंक्शन, टाटानगर जंक्शन, घाटशिला, हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रझर रोड, कटक एवं भुवनेश्वर स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज ब्रीफ

शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग ठुकराई

पटना। बिहार सरकार ने गुरुवार को करीब एक दशक पुराने शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग को खारिज करते हुए कहा कि यह कानून सभी दलों को साथ लेकर राज्य विधानसभा में पारित किया गया था। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद, जो सत्तारूढ़ राजग का हिस्सा हैं, ने नीति की समीक्षा की मांग करते हुए कहा था कि इससे राज्य को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि समीक्षा का कोई सवाल ही नहीं उठता।

जीवंत ग्राम कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीमावर्ती गांवों के व्यापक और सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए जीवंत ग्राम कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुक्रवार को शुरुआत करेंगे, जिसमें 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 1,954 सीमावर्ती गांव शामिल हैं। गुरुवार को कहा गया है कि दूसरा चरण केंद्र द्वारा वित्त पोषित योजना होगी, जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

ट्रैक पर तांबे के तार बदलेगा डीएमआरसी

नई दिल्ली। तांबे के तारों की बार-बार चोरी होने के कारण दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को अपने नेटवर्क में रणनीतिक बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। निगम ने नेटवर्क को चोरी से बचाने के लिए 175 किलोमीटर के क्षेत्र में तांबे के तारों को एल्युमीनियम के तारों से बदलने की योजना बनाई है। डीएमआरसी अगले 18 महीनों में 33 केवी तांबे की तारों को एल्युमिनियम से बदलने के लिए 32.59 करोड़ रुपये का व्यय करेगी।

अनी समूह की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने धन शोधन मामले में अनी बुलियन ट्रेडर्स समूह की 7.30 करोड़ रुपये मूल्य की तीन अचल और एक चल संपत्ति कुर्क की। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि अचल संपत्तियों में अनी समूह की कंपनियों में से एक, यानी अनी बुलियन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की जमीन और इमारतें शामिल हैं, जो लखनऊ, दिल्ली और उत्तराखंड के उत्तरकाशी में स्थित हैं। चल संपत्ति एक फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में है। ईडी ने यूपी पुलिस द्वारा दर्ज शिकायतों पर जांच शुरू की थी।

सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई

छह साल से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के बारे में शीर्ष कोर्ट ने जारी किए प्रक्रियात्मक निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 (सीएए) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली आईयूएमएल की प्रमुख याचिका सहित 200 से अधिक याचिकाओं पर पांच मई से अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 2019-2020 से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के संबंध में प्रक्रियात्मक निर्देश जारी किए।

पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता जिनमें इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख भी शामिल हैं, उनकी दलीलों पर वह डेढ़ दिन तक सुनवाई करेगी और केंद्र को अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पीठ 12 मई को याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर लेगी। पीठ ने पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज और दलीलें दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह पहले पूरे भारत में सीएए के लागू होने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और उसके बाद असम तथा त्रिपुरा से संबंधित याचिकाओं पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, असम की समस्या देश के बाकी हिस्सों से अलग है क्योंकि नागरिकता के लिए पहले की निर्धारक तिथि 24 मार्च 1971 थी, जिसे सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 तक बढ़ा दिया गया था। इन मामलों को पिछली बार 19 मार्च 2024 को एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जब उसने केंद्र से उन अंतरिम आवेदनों पर जवाब देने को कहा था जिनमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने हालांकि उन नियमों के अमल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिनके जरिए सीएए को लागू किया जाना है।

केंद्र ने मार्च 2024 में जारी की थी अधिसूचना

केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 2024 को संबंधित नियमों की अधिसूचना जारी कर संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया। यह अधिसूचना संसद में विवादास्पद कानून पारित किए जाने के चार साल बाद जारी की गई, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज करना था जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए थे।

- सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए 200 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिका दायर करने वालों में आईयूएमएल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

घूसखोर पंडत शीर्षक वापस, याचिका निपटी

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता नीरज पांडे की ओर से 'घूसखोर पंडत' शीर्षक और उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। 'ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय संगठन सचिव अतुल मिश्रा ने याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया गया था।

एमके स्टालिन के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एमके स्टालिन के खिलाफ दाखिल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता सैदाई एस. दुरईसामी की चुनाव याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में स्टालिन पर 2011 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। मद्रास हाईकोर्ट द्वारा 2017 में इस याचिका को खारिज किए जाने के बाद दुरईसामी ने शीर्ष अदालत का रुख किया। दुरईसामी 2011 के विधानसभा चुनाव में कोलाथुर सीट पर स्टालिन से 2,739 वोटों से हार गए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मतदाताओं को निर्धारित सीमा से अधिक धन वितरित किया गया था, साथ ही पूरक मतगणना भी कराई गई थी।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में एसआईआर कराने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची पहले ही तैयार हो चुकी है और याचिका निष्प्रभावी हो गई है। मृणाल कुमार चौधरी की ओर से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसमें अन्य राज्यों में कराए गए अपेक्षाकृत अधिक कठोर एसआईआर के बजाय असम में मानक विशेष पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया गया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि राज्य को मतदाता सूची की शुचिता को बनाए रखने के लिए एसआईआर की आवश्यकता है। निर्वाचन आयोग का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सूचित किया कि असम के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित हो चुकी है। इस पर सीजेआई ने टिप्पणी की, अब कुछ भी नहीं बचा है।

भाजपा केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफः भट्टाचार्य

कोलकाता, एजेंसी

बिहार में राजग सरकार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी आरोपों को लेकर जारी राजनीतिक तकरार के बीच भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य के लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार सरकार के खुले में मांस की बिक्री को विनियमित करने संबंधी हालिया आदेश का उल्लेख करते हुए इसे मांसाहार के खिलाफ भाजपा समर्थित कदम बताया। भट्टाचार्य ने पड़ोसी राज्य बिहार में खुलेआम मछली और मांस की बिक्री पर प्रस्तावित प्रतिबंध लगाने संबंधी तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, बंगाल के लोग जो चाहेंगे, वही खाएंगे। बंगाल में मछली और मांस मिलता रहेगा। बिहार के निर्देश पर विस्तार से बात करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने इस तरह के किसी भी व्यापक प्रतिबंध का प्रस्ताव नहीं रखा था। उन्होंने कहा, वे कभी ऐसी बात कह ही नहीं सकते। कोई इसे स्वीकार नहीं करेगा।

- पश्चिम बंगाल के पार्टी अध्यक्ष ने कहा- लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा का रुख केवल बीफ की खुलेआम बिक्री का विरोध करने तक ही सीमित है। बिहार में मछली और मांस की बिक्री पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मंगलवार को छोटे व्यापारियों की आजीविका संबंधी चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया था। उन्होंने कहा था, मुझे बिहार के उपमुख्यमंत्री के इस कथन से संबंधित एक रिपोर्ट मिली है कि मछली और मांस खुले बाजार में नहीं बेचे जा सकते। यह जनविरोधी और निंदनीय है। क्या हर कोई शॉपिंग मॉल में मांस और मछली बेच सकता है। सड़क किनारे मछली और मांस बेचने वाले ज्यादातर विक्रेताओं का क्या होगा।

मेघालय के सांसद की फुटसल खेलते समय गई जान

शिलांग। मेघालय से लोकसभा सदस्य और वॉयस ऑफ पीपल पार्टी के नेता डा रिकी एंड्रयू जे सिंग्कोन का गुरुवार शाम को शिलांग में फुटसल खेलते समय बेहोश होने के कुछ ही समय बाद अस्पताल में निधन हो गया। वॉइस ऑफ द पीपुल्स पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि यहां के अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें रात करीब 8:45 बजे मृत घोषित कर दिया। पार्टी के सहयोगियों और करीबी साथियों ने बताया कि सिंग्कोन फुटसल खेल रहे थे, तभी यह घटना घटी। लोकसभा में शिलांग संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंग्कोन, खासी-जयंतिया पहाड़ियों में जनहित का कार्य करने और जमीनी स्तर पर संपर्क स्थापित के लिए जाने जाते थे।

सॉफ्टवेयर के कारण कई हवाई अड्डों पर सेवा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी

सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण विभिन्न एयरलाइन के यात्रियों को गुरुवार सुबह आगमन संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि यह समस्या करीब 40 मिनट से अधिक समय तक बनी रही। सूत्रों ने बताया कि इस समस्या के कारण दिल्ली, मुंबई और अन्य हवाई अड्डों पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर प्रभावित हुईं।

सॉफ्टवेयर में खराबी के कारण चेक-इन सिस्टम सुबह लगभग छह बजकर 45 मिनट से सात बजकर 28 मिनट तक बंद रहा। सूत्रों में से एक ने बताया कि समस्या का समाधान कर लिया गया है और सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण एयरलाइन को ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। एयरलाइन की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया।

- दिल्ली, मुंबई और अन्य जगह करीब 40 मिनट तक यात्री रहे हलकान
- इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट व अकासा एयर रहीं प्रभावित

चंडीगढ़ सचिवालय और कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में उस समय हड़कंप मच गया, जब पंजाब सचिवालय और चंडीगढ़ जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार ई-मेल में मुख्यमंत्री कार्यालय, सचिवालय और न्यायालय परिसर में विस्फोट की बात कही गई है। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। एहतियात के तौर पर सचिवालय परिसर को खाली करा लिया गया और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। साथ ही हरियाणा सचिवालय को भी अलर्ट कर दिया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बीडीएस टीमें तलाशी अभियान चला रही हैं।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री को बतानी है पान किसानों की समस्याएं

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय पान किसान यूनियन ने पान किसानों को खाद, बीज, बैंक ऋण व किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दिलाने की मांग को लेकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम पत्र लिखा है। यूनियन के प्रदेश महासचिव बेचालाल चौरसिया ने राजभवन में ज्ञापन सौंपकर राज्यपाल से पान बरेजों के स्थलीय भ्रमण और 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मिलने का समय मांगा है। जिससे राज्यपाल को पान किसानों की समस्याओं से अवगत कराया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से भी पान किसानों की समस्याएं दूर करने की गुहार की है। पान किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव बेचालाल ने बताया कि प्रदेश में पान किसानों की कुल आबादी लगभग 95 हजार है। पान की खेती मुख्य रूप से चौरसिया समाज द्वारा प्रदेश के 21 जिलों (लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, प्रतापगढ़, बाराबंकी, महोबा, वाराणसी, हरदोई, सुलतानपुर, अमेठी सहित दस और जिले) में की जाती है। उन्होंने बताया कि पान अत्यंत नाजुक उत्पाद है। अधिकांश पान किसान भूमिहीन होते हैं। वे किराये पर भूमि लेकर अपनी जरूरत के अनुसार पान बरेजा बनाकर पान की खेती करते हैं।

- राज्यपाल से पान बरेजों के स्थलीय भ्रमण करने और 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मिलने का मांगा समय प्रदेश महासचिव ने

प्रदेश महासचिव ने बताया कि वर्ष 2011-12 में केंद्र व राज्य सरकार ने पान की फसल को राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना में शामिल कराकर पहली बार एक हजार वर्ग मीटर भूमि में पान बरेजा को एक यूनिट मानते हुए लागत की 50 प्रतिशत अनुदान की स्वीकृति दिलायी गयी थी। इसके अलावा उन्हें अन्य किसी योजना का लाभ नहीं मिलता है।

बीजापुर में 5 नक्सली मार गिराए, कई ठिकाने ध्वस्त

बीजापुर/रायपुर, एजेंसी

- ऑपरेशन कगार के तहत करेंगुट्टा इलाके में हुई मुठभेड़

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार नक्सल विरोधी अभियान के तहत चलाए गए ऑपरेशन कगार के दौरान पांच नक्सलियों को मार गिराया है। कई ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ करेंगुट्टा इलाके में हुई। एडीजी (नक्सल ऑपरेशन) विवेकानंद सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि मुठभेड़ जारी है और अधिक जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है।

गुरुवार सुबह इलाके में नक्सलियों के छिपे होने की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया। इसी दौरान नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है।

सड़क किनारे लगे दो आईईडी बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में थाना ईलमिड़ी क्षेत्र में संयुक्त अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने माओवादियों द्वारा लगाए गए दो शक्तिशाली आईईडी को बरामद कर उन्हें नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गुरुवार को ईलमिड़ी-मुलाजकांकेर मार्ग पर की गई। थाना ईलमिड़ी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और बीडीएस बीजापुर की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन और डिमाइनिंग अभियान पर निकली थी।

बिहार: विधानसभा अध्यक्ष समेत 45 विधायकों के निर्वाचन को चुनौती

पटना, एजेंसी

- पराजित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में दायर कीं याचिकाएं, विधायकों को जारी किए गए नोटिस

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार समेत 45 सदस्यों के विधानसभा चुनाव 2025 में हुए निर्वाचन को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पराजित प्रत्याशियों की ओर से दायर इन चुनाव याचिकाओं पर इन विधायकों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद ने बताया कि चुनाव याचिकाओं पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्रसाद ने कहा, टाउन सीट से प्रेम कुमार के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। हालांकि, उनके मामले में अभी नोटिस जारी नहीं हुआ है। भाजपा के आठवीं बार विधायक बने प्रेम कुमार के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अखौरी ओंकार नाथ ने चुनौती दी है। वह 26 हजार से अधिक मतों से पराजित हुए थे। प्रसाद ने बताया कि अधिकतर चुनाव याचिकाएं विजयी उम्मीदवारों द्वारा दाखिल हलफनामों में कथित विसंगतियों या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर दायर की गई हैं। जिन प्रमुख नेताओं के निर्वाचन को चुनौती दी गई है उनमें जदयू के मंत्री बिजेंद्र यादव और युवा विधायक चेतन आनंद तथा भाजपा के पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा शामिल हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के एक विधायक के निर्वाचन को भी चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई है।

वोट चोरी, मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप

मुख्य रूप से चुनावी हलफनामों में विसंगतियों और चुनाव नियमों के उल्लंघन का आरोप हैं। पराजित उम्मीदवारों का कहना है कि कई विधायकों ने नामांकन के समय अपनी संपत्ति, आपराधिक इतिहास और शैक्षणिक योग्यता के बारे में अधूरी या भ्रामक जानकारी दी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का भी उल्लंघन किया गया। इसके अलावा वोट चोरी, मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और महिला सशक्तीकरण के नाम पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

22 राज्यों में अप्रैल में एसआईआर कराने की पूरी करें तैयारी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को दिल्ली समेत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित तैयारी का काम जल्द पूरा करने को कहा है, क्योंकि इस प्रक्रिया के अप्रैल से शुरू किए जाने के आसार हैं। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना और उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा कि शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी प्रकार की प्रक्रिया इस वर्ष करने की तैयारी है।

आकाश से ऊंचा जज्बा...

भारतीय वायु सेना की सारंग प्रदर्शन टीम ने जयपुर में गुरुवार को सारंग और सूर्य किरण वायु प्रदर्शनी से पहले जल महल के ऊपर करतब दिखाए।

संदेश सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त संस्कृति की आलोचना की, कहा- देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का यही समय

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे, सरकारें रोजगार दें

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर राज्य गरीबों की मदद करते हैं तो यह बात पूरी तरह से समझ में आती है।

देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अधिकतर राज्यों का राजस्व घाटे में हैं लेकिन वे विकास की अनदेखी करते हुए इस तरह की मुफ्त सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मुफ्त सुविधाएं देने से देश के आर्थिक विकास में बाधा पैदा होती है और राज्यों को सभी को मुफ्त भोजन, साइकिल और बिजली देने के बजाय रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम करना चाहिए। हालांकि, न्यायालय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया। बिजली वितरण कंपनी ने विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी है। पीठ ने कहा, भारत में हम कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी कदमों के तहत आप उन लोगों को (निःशुल्क) सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं, जो बिजली शुल्क चुकाने में असमर्थ हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लेकिन जो वहन कर सकते हैं और जो नहीं कर सकते, उनमें भेद किए बिना आप वितरण शुरू कर देते हैं। क्या यह तुष्टीकरण की नीति नहीं होगी? पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। सीजेआई ने कहा, राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए।

कफ सिरप बनाने वाली कंपनी से पूछा, क्या आपको पता है कि देश की छवि को कितना नुकसान पहुंचा

नई दिल्ली। जिस फार्मास्युटिकल कंपनी के कफ सिरप के सेवन से उज्बेकिस्तान में 18 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी, उससे उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को पूछा, क्या आपको पता है कि इससे देश की छवि को कितना नुकसान हुआ है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने उस आदेश को रद्द करने से मना कर दिया, जिसमें कंपनी और उसके कुछ अधिकारियों को एक शिकायत पर तलब किया गया था, जिसमें मानक रहित दवाओं के विनिर्माण और बिक्री सहित कई नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। पीठ ने कहा, सिर्फ पैसों के लिए, आप इसमें शामिल हुए?

कांग्रेस में जब राहुल अपमानित महसूस करते हैं, तो मेरा क्या

- अपने अपमान पर बोले असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा

गुवाहाटी, एजेंसी

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने गुरुवार को कहा कि जब उन्होंने पार्टी में अपने अपमान का मुद्दा राहुल गांधी के साथ उठाया, तो उन्होंने (राहुल गांधी ने) उनसे कहा कि उन्हें भी अपमानित महसूस होता है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को सोमवार को तब एक झटका लगा जब बोरा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वह इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते।

बोरा के 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होने की संभावना है। सोमवार को अपने इस्तीफे के बाद बोरा ने राहुल गांधी द्वारा उन्हें फोन किए जाने पर दोनों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने राहुल गांधी से कहा था कि मैं पार्टी में अपमानित महसूस कर रहा हूं और फिर उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपमानित महसूस हो रहा है। तो फिर मेरे अपमान का क्या मूल्य है? मैं इतना अपमान सहन नहीं कर सकता, मुझमें इतनी क्षमता नहीं है।

प्रियंका गांधी वाद्रा ने जारी किया आरोपपत्र

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को गुवाहाटी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और अल्पसंख्यकों में भय पैदा करने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। भाजपा के एक प्रवक्ता ने इन आरोपों को ' 'सरासर झूठ और निराधार बताकर खारिज कर दिया। विपक्षी पार्टी ने विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार छह आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही।

महिलाएं नहीं रहीं, तो कहां से लाओगे मां।
–महाश्वेता देवी, बांग्ला साहित्यकार

सर्बिया संग एआई सेतु

नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन ने यह अकाट्य रूप से सिद्ध कर दिया है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श के हाशिये पर नहीं, अपितु उसके केंद्र में स्थापित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न यह महासम्मेलन मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल कूटनीति और तकनीकी संप्रभुता का सशक्त घोषणापत्र है। इस मंच से विश्व को एक स्पष्ट संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल नवाचार का उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह भू-राजनीतिक प्रभुत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा का मेरुदंड बन चुकी है।

सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण आयाम भारत का 'नियमों के अनुपालन' की भूमिका से निकलकर 'नियम-निर्माता' की भूमिका में अवतरित होना है। भारत ने अपने 'डिजिटल पब्लिक गुड्स' मॉडल, जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे आधारभूत ढांचे शामिल हैं, को जिस आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया, वह ग्लोबल साउथ के लिए एक आदर्श और व्यवहारिक विकल्प है। यह मॉडल पश्चिमी कॉरपोरेट एकाधिकार और चीनी राज्य-नियंत्रित तंत्र के बीच एक संतुलित, पारदर्शी और लोकतान्त्रिक मार्ग प्रशस्त करता है। कूटनीतिक दृष्टि से, विशेष रूप से सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्ज़ान्दर वूचिच के साथ हुई प्रधानमंत्री की बैठक के निहितार्थ गहरे और दूरगामी हैं। एआई, डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में सर्बिया के साथ बनी सहमति को केवल एक सामान्य द्विपक्षीय समझौते के रूप में देखना भूल होगी। वस्तुतः, सर्बिया यूरोप और एशिया के मध्य एक रणनीतिक सेतु है। यह साझेदारी भारतीय तकनीकी उद्यमों के लिए यूरोपीय बाजारों का प्रवेश-द्वार बन सकती है और 'विश्वसनीय एवं उत्तरदायी एआई' के भारतीय दृष्टिकोण को वैश्विक वैधता प्रदान करती है। डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा पर दोनों देशों का एकमत होना यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य की डिजिटल व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, न कि किसी एक धड़े के अधीन। शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के माध्यम से भारतीय मेधा को यूरोपीय अनुसंधान नेटवर्क तक पहुंच मिलना 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों को वैश्विक फलक पर विस्तार देने जैसा है। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष 'मानव-केंद्रित एआई' पर भारत का नैतिक जोर था। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य एल्गोरिद्म की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि समाज के 'अंतिम पायदान' पर खड़े व्यक्ति का सशक्तिकरण होना चाहिए। ध्यातव्य है कि एआई प्रशासन के वैश्विक मानक तय करने में भारत की सक्रियता उसे एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित करती है। यद्यपि डेटा गोपनीयता, 'डीपफेक' और एआई जनित भ्रामक सूचनाएं जैसी जटिल चुनौतियां विद्यमान हैं।

यह एआई शिखर सम्मेलन मात्र एक तकनीकी प्रदर्शनी न होकर भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन है। सर्बिया सहित अन्य देशों के साथ हुए समझौते यह संकेत देते हैं कि एआई के इस युगांतरकारी दौर में भारत मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि वह तकनीक के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण और वैश्विक कल्याण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगा।

प्रसंगवश

जीवन कौशल शिक्षा और आत्मबल की पाठशाला

21 वीं सदी केवल तकनीकी विकास की सदी नहीं है, बल्कि यह मनुष्यता के सबसे कठिन इम्तेहानों की भी सदी बन चुकी है। आज हमारे बच्चे मोबाइल, इंटरनेट और सूचना के जंजाल में जी रहे हैं, परंतु भीतर से वे अकेलेपन, असुरक्षा और भय से जूझ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार परिवर्तन हुए हैं, पर प्रश्न यह उठता है कि क्या यह शिक्षा बच्चों को जीवन जीने का साहस भी दे रही है? क्या वह उन्हें केवल नौकरी के लिए तैयार कर रही है या जीवन के लिए भी तैयार कर रही है?

शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। बच्चे गणित, विज्ञान और भाषा तो सीख रहे हैं, लेकिन यदि वे अपने भीतर उठते भावनात्मक तूफ़ानों को समझ ही नहीं पा रहे, तो यह शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के साथ जीवन कौशल का समावेश अब कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है, बच्चों और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्र के भविष्य से सीधे जुड़ा है। यदि आज की पीढ़ी भीतर से टूट रही है, तो कल का भारत कैसे खड़ा होगा?

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की चुनौतियां अलग हैं, पर अधिक गहरी हैं। नीति आयोग की 2017 की रिपोर्ट बताती है कि अनुसूचित जनजाति समुदाय में विद्यालय छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसका कारण केवल गरीबी या संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से जमी हुई यह सोच भी है कि 'हम पीछे हैं' या 'यह पढ़ाई हमारे लिए नहीं है।' यह आत्म अस्वीकृति ही सबसे खतरनाक है, क्योंकि यह बच्चे की चेतना को भीतर से तोड़ देती है।

शिक्षा मंत्रालय की यूडाइस रिपोर्ट 2021–22 भी यही संकेत देती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रॉपआउट दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जब बच्चा स्वयं को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ा नहीं महसूस करता, तो वह शिक्षा को अपने जीवन का हिस्सा मानना भी छोड़ देता है। ऐसे समय में जीवन कौशल शिक्षा एक प्रकाश स्तंभ की तरह सामने आती है। जीवन कौशल वे क्षमताएं हैं, जो बच्चे को केवल पढ़ा-लिखा नहीं, बल्कि समझदार और संवेदनशील इंसान बनाती है। आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, संवाद की क्षमता, समस्या समाधान, निर्णय लेने की समझ, सहयोग और सहानुभूति, ये सभी जीवन कौशल बच्चों के भीतर वह ताकत पैदा करते हैं, जिससे वह जीवन की कठिन परिस्थितियों से टूटता नहीं, बल्कि लड़ता है।

यूनिसेफ और यूनेस्को की संयुक्त रिपोर्ट लाइफ स्कि ल एजुकेशन फार यूथ (2019) इस बात की पुष्टि करती है कि जिन विद्यालयों में जीवन कौशल आधारित शिक्षा दी जाती है, वहां बच्चों में तनाव, हिंसा और आत्मघाती प्रवृत्तियां कम होती हैं, तथा आत्मविश्वास, संबंधों की गुणवत्ता और निर्णय क्षमता में सुधार होता है। जीवन कौशल कोई अतिरिक्त विषय नहीं है। यह हर विषय की आत्मा है। गणित सोचने की स्पष्टता देता है, भाषा अभिव्यक्ति की शक्ति देती है, विज्ञान जिज्ञासा का द्वार खोलता है और सामाजिक विज्ञान विवेक का विकास करता है। जब इन सभी विषयों में जीवन कौशल की चेतना जुड़ जाती है, तब शिक्षा केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि चेतना जगाती है।

राष्ट्री य शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति पहली बार शिक्षा को केवल परीक्षा प्रणाली नहीं, बल्कि मानव निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखती है। इसमें कहा गया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक दक्षता नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई: तकनीकी प्रगति या पर्यावरणीय संकट

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज 'एआई' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द सुनते ही आमतौर पर तकनीकी प्रगति, स्मार्ट सेवाएं और डिजिटल क्रांति की बातें जुड़ी नजर आती हैं। पर सच यह है कि जिस तकनीक को हम भविष्य का पर्यावरण-समर्थक समाधान मानते हैं, वही आज ऊर्जा खपत, पानी की खपत और कार्बन उत्सर्जन के मामले में एक नई समस्या बनकर उभर रही है। एआई की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है और अगर हम समय रहते न समझे, तो यह तकनीक हमारे जलवायु लक्ष्यों पर भी गंभीर दबाव डालेगी।

एआई सिस्टम, विशेषकर बड़े भाषा मॉडल और जनरेटिव एआई सिस्टम अत्यधिक कम्प्यूटेशनल पॉवर मांगते हैं। यह कम्प्यूटेशनल पॉवर सीधे बिजली की खपत में बदलती है। वैश्विक स्तर पर: अनुमान है कि 2026 तक एआई और डेटा सेंटर्स कुल मिलाकर लगभग 450-500 टेरावाट-घंटे ऊर्जा खपत करते हैं, जो लगभग 2% वैश्विक बिजली खपत के बराबर है। 2030 तक यह 945 टेरावाट-घंटे से अधिक पहुंच सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा सेंटर्स की ऊर्जा जरूरत तेजी से बढ़ेगी। अगर एआई का विस्तार इसी रफ्तार से हुआ, तो डेटा सेंटर्स का ऊर्जा उपयोग जापान जैसे देशों की कुल बिजली खपत के स्तर तक पहुंच सकता है। इन आंकड़ों को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से जोड़ा जाए, तो पता चलता है कि आज के एआई वर्कलोड (जैसे मॉडल ट्रेनिंग और इनफरेंस) के लिए जो बिजली चाहिए, वह कुछ देशों की कुल बिजली खपत के बराबर है और यह जरूरत भविष्य में और बड़े पैमाने पर होने वाली है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि बड़ी तकनीकी कंपनियों की गैर-प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन 2020-2023 में 150% तक बढ़ गया, जिसका मुख्य कारण डेटा सेंटर्स का ऊर्जा विस्तार है। डेटा सेंटर्स में सर्वर जब भारी काम करते हैं, तो वे गर्म हो जाते हैं। गर्मी को नियंत्रित करने के लिए कूलिंग सिस्टम इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें काफी मात्रा में पानी की खपत होती है। 2025 में डेटा सेंटर्स की कुल पानी खपत 300 से 700 अरब लीटर के बीच होने का अनुमान है, जो कुछ देशों के सालाना पानी उपयोग के बराबर है। चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर एक क्वेरी के लिए लगभग 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी।

यदि हम एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो यह पानी की खपत एक गुप्त मगर बड़ी जल संकट-संबंधित समस्या बन सकती है। खासकर उन इलाकों में, जहां पानी की कमी पहले से ही एक चुनौती है। एआई के बढ़ते उपयोग का सबसे चर्चित असर है कार्बन उत्सर्जन। आंकड़ों के अनुसार, एआई-संपर्की सिस्टमों द्वारा वार्षिक CO उत्सर्जन लगभग 105 मिलियन मीट्रिक टन हो चुका है, जो कि कुछ देशों के उत्सर्जन के बराबर है। कुछ विश्लेषणों के अनुसार, एआई और डाटा सेंटर 2.5% से 3.7% तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का हिस्सा हो सकते हैं, जो तेजी से बढ़ रहा है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि एआई सिर्फ टेक्नोलॉजी सेक्टर की सीमा के भीतर नहीं है। यह वैश्विक जलवायु कार्बन बजट को भी प्रभावित कर रहा है।

एआई मॉडल का प्रशिक्षण, जैसे- बड़े भाषा मॉडल की ट्रेनिंग, खुद ही भारी कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करता है। उदाहरण के लिए, किसी बड़े मॉडल का प्रशिक्षण हजारों टन CO जैसा उत्सर्जन पैदा कर सकता है। एआई के उत्सर्जन पर सिर्फ नकारात्मक विश्लेषण करना ही पर्याप्त नहीं है। कुछ शोध बताते हैं कि अगर एआई का उपयोग बुद्धिमानी से किया जाए, तो यह ऊर्जा दक्षता को भी बढ़ा सकता है। एक पीडब्लूसी अध्ययन का निष्कर्ष है कि एआई का उपयोग अगर पूरे आर्थिक ढांचे में फैलाया जाए, तो 2035 तक कुल ऊर्जा और उत्सर्जन में मामूली कमी भी संभव है। कुछ परिदृश्यों में 0.3%-1.9% तक का कमी। यह अध्ययन दिखाता है कि एआई के नकारात्मक प्रभाव और सकारात्मक अवसर दोनों को संतुलित करना जरूरी है। सिर्फ तकनीक को दोष देना या समाधान मान लेना, दोनों ही अर्ध-सत्य हैं।

भारत डिजिटल विकास और एआई अपनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के सामने पहले से ही तीन बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं- ऊर्जा दबाव, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। यदि एआई का विस्तार बिना पर्यावरणीय संतुलन के किया गया, तो यह जल संकट को गहरा कर सकता है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता बढ़ा सकता है और कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को कमजोर कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि एआई को ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सही दिशा में इस्तेमाल किया गया, तो यह भारत के लिए समाधान का हिस्सा भी बन सकता है।

जब तकनीकी कंपनियां सवाल करती हैं कि 'क्या एआई को रोकना चाहिए?' तो जवाब एकदम सरल नहीं है। समस्याएं जटिल हैं और समाधान बहुआयामी उर्जा स्रोत का प्रकृति-निर्देश एआई डेटा सेंटर्स को अगर पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से चलाया जाए, तो ऊर्जा-जनित कार्बन को काफी घटाया जा सकता है। उन्नत कूलिंग सिस्टम और रिसायक्लिंग तकनीकें पानी की खपत को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकती हैं। वैश्विक क्लाइमेट सम्मेलन जैसे COP30 में भी एआई के पर्यावरण-प्रभावों पर चर्चा हुई है और विशेषज्ञों ने एआई के लिए 'स्थिरता मानकों' की मांग की है।

आज के समय में एआई तकनीक को केवल एक डिजिटल प्रगति का प्रतीक मानना हमारे पर्यावरण के प्रति एक अर्ध-सत्य होगा। वास्तव में, एआई के ऊर्जा, पानी और कार्बन परिदृश्यों में होने वाला विस्तार एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो तत्काल नीति-निर्माण, सतत डिजाइन और वैश्विक सहयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। यदि हम इन तकनीकों को बिना पर्यावरणीय चिंताओं के विकसित होने दें, तो तकनीक कभी हमारे भविष्य को बचाने के बजाय, हमारे स्व-निर्मित संकटों को और तीव्र कर सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर क्वेरी के लिए 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी। एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो पानी की खपत बड़ा जल संकट बन सकता है।

आमने

इन लोगों को पहले लगता था कि प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं आएगी, तब ये लोग कांग्रेस की ओर भाग गए। जैसे ही भाजपा आई, तो दोबारा बुके लेकर बैठ गए और झंडे लगा लिए। मैंने पहले भी कहा कि वे मतलब की राजनीति से पार्टी में आए हैं और उन्हें अपना स्वार्थ पूरा करना है।

–सतपाल जांबा
भाजपा विधायक, हरियाणा

सामने

भाजपा किसी अकेले व्यक्ति की पार्टी नहीं है। विधायक कह रहे हैं कि मेरी पार्टी है, जब पार्टी उनकी हो जाएगी, तब हम पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। मुझे पार्टी अच्छी लगी तो मैंने ज्वाइन की। जिस प्रकार विधायक बयान दे रहे हैं, इससे हलके में उनकी छवि गिर रही है। पार्टी ही इस पर संज्ञान लेगी।

–सतबीर भाना
भाजपा नेता, हरियाणा

नई रक्षा खरीद से बदलेगा सामरिक संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस-400 मिसाइलों की स्वीकृति केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की सामरिक चेतना का ऐतिहासिक उद्घोष है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा नीति के दायरे से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और विश्वसनीय निवारण की रणनीति को संस्थागत रूप दे रहा है। लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद बन सकती है। रणनीतिक हलकों में इसे यूं ही 'मदर ऑफ ऑल डिफेंस डील्स' नहीं कहा जा रहा है। यह सौदा वायु-श्रेष्ठता, बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भू-राजनीतिक संतुलन, चारों आयामों को एक साथ सुदृढ़ करता है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब उत्तरी सीमाओं पर सैन्य सक्रियता और पश्चिमी मोर्चे पर निरंतर तनाव भारत के लिए दो-मोर्चीय चुनौती का यथार्थ प्रस्तुत करते हैं। भारतीय वायुसेना की स्वीकृत क्षमता 42 स्क्वाड्रन की है, किंतु वास्तविक संख्या लगभग 29-30 के बीच सिमटी हुई है। पुराने मिग-21 विमानों के चरणबद्ध निष्कासन ने इस अंतर को और स्पष्ट कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में 114 नए राफेल विमानों की मंजूरी केवल संख्यात्मक वृद्धि नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन की पुनर्स्थापना है। वर्तमान में 36 राफेल विमान भारतीय वायुसेना में परिचालन कर रहे हैं और उन्होंने उच्च-ऊंचाई अभियानों से लेकर त्वरित प्रतिक्रिया मिशनों तक अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। नई डील के बाद इनकी संख्या लगभग 150 तक पहुंच सकती है, जिससे पश्चिमी सीमा पर त्वरित प्रहार और उत्तरी मोर्चे पर गहन वायु-श्रेष्ठता एक साथ सुनिश्चित की जा सकेगी।

फ्रांस की दसाल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल 4.5 पीढ़ी का अत्याधुनिक 'ओम्नी-रोल' लड़ाकू विमान है। इसकी शक्ति केवल गति या हथियार-क्षमता में नहीं, बल्कि बहु-भूमिका दक्षता में निहित है। एक ही मिशन में वायु-श्रेष्ठता स्थापित करना, सटीक जमीनी हमला करना और सामरिक टोही संचालन करना इसकी विशिष्टता है। एईएसए रडार एक साथ अनेक लक्ष्यों को ट्रैक और एंगेज कर सकता है। मेटेओर बीवीआर मिसाइल 150-200 किलोमीटर तक 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' में लक्ष्य भेदने की क्षमता देती है, जबकि स्कैल्प क्रूज मिसाइल सुदृढ़ बंकरों और रणनीतिक ठिकानों को सुरक्षित दूरी से नष्ट कर सकती है। स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम राफेल को दुश्मन के रडार और मिसाइलों से बचाने में अभेद्य कवच प्रदान करता है। नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध क्षमता इसे अन्य प्लेटफॉर्म और कमांड सिस्टम से जोड़कर रीयल-टाइम डेटा साझा करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि राफेल को वास्तविक 'फोर्स मल्टीप्लायर' कहा जाता है, जो संपूर्ण युद्ध-तंत्र की क्षमता को गुणात्मक रूप से बढ़ा देता है।

इस मेगा डील का सबसे दूरदर्शी आयाम इसका औद्योगिक ढांचा है। 114 विमानों में से लगभग 20 फ्रांस से 'फ्लाई-अवे' स्थिति में आएंगे, जबकि शेष 90 से अधिक विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। इस उत्पादन सहयोग में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की केंद्रीय भूमिका होगी। इसमें 50-60 प्रतिशत तक स्वदेशी सामग्री शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एयरो-स्ट्रक्चर, एवियोनिक्स सब-सिस्टम, वायरिंग हार्नेस, रडार मॉड्यूल और मेंटेनेंस-रिपेयर सुविधाओं का बड़ा हिस्सा देश में ही विकसित होगा। यह केवल तकनीक का आयात नहीं, बल्कि ज्ञान और कौशल का हस्तांतरण भी है। इससे भारतीय एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थान मिलेगा। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को वास्तविक औद्योगिक आधार यहीं से प्राप्त होगा।

राफेल के साथ-साथ 288 मिसाइलों की खरीद, जो रूस निर्मित एस-400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली के लिए है, भारत की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाती है। लगभग 10,000 करोड़ रुपये की इस स्वीकृति में 120 शॉर्ट-रेंज और 168 लॉन्ग-रेंज मिसाइलें शामिल हैं। एस-400 की अधिकतम मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है और यह एक साथ 80 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक कर सकती है। स्टेल्थ लड़ाकू विमान, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल, इन सभी जटिल खतरों के विरुद्ध यह प्रणाली प्रभावी सुरक्षा कवच प्रदान करती है। आधुनिक युद्ध में आक्रामक शक्ति जितनी आवश्यक है, उतनी ही सुदृढ़ रक्षात्मक संरचना भी अनिवार्य है। राफेल जहां आकाश में वर्चस्व स्थापित करता है, वहीं एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उस आकाश को अभेद्य बनाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस-400 मिसाइलों की रक्षा खरीद भारत की सामरिक चेतना का उद्घोष है।

सोशल फोरम

कहानी रीयल ठग की

ठग, वह अपराधी हैं, जो लोगों को लूटते थे। 1356 से 1894 ईस्वी तक लगभग 450 वर्षों तक एशिया में सक्रिय रहे। 'ठग' को अंग्रेज़ी में 'Thug' ही कहा जाता है। 'ठग' मूल रूप से अंग्रेज़ी शब्द नहीं है। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में ठगों के अपराधों और हत्याओं के कारण यह शब्द अंग्रेज़ी भाषा में प्रचलित हुआ।

शोएब गाजी
ब्लॉगर

ठग या ठगी इतिहास का सबसे बदनाम और घातक आपराधिक गिरोह था, जो 19वीं सदी के अंत तक राजमार्गों पर यात्रियों को अपना शिकार बनाता रहा। इस शब्द में क्रूरता से जुड़ी एक कहानी छिपी है, जिसकी जड़ें 13वीं–14वीं सदी के भारत से मिलती हैं, जब पेशेवर ठगों ने 'खुशबू' वाला रूमाल सूंघाकर और तरह-तरह के झांसे देकर लोगों को लूटना शुरू किया।

उनका तरीका सरल था। लंबी यात्रा के दौरान यात्रियों से मित्रवत व्यवहार कर उनका विश्वास जीतना और फिर किसी सुनसान जगह पर उनका गला घोंट देना। उनका मुख्य हथियार रूमाल या फंदा होता था, जिससे वे पलभर में अपने शिकार का गला घोंट देते या ज़हर देकर मार डालते। लूटपाट कर लाशों दफना देते।

आश्चर्य की बात यह है कि ठगों के समूह में हिंदू-मुस्लिम का भेद नहीं था। मुस्लिम सदस्य भी भवानी की पूजा और अन्य रस्मों में भाग लेते थे। कुछ विवरणों के अनुसार ठगी उनके लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म भी थी। उनका विश्वास था कि उनकी देवी उनके कार्यों से प्रसन्न होती हैं और शुभ संकेत मिलने तक वे किसी अभियान में हिस्सा नहीं लेते थे।

लंबे समय तक ब्रिटिश प्रशासन को इन हत्याओं और लूट की पूरी जानकारी नहीं थी। 1829 तक ये अपराध जारी रहे। William Henry Sleeman को नरबदा क्षेत्र में नियुक्त किया गया। उन्हें 1807 और 1814 की कई हत्याओं की जानकारी मिली। उन्होंने कंपनी को विस्तृत रिपोर्ट भेजी। इसके बाद ठगों के विरुद्ध अभियान शुरू हुआ। ठगी से निपटने के लिए अंग्रेज़ों को एक अलग विभाग बनाना पड़ा, जिसे बाद में खुफिया तंत्र की नींव माना गया।

1826 से 1835 के बीच 1562 लोगों पर मुकदमे चले, जिनमें से 1404 को फांसी या आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। कुछ ठगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सैकड़ों लोगों की हत्या की थी। जो सरकारी गवाह बने, उन्हें माफ़ी देकर जबलपुर की विशेष जेल में नजरबंद किया गया और उन्हें कालीन बुनाई जैसे कार्यों में लगाया गया।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्री के मायने

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है कि रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई, बल्कि दशकों से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं कि अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू सांसदों को अहम औहदे सौंपे, ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है, हालांकि इसे रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध विच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जब तक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने कीं और कुछ दूसरे देशों ने करवाईं?

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती, तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, उनके आवास पर पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया।

इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है, जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे, जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयों को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है, क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं, जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

यात्रा टाइपराइटर के आविष्कार की

मानव सभ्यता के विकास में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हाथ से लिखे दस्तावेज लंबे समय तक संचार और प्रशासन का आधार रहे, किंतु औद्योगिक क्रांति के दौर में जब व्यापार, न्यायालय और सरकारी कार्यों का विस्तार हुआ, तब तेज और स्पष्ट लेखन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। इसी आवश्यकता ने टाइपराइटर के आविष्कार की दिशा में अनेक प्रयासों को जन्म दिया। 18 वीं शताब्दी में इंग्लैंड के हेनरी मिल ने एक "राइटिंग मशीन" का पेटेंट अवश्य कराया, पर उसका कोई ठोस मॉडल सामने नहीं आ पाया। 19 वीं शताब्दी में विभिन्न आविष्कारकों ने प्रयोग किए, परंतु मशीनें जटिल और अव्यावहारिक सिद्ध हुईं। अंततः इस दिशा में निर्णायक सफलता अमेरिकी आविष्कारक क्रिस्टोफर लाथम शोल्स को मिली। उन्होंने 1860 के दशक में अपने साथियों के साथ मिलकर एक ऐसी मशीन विकसित की, जो अक्षरों को यांत्रिक ढंग से कागज पर उकेर सकती थी।

शोल्स के इस आविष्कार को 1874 में व्यावसायिक रूप से उत्पादन का अवसर मिला, जब प्रसिद्ध कंपनी Remington & Sons ने इसे बाजार में उतारा। "Sholes and Glidden Typewriter" के नाम से प्रसिद्ध इस मशीन ने कार्यालयों की कार्यशैली बदल दी। इसी के साथ QWERTY की-बोर्ड लेआउट भी अस्तित्व में आया, जिसे टाइपबार के आपस में फंसने की समस्या से बचने के लिए तैयार किया गया था। यही लेआउट आज भी कंप्यूटर कीबोर्ड पर प्रचलित है।

टाइपराइटर ने न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति दी, बल्कि समाज में नई भूमिकाएं भी निर्मित कीं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए टाइपिस्ट के रूप में रोजगार के अवसर खुले। पत्रकारिता, न्यायालय और व्यावसायिक पत्राचार में यह मशीन क्रांतिकारी सिद्ध हुई। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कंप्यूटर और प्रिंटर के आगमन से टाइपराइटर का उपयोग धीरे-धीरे कम हो गया, किंतु लेखन तकनीक के इतिहास में उसका योगदान अमिट है। यह आविष्कार मानव की उस जिज्ञासा और नवोन्मेष की भावना का प्रतीक है, जिसने साधारण लेखनी को यांत्रिक दक्षता में परिवर्तित कर दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

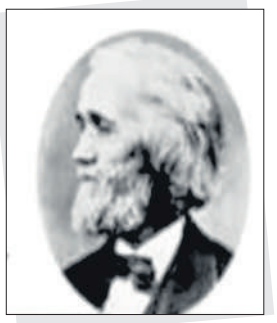

क्रिस्टोफर लाथम शोल्स का जन्म 14 फरवरी 1819 को अमेरिका में हुआ। वे पेशे से पत्रकार, संपादक और राजनीतिज्ञ भी थे। युवावस्था में उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस और समाचार-पत्रों से जुड़कर काम किया, जिससे उन्हें लेखन और मुद्रण तकनीक में गहरी रुचि हुई। वे सामाजिक सुधारों के समर्थक थे और दास-प्रथा के विरोध में भी सक्रिय रहे। बाद में उन्होंने यांत्रिक प्रयोगों की ओर ध्यान दिया और टाइपराइटर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोल्स का निधन 17 फरवरी 1890 को हुआ, किंतु उनका आविष्कार आज भी आधुनिक कीबोर्ड के रूप में जीवित है।

भारत के खगोलविद् समझेंगे ब्रह्मांड की गुरुत्व लहरें

कॉम्पैक्ट बाइनरी कोलीसेंस ऑब्जर्व्ड बाय लीगो एंड विर्गो ड्यूरिंग द सेकेंड पार्ट ऑफ द थर्ड ऑब्जर्विंग रन शीर्षक से उपलब्ध एक रिसर्च-रिव्यु रिपोर्ट उस व्यापक परियोजना के बारे में बात करती है, जिससे रेडियो एस्ट्रोनॉमर्स ने सुदूर ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव्स की उपस्थिति के स्रोतों को चिह्नित किया है। ग्रेविटेशनल वेव्स अर्थात गुरुत्व लहरों और इनमें समाई हुई विपुल शक्ति से ब्रह्मांड में नई रचनाओं का जन्म होता है और पुरानी रचनाओं एवं अरबों-खरबों गैलेक्सियों में मौजूद तारों या कहें तो ऑब्जरवेबल स्टार्स के जीवन मरण की घटनाओं के अलावा ब्लैक होल्स की मैपिंग करने के बाद एक कैटेलॉग बनाया गया है। कैटेलॉग, मतलब एक ऐसी बड़ी सूची वाली किताब, जिसमें यह दर्ज किया गया है कि फलां तारा या ब्लैक होल, पृथ्वी से किए गए अवलोकन की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर, ब्रह्मांड में किस तरफ और कितना दूर मौजूद हैं और क्या होने की संभावना है, जिसे एक विशिष्ट संख्या और नाम दिया गया है।

मनुष्य की वैज्ञानिक रुचियों का यह एक ऐसा अध्याय है, जिसकी कोई भी व्याख्या विस्मित करने के लिए काफी है। ब्रह्मांड अवलोकन के लिए जो भी साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स अब तक बनाए गए हैं या प्रतावित हैं, उन पर अनेक देशों ने सम्मिलित रूप से इतनी धनराशि खर्च कर दी है, जोकि हमारे अनुमान से आगे निकल जाती है। इन 200 सालों में अन्वेषण की उत्तेजना से ओतप्रोत खगोलविदों ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को कई गुणा बढ़ाया है। एस्ट्रोफिजिक्स में ऐसे आख्यान सेट किये गए हैं, जोकि प्रथम दृष्टया समझ से बाहर हैं, क्योंकि एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में नियम और गणनाएं और संबद्ध टर्मिनोलॉजी उपलब्ध हैं, उन्हें इस विधा के जानकारों के अलावा अन्य लोग कम ही समझते हैं।

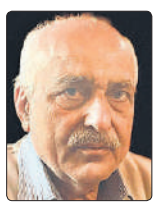

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत 82 पन्नों में दुनिया के जाने-माने और कम ज्ञात उन 297 संस्थानों ने सहयोग करते हुए, जो लंबा-चौड़ा शोध-समीक्षा पत्र प्रकाशित किया है वह एक व्यापक और दीर्घकालिक सहयोग का नतीजा है। ग्रेविटेशनल वेव्स के सोर्सेज की मैपिंग क्यों जरूरी है और क्यों इस पर कभी भी राजनीतिज्ञों की टिप्पणियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं? इसलिए कि ऐसे विषयों के बारे में संबद्ध विभाग और मंत्रालय से जुड़े हुए संस्थानों और फंडिंग एजेंसीज की टेक्निकल और साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटियों या एक देश की संसद की स्थायी समिति में चर्चा होती है और इनकी रिपोर्टिंग कम ही होती है। उपर्युक्त स्टडी में कहा गया है कि इसमें ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव स्रोतों की बहुतायत का खुलासा है, जोकि एडवांस्ड लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्ज़र्वेटरी लीगो और एडवांस्ड विर्गो डिटेक्टरों से किया गया तीसरी बार का कोलैबोरेशन सर्वेक्षण हैं। लीगो-विर्गो द्वारा किए गए सर्वेक्षण की तीसरी पारी के अंत तक खोजे गए ट्रांजिएंट ग्रेविटेशनल वेव सिग्नलों का ही यह रिकॉर्ड है, जोकि तीसरी पारी के दूसरे भाग में दर्ज किए गए सिग्नलों को शामिल करके पिछले सर्वेक्षण का नवीकरण करता है। नवीकरण अध्ययन में 1 नवंबर 2019 से 27 मार्च 2020 तक की अवधि में तीसरी पारी के दौरान का डेटा शामिल है।

ग्रेविटेशनल वेव्स एक एस्ट्रोनॉमिकल टूल है, जिसे इंस्ट्रूमेंट्स डिटेक्टर्स से पकड़ कर ब्रह्मांडीय रचनाओं की स्थिति, इनमें हुए परिवर्तन और व्यवहार पर नजर रखी जाती है और अवलोकन करते हुए डाटा दर्ज किया जाता है। यह भी कि इन व्यवहार परिवर्तनों और ग्रेविटेशनल वेव्स से पृथ्वी और सौर मंडल कैसे प्रभावित होता है। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा के उपाय इन्हीं अवलोकनों की व्याख्या से मालूम होते हैं, जिसके लिए व्यापक डाटा का सुपर कंप्यूटर से एनालिसिस किया जाता है। इससे हमें मालूम होता रहता है कि सुदूर ब्रह्मांड से आने वाली ग्रेविटेशनल लहरों की शक्ति से पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर पर क्या प्रभाव पड़ा है। अस्तित्व हेतु इसमें आने वाले सूक्ष्म परिवर्तन पृथ्वी के मौसम की विशाल मशीनरी को प्रभावित करते हैं, जिस पर जीवन टिका हुआ है।

लीगो वेधशालाओं की स्थापना

लीगो से पहले ब्रह्मांड के बारे में हमारे पास जो भी, जैसा भी डाटा था वह प्रकाश और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक तरंगों को ऑप्टिकल एवं रेडियो टेलेस्कोप्स के प्रयोग से रिकॉर्ड किया जाता था। लीगो ऑब्जर्वेटरीज की स्थापना के बाद से एक अतिरिक्त और बेहतर टूल खगोल भौतिकिविदों को हासिल हुआ है। लीगो वेधशालाओं की स्थापना होने के बाद सन् 2002 में इन्होंने काम करना शुरू किया था। सन् 2015 में लीगो को उन्नत किया गया तभी बहुत सा नया डाटा मिला। ग्रेविटेशनल वेव्स की मौजूदगी की अवधारणा सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी में प्रकट की थी। क्या ग्रेविटेशनल वेव्स वास्तव में उपस्थित हैं, यह मालूम करने के लिए सन् 1960 में अमेरिकी और सोवियत युग के वैज्ञानिकों ने चिंतन करते हुए इन्हें पकड़ने के लिए सैद्धांतिक कार्य शुरू किया और कहा कि ये मौजूद हैं और इनके दर्ज करना भी संभव है, बशर्ते विशिष्ट प्रकार के इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण कर लिया जाए।

इंटरफेरोमीटर का निर्माण

प्रोटोटाइप इंटरफेरोमेट्रिक ग्रेविटेशनल वेव डिटेक्टर इंटरफेरोमीटर, 1960 के दशक के आखिर में रॉबर्ट एल फॉरवर्ड और ह्यूजेस रिसर्च लेबोरेटरीज में उनके साथियों ने बनाए थे, जिनमें शीशे, फ्री स्विंगिंग के बजाय, वाइब्रेशन आइसोलेटेड प्लेट पर लगे थे। सन् 1970 के दशक में मैसाच्यूसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी, कैलिफोर्निया, यूएस में वीस ने, जो इंस्ट्रूमेंट बना उसमें फ्री स्विंगिंग शीशे थे, जिनके बीच लाइट कई बार टकराती थी। बाद में जर्मनी में हेंज बिलिंग और उनके साथियों ने और फिर ग्लासगो, स्कॉटलैंड में रोनाल्ड ड्रेवर, जेम्स हॉफ और उनके साथियों ने भी अपने तरीके से ग्रेविटेशनल वेव्स को दर्ज करने के लिए यंत्र प्रणालियों का निर्माण किया था। काम जारी रहा और सन् 1980 में, यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन ने एमआईटी के पॉल लिंसय, पीटर सॉल्सन, रेनर वीस के नेतृत्व में एक बड़े इंटरफेरोमीटर के निर्माण और अध्ययन करने के लिए फंड दिया। फिर कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैलटेक के रोनाल्ड ड्रेवर और स्टैन व्हिटकॉम्बने 40 मीटर का एक प्रोटोटाइप बनाया, लेकिन दूसरी ओर एमआईटी ने पर्याप्त सेंसिटिविटी के साथ 1 किलोमीटर स्केल पर इंटरफेरोमीटर बनाने की संभावना साबित की, जिसमें बहुत से डिश-टाइप ऐंटेना जमीन पर लगाकर इन्हें आपस में जोड़ा जाना शामिल था।

रिसर्च और डेवलपमेंट

(एमआईटी) और कैलटेक के वैज्ञानिकों ने जब गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज के महत्व को समझा, तब उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की। ड्रेवर, किप थॉर्न और रोनाल्ड वीस के नेतृत्व में एक स्टीयरिंग कमेटी गठित की गई, जिसने 1986 तक परियोजना की दिशा तय की। बाद में अमेरिकी सरकार ने संरचना में बदलाव करते हुए कैलटेक के रोचस ई. वाउट को निदेशक नियुक्त किया। 1988 में प्रारंभिक चरण पूरा होने के बाद अनुसंधान एवं विकास के विस्तार हेतु नए प्रस्ताव को स्वीकृति मिली, किंतु 1989 से 1994 के बीच परियोजना तकनीकी और संगठनात्मक चुनौतियों से जूझती रही। नियमित फंडिंग के प्रस्ताव बार-बार अस्वीकृत होते रहे। अंततः 1991 में अमेरिकी कांग्रेस ने पहले वर्ष के लिए 23 मिलियन डॉलर की राशि स्वीकृत की। 1992 में परियोजना का पुनर्गठन किया गया और इसे एक उन्नत "इवोल्यूशनरी डिटेक्टर" के रूप में विकसित करने की योजना बनी, जो गुरुत्वाकर्षण तरंगों का सूक्ष्मतम स्तर पर पता लगा सके। 1994 में नेशनल साइंस फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक फंडिंग दी, जो उस समय की सबसे बड़ी वैज्ञानिक सहायता थी। उसी वर्ष वाशिंगटन के हैनफोर्ड और 1995 में लुइसियाना के लिविंगस्टन में निर्माण कार्य शुरू हुआ। 1997 तक निर्माण पूरा होने की दिशा में बढ़ते हुए दो संस्थाएं स्थापित की गईं—लीगो लेबोरेटरी और लीगो साइंटिफिक कोलैबोरेशन—जिनका उद्देश्य तकनीकी और वैज्ञानिक शोध को सुव्यवस्थित करना था।

भारत ने भी लीगो-इंडिया परियोजना के माध्यम से इस वैश्विक प्रयास में भागीदारी की। इसका लक्ष्य अमेरिका और इटली की प्रयोगशालाओं के सहयोग से भारत में एक अत्याधुनिक गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला स्थापित करना है। फरवरी 2016 में इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिली और महाराष्ट्र में उपयुक्त स्थल का चयन हुआ। अप्रैल 2023 में भारत सरकार ने 2,600 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति दी। परियोजना के 2030 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। लीगो-इंडिया में चार किलोमीटर लंबे दो वैक्यूम चैंबर होंगे, जो अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे। यह वेधशाला वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनेगी और गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञान में भारत की भूमिका को सशक्त करेगी। वैज्ञानिकों को विश्वास है कि गुरुत्व लहरों का अध्ययन ब्रह्मांड में पदार्थ की उत्पत्ति और विकास संबंधी हमारी समझ को नई दिशा देगा।

वाइल्ड लाइफ

साइगा मृग : अनोखे रूप वाला जीव

साइगा मृग, सामान्य मृग और चींटीखोर का अनोखा मिश्रण है। यह दुर्लभ प्रजाति मुख्यतः मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्वी यूरोप के विस्तृत घास के मैदानों में पाई जाती है। साइगा मृग प्रायः 30 से 40 सदस्यों के झुंड में रहते हैं और तेज गति से लंबी दूरी तय करने के लिए जाने जाते हैं। दुर्भाग्यवश, अनियंत्रित शिकार और अवैध व्यापार के कारण इनकी आबादी पिछले कई दशकों से लगातार घटती जा रही है। स्थानीय समुदायों द्वारा इनके मांस का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है, जबकि नर साइगा के सींगों का इस्तेमाल पारंपरिक चीनी औषधि में होने के कारण इनका शिकार और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि आज साइगा मृग दुनिया के सबसे संकटग्रस्त स्तनधारियों में गिने जाते हैं। साइगा मृग के शरीर पर दालचीनी रंग के घने और मुलायम बाल होते हैं, जो मौसम के अनुसार बदलते रहते हैं। इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसकी बड़ी, लचीली और नीचे की ओर झुकी हुई नाक है, जो पूरे चेहरे को ढकती हुई प्रतीत होती है। यह नाक केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक अत्यंत उपयोगी जैविक संरचना है। गर्मियों में यह हवा में उड़ने वाली धूल और रेत को फेफड़ों में जाने से रोकती है, जबकि कठोर सर्दियों में अत्यधिक ठंडी हवा को फेफड़ों तक पहुंचने से पहले गर्म कर देती है। शिकार का सबसे गहरा असर इनके लैंगिक अनुपात पर पड़ा है। चूंकि केवल नर साइगा मृग के ही सींग होते हैं, इसलिए शिकारी मुख्य रूप से नर को ही निशाना बनाते हैं। परिणामस्वरूप, कई क्षेत्रों में मादा साइगा की संख्या असामान्य रूप से अधिक हो गई है, जिससे प्रजनन चक्र और पूरी आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। साइगा मृग न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इनका संरक्षण वास्तव में पूरे स्टेपी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

वैज्ञानिक फैक्ट

भारहीन नहीं, फिर भी तैरते हैं बादल

बचपन में अक्सर हम यह सोचते हैं कि बादल रूई की तरह हल्के होते होंगे, इतने हल्के कि उन पर चला भी जा सके, लेकिन विज्ञान इस कल्पना को पूरी तरह बदल देता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक संस्था United States Geological Survey (USGS) के अनुसार, एक औसत क्यूमुलस बादल का वजन लगभग दस लाख पाउंड तक हो सकता है। यह वजन माल और यात्रियों से भरे एक विशाल बोइंग 747 विमान से भी अधिक है। सवाल यह है कि यदि बादल इतने भारी हैं, तो वे आकाश में तैरते कैसे रहते हैं? इस रहस्य की कुंजी है, घनत्व (Density)। किसी वस्तु का तैरना केवल उसके वजन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह जिस माध्यम में है, उसके मुकाबले उसका घनत्व कितना है। बादल दरअसल हवा में तैरती अरबों सूक्ष्म जल-बूंदों और बर्फ के कणों से बने होते हैं। ये कण मिलकर भारी जरूर हो जाते हैं, लेकिन जिस हवा में वे मौजूद होते हैं, उसके मुकाबले उनका औसत घनत्व कम होता है।

बादलों के बनने की प्रक्रिया भी इसे समझने में मदद करती है। जब धरती की सतह से गर्म, नम हवा ऊपर उठती है, तो वह फैलती है और ठंडी होने लगती है। ठंडा होने पर उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर छोटी-छोटी बूंदों का रूप ले लेती है, यही बादल हैं। यह नम हवा आसपास की शुष्क हवा की तुलना में हल्की होती है, इसलिए ऊपर उठी रहती है। यही कारण है कि बादल आकाश में स्थिर या धीरे-धीरे बहते दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हवा में लगातार चलने वाली ऊर्ध्वाधर धाराएं (Updrafts) भी बादलों को थामे रखती हैं। ये ऊपर की ओर उठती हवाएं जल-बूंदों को गिरने नहीं देतीं। जब बूंदें बहुत बड़ी और भारी हो जाती हैं, तब गुरुत्वाकर्षण हावी हो जाता है और वे वर्षा के रूप में धरती पर गिरती हैं। इस तरह, बादल न तो जादू से तैरते हैं और न ही वास्तव में भारहीन होते हैं। वे घनत्व, तापमान, नमी और वायु-गतिकी के संतुलन का सुंदर उदाहरण हैं। विज्ञान हमें सिखाता है कि जो दिखने में हल्का और सरल लगता है, उसके पीछे अक्सर अत्यंत गहरी और रोचक प्रक्रियाएं काम कर रही होती हैं।

दृष्टि से बुद्धि तक चश्मे का नया युग

कभी आंखें सिर्फ दृश्य पकड़ती थीं, अब वे डेटा, कमांड और सूचना की परतें पढ़ने लगी हैं। Smart Glasses इस बदलाव की मिसाल हैं। यह सिर्फ चश्मे नहीं, आंखों के सामने रखे मिनी-कंप्यूटर हैं- कैमरा, माइक, स्पीकर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस, लेकिन यह कहानी केवल आज की नहीं है, इसकी शुरुआत उस दौर से हुई थी, जब इंसान ने पहली बार दुनिया को साफ देखने का सपना देखा। तेरहवीं सदी के इटली में जब शिल्पकारों ने दो छोटे लेंसों को धातु के घेरे में जड़ा, तब वह करुणा और विज्ञान का संगम था। इंसान अब किताब को बिना धुंध के पढ़ सकता था, स्पष्ट देख सकता था। यह केवल दृष्टि का आविष्कार नहीं था, बल्कि सभ्यता का आत्मविस्तार था। धीरे-धीरे वही साधारण यंत्र पहचान और फैशन का प्रतीक बना। बीसवीं सदी में प्लास्टिक लेंस, हल्के फ्रेम और पोलराइज्ड तकनीक ने इसे हर वर्ग का साथी बना दिया। फिर तकनीक ने इस 'दृष्टि' में 'बुद्धि' जोड़नी शुरू की।

स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस का संगम- 2013 में गूगल ने Google Glass पेश किया। दुनिया का पहला बड़ा wearable computer, जो आंखों के जरिए सूचना दिखाता था। यह प्रयोग अपने समय से आगे था, लेकिन समाज तैयार नहीं था। निजता, सुरक्षा और असहजता के प्रश्नों ने इसे रोक दिया। यह असफलता नहीं, चेतावनी थी कि तकनीक जितनी मनुष्य के करीब आती है, उतनी ही जिम्मेदारी भी मांगती है। इसके बाद 2016 में Snapchat Spectacles आए। लक्ष्य था, जीवन के पलों को बिना हाथों के रिकॉर्ड करना। तकनीक हल्की थी, पर सोच अब भी कैमरे के इर्द-गिर्द घूम रही थी। कुछ वर्ष बाद Amazon Echo Frames (2019-2020) ने बिना स्क्रीन के केवल आवाज से संवाद की क्षमता दी। Alexa की आवाज सीधे कान तक पहुंचने लगी। अब Meta ने Ray-Ban के साथ मिलकर इन सब प्रयोगों को परिपक्व रूप दिया है। ऐसा उपकरण जो स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस तीनों को साथ लेकर चलता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

नवाचार की प्रयोगशाला बन सकता है भारत- अब इस दौड़ में भारत भी उतर चुका है। Lenskart ने फरवरी 2025 में Phonic Smart Glass लॉन्च किया। बेसिक ऑडियो सुविधाओं के साथ। अब मीडिया रिपोर्टों की मानें तो मार्च 2026 में वह B by Lenskart नाम से अपने एआई-संचालित ग्लास उतारने की तैयारी में है, जिसमें Gemini 2.5 AI, रीयल-टाइम अनुवाद, UPI भुगतान और स्वास्थ्य मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं होंगी। यह कदम भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक निर्माता की भूमिका में रखता है। कुछ समय पहले ही Meta ने भारत में Ray-Ban Meta Smart Glasses लॉन्च किए, जो Meta AI Integration और real-time translation जैसी क्षमताओं से लैस हैं। भारत, जो पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े wearable markets में से एक है, अब इस नवाचार की प्रयोगशाला भी बन सकता है।

कानून को भी होना होगा चौकन्ना

तकनीक की गंभीरता जुलाई 2025 में Meta के उस कदम से भी समझी जा सकती है, जब उसने Essilor Luxottica में 3.5 बिलियन रुपये की लागत से 3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। सितंबर 2025 में कंपनी ने Ray-Ban Display Glasses की घोषणा की, जिनमें AR Display और Neural Wristband जैसी अत्याधुनिक तकनीकें हैं। यह स्मार्ट ग्लास विकास की एक निर्णायक छलांग है। यह तेजी जितनी रोमांचक है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। सबसे बड़ी चुनौती है, निजता की रक्षा। जब हर चश्मे में कैमरा और माइक्रोफोन होंगे, तब यह तय करना कठिन होगा कि कौन-सा पल सार्वजनिक है और कौन-सा निजी। यूरोप और अमेरिका में इस पर पहले ही कानूनी बहस शुरू हो चुकी है। भारत में भी डेटा संरक्षण कानून को अब इन नए उपकरणों तक विस्तार देना होगा। तकनीक जब आंखों पर चढ़ती है, तो कानून को भी उतना ही चौकन्ना होना पड़ता है।

दृष्टिहीनों के लिए बन सकता आंख

दूसरा प्रश्न सामाजिक व्यवहार का है। स्मार्टफोन ने हमें 'देखते हुए अनुपस्थित' बना दिया, लोग साथ होते हुए भी स्क्रीन में गुम रहते हैं। अब जब सूचना की परत आंखों के सामने ही होगी, तो हमारी नजर में कितनी मानवीयता बचेगी? क्या हम दृश्य देखेंगे या उसका विश्लेषण? क्या हम सामने वाले व्यक्ति को देखेंगे या उसके बारे में डेटा? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय भी है। फिर भी, इस तकनीक के लाभ गहरे और वास्तविक हैं। दृष्टिहीनों के लिए यह उपकरण आंख बन सकता है, जो सामने के दृश्य को आवाज में बदल दे। डॉक्टर सर्जरी के दौरान रीयल-टाइम डेटा देख सकेंगे, इंजीनियर और पायलट अपने सामने निर्देश पा सकेंगे, शिक्षक प्रयोगशाला में छात्रों को वर्चुअल डेमो दिखा सकेंगे। यह परिवर्तन सुविधा का नहीं, कार्य-संस्कृति का विकास है।

बाजार इस भविष्य को पहचान चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार 2024 में Smart Glasses Market लगभग $1.9 बिलियन का था और 2030 तक इसके चार गुना होने का अनुमान है। Essilor Luxottica ने 2025 की तीसरी तिमाही में वियरेबल्स में "exponential growth" दर्ज की है। Meta-Ray-Ban ने अपने पहले ही वर्ष में 10 लाख से अधिक यूनिट्स बेचे हैं। Xiaomi और Bose जैसी कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही हैं। यह केवल प्रयोग नहीं, बल्कि नया उपभोक्ता-अर्थशास्त्र बन चुका है। भारत के लिए यह दोहरी भूमिका का समय है, निर्माण और नियमन दोनों में अग्रणी बनने का। यदि देश Made-in-India Smart Glasses को वैश्विक मंच पर उतारता है और साथ ही नागरिकों की निजता के लिए स्पष्ट नियम बनाता है, तो यह न केवल प्रौद्योगिकी, बल्कि नीति-निर्माण में भी नेतृत्व का उदाहरण होगा। अंत में, वही पुराना मगर जरूरी प्रश्न, क्या इंसान इस सुविधा के साथ अपनी संवेदना भी बचा पाएगा? बिजली ने रोशनी दी, पर नींद छीनी, इंटरनेट ने संवाद बढ़ाया, पर मौन कम कर दिया। अब स्मार्ट ग्लासेस हमारे सामने वही परीक्षा रख रहे हैं। वे हमें देखने में मदद करेंगे, पर यह हम पर है कि हम क्या देखना चाहते हैं। दृश्य या उसकी व्याख्या। भविष्य अब सचमुच आंखों के सामने है। तकनीक ने दृष्टि को बुद्धि में बदला है, पर बुद्धि तभी सार्थक है, जब उसमें विवेक जुड़ा हो। स्मार्ट ग्लासेस केवल अगली तकनीकी छलांग नहीं, बल्कि मानव दृष्टिकोण का विस्तार हैं। यह उस यात्रा का नया अध्याय है, जो तेरहवीं सदी के कांच से शुरू होकर इक्कीसवीं सदी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंची है। चश्मे स्मार्ट हो गए हैं, अब जरूरत है कि देखने वाले भी उतने ही समझदार हों।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,498.14	25,454.35
गिरावट	1,236.11	365
प्रतिशत में	1.48	1.41

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट इस साल अपने बेड़े में विमानों की संख्या दोगुना करेगी

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने इस साल अपने बेड़े में परिचालन में मौजूद विमानों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। एयरलाइन ने बताया कि उसने पिछली तिमाही में अपनी क्षमता दोगुनी की है और उपलब्ध सीट किमी 55 करोड़ से बढ़कर 105 करोड़ हो गई है। इस साल के अंत तक इसे 220 करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही रोजाना 300 से अधिक उड़ानों के संचालन का भी लक्ष्य रखा गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अभी कंपनी के बेड़े में 33 विमान परिचालन में हैं। इस साल के अंत तक उसकी संख्या भी लगभग दोगुना कर 60 पर पहुंचाने का लक्ष्य है।

देश में कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश में कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटकर 23 लाख टन रह गया। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी में देश में 211 लाख टन कच्चे तेल और 45 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया गया। पिछले साल जनवरी में इनका क्रमश: 212 लाख टन और 44 लाख टन आयात हुआ था। इसके अलावा, द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात 15.3 प्रतिशत बढ़कर 280.8 करोड़ मानक घन फुट पर रहा। जनवरी में पेट्रोलियम उत्पादों का कुल उत्पादन 0.4 प्रतिशत बढ़कर 250 लाख टन पर और खपत 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 211 लाख टन पर रहा।

शिवाजी जयंती पर रहा मुद्रा बाजार में अवकाश

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के मौके पर गुरुवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा। महाराष्ट्र में आज छत्रपति शिवाजी जयंती मनाई गई। इस मौके पर अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार और शेयर बाजारों में करेंसी डेरिवेटिव सिग्मेंट में कारोबार नहीं हुआ। हालांकि इक्विटी सिग्मेंट खुला था और शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट रही। कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को मुद्रा बाजारों में सामान्य कारोबार होगा।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता

नई दिल्ली/बरेली। बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने प्रतिष्ठित संस्था ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल एवं सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने औपचारिक रूप से यह एमओयू बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर और रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को सौंपा। ब्लॉकचेन ने इस सहयोग के तहत

मेडटेक नवाचार की दिशा में बड़ा कदम, आईआईटी दिल्ली में साइन हुआ एमओयू

- **ब्लॉकचेन ने नवाचार के लिए 50 लाख रुपये की सहायता भी प्रदान की**

मेडिकल टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए 50 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की।

डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बीआईयू और मेडटेक इनक्यूबेशन सेंटर के विजन पर विश्वास जताने के लिए ब्लॉकचेन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं है बल्कि एक ऐसी शुरुआत है, जिससे बरेली से विकसित होने वाले स्वास्थ्य नवाचार प्रभावी, सुलभ और किफायती बनेंगे।

ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल और सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने बीआईयू के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को एमओयू सौंपा।

बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने का लक्ष्य: डॉ. अर्जुन

डॉ. अर्जुन ने अपने संबोधन में कहा, पिछले 20 वर्षों से बीआईयू रोहिलखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। अब हमारा लक्ष्य बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाना है, जहां से नई तकनीकों का विकास होकर समाज के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा, इस सहयोग के माध्यम से बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर युवा डॉक्टरों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, संसाधन और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यह समझौता न सिर्फ बीआईयू बल्कि पूरे रोहिलखंड क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

टाटा समूह और ओपन एआई की साझेदारी

नई दिल्ली। टाटा समूह और ओपनएआई ने भारत में 100 मेगावाट एआई अवसंरचना विकसित करने की योजना पर आधारित एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इसके साथ उद्यम स्तर पर एआई की स्वीकार्यता में तेजी लाने, उद्योग-विशिष्ट समाधान विकसित करने और भारतीय युवाओं के लिए एआई कौशल विस्तार के संयुक्त प्रयास भी किए जाएंगे। बहुवर्षीय समझौते के तहत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की हाइपरवॉल्ट इकाई एआई-सक्षम, हरित ऊर्जा आधारित अवसंरचना विकसित करेगी।

चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य

गुटेरेस ने कहा- एआई का लाभ सभी को न मिला तो और ज्यादा बढ़ेगी असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि एआई पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या अरबपतियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिए, ऐसे में यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसा न हुआ तो यह असमानता को और बढ़ा सकता है।

गुटेरेस ने इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि कहा, एआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई एक तरफ चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधार कर सकता है। लेकिन यह असमानता को गहरा भी कर सकता है, पक्षपात को बढ़ा सकता है और नुकसान को बढ़ावा दे सकता है।

इंडिया एआई समिट को संबोधित करते संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस।

एआई पर वैश्विक कोष की स्थापना पर जोर

गुटेरेस ने एआई पर एक वैश्विक कोष की स्थापना का आह्वान किया ताकि विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण किया जा सके, साथ ही वहां कौशल, डाटा, किफायती कंप्यूटिंग शक्ति और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सके। इस कोष में तीन अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो एक अकेली प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि निवेश के बिना कई देश एआई युग से बाहर रह जाएंगे।

एआई का लाभ समाज के बड़े तबके तक न पहुंचा तो होगा प्रतिरोध : नीलेकणि

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने चेतावनी दी कि एआई के लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक न पहुंचा तो इसके खिलाफ प्रतिरोध पैदा हो सकता है, जो इस प्रौद्योगिकी की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। नीलेकणि ने समिट में कहा कि फिलहाल एआई के विकास में रेस टू द टॉप (बेहतर प्रौद्योगिकी की होड़) और रेस टू द बॉटम (नकारात्मक उपयोग में तेजी) दोनों तरह की स्थितियां हैं जिनमें दूसरा पहलू ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीलेकणि ने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी, जो एआई को मानवता के लिए उपयोगी बनाना चाहते हैं, उन्हें इसके प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे और उन्हें दोगुना करना होगा। ऐसा नहीं होने पर इसके नतीजे बहुत मुश्किल हो सकते हैं।

तीव्र प्रगति का युग ला रहा है एआई: पिचाई

नई दिल्ली। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बृहस्पतिवार को एआई को तीव्र प्रगति के युग की शुरुआत करने वाली प्रौद्योगिकी करार दिया जिसमें नई वैज्ञानिक खोजों को संभव बनाने एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं को विकास के पारंपरिक चरणों को पार करने में मदद करने की क्षमता है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि उन्हें एआई जितना किसी भी प्रौद्योगिकी ने बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित नहीं किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए गूगल एवं अल्फाबेट

के सीईओ ने एआई के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और सरकारों, कंपनियों एवं संस्थानों से इस प्रौद्योगिकी को साहसपूर्वक एवं जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव है। हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की पुरानी कमियों को दूर करने में मदद कर सकती हैं।

हालांकि यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। ऐसी एआई बनाने के लिए जो वास्तव में सभी के लिए उपयोगी हो, हमें प्रयास करना होगा, जिम्मेदारी से काम लेना होगा और इस निर्णायक क्षण में मिलकर काम करना होगा।

एआई का लोकतंत्रीकरण ही आगे बढ़ने का सुरक्षित रास्ता: ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बृहस्पतिवार कहा कि एआई का लोकतंत्रीकरण ही आगे बढ़ने का एकमात्र उचित एवं सुरक्षित मार्ग है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एआई को व्यवहार में उतारने के अपने मिशन में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि 'टू सुपर इंटेलिजेंस' के शुरुआती संस्करण कुछ ही वर्षों में सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा, इस संभावना की तैयारी करते समय हम तीन मूल मान्यताओं के आधार पर आगे बढ़ते हैं। पहला, हमारा मानना है कि एआई का लोकतंत्रीकरण ही आगे बढ़ने का एकमात्र उचित और सुरक्षित रास्ता है। एआई का लोकतंत्रीकरण यह सुनिश्चित करने का सर्वोत्तम तरीका है कि मानवता फल-फूल सके। ऑल्टमैन ने कहा कि 2028 के अंत तक दुनिया की अधिक बौद्धिक क्षमता बाहर की तुलना में डेटा केंद्रों के भीतर अधिक हो सकती है।

एपस्टीन विवाद : बिल गेट्स एआई समिट से नदारद, नहीं हुआ भाषण

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में अपना पूर्व निर्धारित मुख्य भाषण नहीं दिया। उनके फाउंडेशन ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया, लेकिन यह निर्णय तब आया है जब यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों में गेट्स का नाम आने के बाद आयोजक असमंजस में पड़ गए थे। सरकारी सूत्रों ने 17 फरवरी को दावा किया था कि एपस्टीन प्रकरण के खुलासे से पहले गेट्स को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है, लेकिन उसी दिन गेट्स फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि वह समिट में भाग ले रहे हैं। बृहस्पतिवार को गेट्स फाउंडेशन ने स्पष्ट किया कि वह समिट में नहीं बोलेंगे ताकि उसके मुख्य उद्देश्य से ध्यान न भटके। गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित ने गलत काम करने का आरोप नहीं लगाया है, लेकिन अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी रिकॉर्ड में एपस्टीन का आरोप शामिल है कि बिल गेट्स को यौन संचारित रोग हुआ था।

ईयू को भारत के कृषि उत्पाद और वाहन निर्यात में बड़ी वृद्धि

नई दिल्ली। भारत के कृषि उत्पाद और मोटर वाहनों का निर्यात यूरोपीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है और अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान इसमें अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों के दौरान वैश्विक वाहन निर्यात में भारत के 19.3 अरब डॉलर में से, यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गया। यूरोपीय संघ को निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 1.6 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 2.2 अरब डॉलर हो गया। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की है।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में इस क्षेत्र से दुनिया को भारत का निर्यात भी 16.8 अरब डॉलर से बढ़कर 19.3 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ईयू को भारत के मछली, कॉफी, चाय, मसाले, अनाज, गोंद और रेजिन के निर्यात में भी इस दौरान अच्छी वृद्धि दर दर्ज की गई है। अनाज निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 18.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 33.9 करोड़ डॉलर हो गया है।

आयात पर निर्भर रहने के बजाय खुद का एआई ढांचा बनाए भारत : जीत अदाणी

नई दिल्ली। अदाणी समूह के कार्यकारी निदेशक जीत अदाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को आयात पर निर्भर रहने के बजाय अपना स्वयं का एआई बुनियादी ढांचा तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई आने वाले समय में राष्ट्रीय संप्रभुता को नए सिरे से परिभाषित करेगा।

कारोबारी दिग्गज गौतम अदाणी के छोटे पुत्र जीत अदाणी ने भारत की इंटेलिजेंस सेंचुरी का खाका पेश करते हुए संप्रभुता के तीन प्रमुख स्तंभों ऊर्जा, कंप्यूट और क्लाउड तथा सेवाओं

पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये तीनों भारत की एआई रणनीति के केंद्र में हैं। यहां 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में अदाणी ने कहा कि अपने एआई भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भारत को ऊर्जा और कंप्यूटिंग सेवाओं के क्षेत्र

- **कहा- आने वाले समय में राष्ट्रीय संप्रभुता को परिभाषित करेगा एआई**

में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। उन्होंने अक्षय ऊर्जा समूहों को एआई डेटा केंद्रों और औद्योगिक गलियारों के साथ एकीकृत करने की योजनाओं का विवरण देते हुए कहा, एआई कोड में लिखा जाता है लेकिन यह बिजली से संचालित होता है इसलिए ऊर्जा सुरक्षा ही वास्तव में बौद्धिक सुरक्षा है। टिकाऊ ऊर्जा हमारे लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बनेगी।

कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे पर उन्होंने कहा, क्लाउड संप्रभुता का अर्थ अलगाव नहीं बल्कि स्वायत्तता है। भारत को अपनी महत्वपूर्ण एआई जरूरतों को घरेलू स्तर पर ही पूरा करना चाहिए। हमारे स्टार्टअप, शिक्षा जगत, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के लिए उच्च-क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधाओं तक स्वदेशी पहुंच होनी चाहिए। अदाणी ने कहा कि एआई का सबसे पहला लाभ भारतीय नागरिकों को मिलना चाहिए, जिससे कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने संप्रभु और हरित-ऊर्जा आधारित एआई मंचों के लिए अदाणी समूह की 100 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया।

जीत ने इसे 'पांच-गीगावाट और 250 अरब डॉलर के एकीकृत ऊर्जा-एवं-कंप्यूट परिवेश' की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, सवाल अब यह नहीं है कि भारत एआई सदी में शामिल होगा या नहीं। सवाल यह है कि क्या एआई सदी के बुनियादी ढांचे, बुद्धिमत्ता, मानकों और मूल्यों पर भारत की छाप होगी।

भारत में इसी साल शुरू हो जाएगा दुर्लभ स्थाई चुंबक का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इसी साल से दुर्लभ पृथ्वी स्थाई चुंबक (आरईपीएम) का उत्पादन शुरू हो जाएगा, जो इलेक्ट्रिक वाहन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम होगा।

दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन, पवन चक्कियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाता है। रेड्डी ने यहां उद्योग मंडल फिक्की और खान मंत्रालय की तरफ से आयोजित सम्मेलन में कहा कि ''आत्मनिर्भर भारत'' पहल के तहत सरकार दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के आयात पर निर्भरता कम

- **फिक्की और खान मंत्रालय के सम्मेलन में बोले कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी**

करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, इस क्रम में इसी साल भारत में स्थाई चुंबकों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब भारत नियोडिमियम और प्रासियोडिमियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। खान मंत्रालय ने इसके लिए अन्वेषण ब्लॉकों की नीलामी करने के साथ पुनर्चक्रण सुविधाओं को भी मंजूरी दी है। फिलहाल भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण के लिए पर्याप्त इकाइयों की कमी है। समाधान के लिए सरकार आंध्र प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात में महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण संयंत्र पार्क स्थापित करने की तैयारी में है।

स्विट्जरलैंड के साथ अनुसंधान-विकास और फार्मा क्षेत्र में सहयोग का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बृहस्पतिवार को स्विट्जरलैंड के साथ अनुसंधान एवं विकास, जैव प्रौद्योगिकी, विशिष्ट फार्मास्युटिकल और उन्नत चिकित्सा विज्ञान में सहयोग का आह्वान किया। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उन क्षेत्रों में भी स्विस निवेश की मांग की जहां स्विट्जरलैंड ने विशिष्ट प्रौद्योगिकी ताकत स्थापित की है।

इन मुद्दों पर गोयल और स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाय परमेलिन के बीच यहां हुई बैठक के दौरान चर्चा की गई। परमेलिन यहां ''इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026'' में भाग लेने के लिए आए हैं। एआई इम्पैक्ट समिट के संदर्भ

- **भारत ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए पहल की**

में, दोनों पक्षों ने जिम्मेदारी के साथ नवाचार को संतुलित करने की आवश्यकता को स्वीकार किया। उन्होंने उल्लेख किया कि व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) प्रिसिजन इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) ने पिछले साल व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टेपा) को लागू किया था। ईएफटीए के सदस्यों में आइसलैंड, लीश्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

गुजरात का कर्ज बढ़कर 3.99 लाख करोड़ रुपये हुआ

गांधीनगर। गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 2024-25 में बढ़कर 3,99,633 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य विधानसभा को बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट सत्र के प्रश्नकाल

- **एक साल के अंदर हुई कर्ज में 46,915 करोड़ रुपये की वृद्धि**

के दौरान कांग्रेस विधायक शैलेश परमार के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। परमार ने राज्य के कुल कर्ज और मूलधन व ब्याज भुगतान की वर्षवार जानकारी मांगी थी। सदन में पेश लिखित उत्तर में बताया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 3,52,718 करोड़ रुपये था। संशोधित अनुमानों के मुताबिक 2024-25 में इसमें 46,915 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। देसाई ने बताया कि राज्य ने 2023-24 में कर्ज के ब्याज के रूप में 24,964 करोड़ रुपये और मूलधन के रूप में 26,136 करोड़ रुपये का भुगतान किया। वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमानों के लिए सरकार ने कहा कि उसने ब्याज मद में 25,945 करोड़ रुपये और मूलधन पुनर्भुगतान के लिए 29,086 करोड़ रुपये चुकाए हैं।

पाकिस्तान आईफोन के विनिर्माण के लिए एप्पल को देगा प्रोत्साहन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिकी कंपनी एप्पल को अपने यहां आईफोन का विनिर्माण शुरू करने के लिए प्रोत्साहन देने पर सहमति जताई है। इसके अलावा एप्पल पाकिस्तान में पुराने आईफोन की मरम्मत कर उसका दोबारा निर्यात भी करेगी।

खबर के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार को पुराने आईफोन के दोबारा निर्यात से पहले साल में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय की उम्मीद है। एप्पल प्रबंधन ने पाकिस्तान से रियायती दरों पर जमीन मुहैया कराने, आठ प्रतिशत प्रदर्शन प्रोत्साहन देने और पुराने आईफोन की मरम्मत की अनुमति जैसी शर्तें रखी थीं। इंजीनियरिंग विकास बोर्ड के सीईओ हमाद अली मंसूर ने कहा कि इन तीनों शर्तों को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की स्वीकृति के लिए प्रस्तावित मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण ढांचे में शामिल किया गया है।

चांदी ने लगाई 18,000 रुपये की छलांग, सोना 1,950 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली। देश की राजधानी में बृहस्पतिवार को कीमती धातुओं की कीमतों में सात प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। चांदी जहां 2.6 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, वहीं सोना 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर पहुंच गया। यह उछाल वैश्विक रुख तथा अमेरिका एवं ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की मांग में बढ़ोतरी की वजह से आया।

स्थानीय बाजार के जानकारों के मुताबिक, चांदी बुधवार के

- **अमेरिका के ईरान पर हमले की आशंका में सुरक्षित निवेश पर जोर**

2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 18,000 रुपये या 7.32 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 2,64,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,950 रुपये यानी 1.24 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 1,58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में यह 1,56,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

योजना | **भविष्य में इसी संयंत्र में सैन्य हेलिकॉप्टर एच125एम बनाने का भी इरादा**

कर्नाटक संयंत्र में हर साल 10 हेलिकॉप्टर बनाएगी एयरबस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बाजार की वृद्धि संभावनाओं को लेकर उत्साहित दिग्गज वैमानिकी कंपनी एयरबस की कर्नाटक में टाटा एडवांस्ड सिस्टम के सहयोग से स्थापित अपनी 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) से साल 2029 तक सालाना 10 एच-125 हेलीकॉप्टरों के उत्पादन की योजना है।

एयरबस हेलिकॉप्टर्स के सीईओ ब्रूनो ईवन ने हेलिकॉप्टरों को राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक सेवाओं के एक सशक्त माध्यम बताते हुए कहा

कि भारत में इसके लिए एक समूची पारिस्थितिकी के विकास के प्रयास जारी रहेंगे। ईवन ने कहा, हम भारत में हेलिकॉप्टर बाजार की संभावनाओं पर दृढ़ विश्वास रखते हैं। हमारा मानना है कि एच-125 हेलिकॉप्टर भारत में असैन्य हेलिकॉप्टर बाजार को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। एयरबस ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के साथ मिलकर कर्नाटक के वेमगल में एच-125 के लिए देश की पहली निजी क्षेत्र की हेलिकॉप्टर फाइनल असेंबली लाइन स्थापित की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 17 फरवरी को इस सुविधा का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया था। ईवन ने कहा कि इस संयंत्र से पहले हेलिकॉप्टर की आपूर्ति 2027 की शुरुआत में होने की उम्मीद है और 2029 तक वार्षिक उत्पादन बढ़ाकर 10 हेलीकॉप्टर कर दिया जाएगा।

सबसे लोकप्रिय हेलिकॉप्टर है एच-125

एयरबस के अनुसार, एच-125 मॉडल दुनिया भर में सबसे अधिक बिकने वाला सिंगल-इंजन हेलिकॉप्टर है, जिसने वैश्विक स्तर पर चार करोड़ से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह भारत एवं दक्षिण एशिया का सबसे लोकप्रिय हेलिकॉप्टर है और इतिहास का एकमात्र हेलिकॉप्टर है जो माउंट एवरेस्ट की चोटी पर भी सफलतापूर्वक उतर चुका है।

नाइजीरिया की खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी

● अचेत हुए 26 अन्य को सरकारी अस्पताल में कराया गया भर्ती

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने कहा कि घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुरक समुदाय में हुई।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक लेड ऑक्साइड तथा सल्फर एवं कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव के कारण प्रभावित हुए थे, जो मनुष्यों के लिए विषाक्त और जहरीली होती हैं, खासकर एक बंद या खराब हवादार वातावरण में इन गैसों का असर खतरनाक होता है।

अलाबो ने बताया, शवों को धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। सरकार ने खनन स्थल को बंद कर दिया है और रिसाव की जांच जारी है। नाइजीरिया के ठोस खनिज विकास मंत्री डेले अलाके ने एक बयान में कहा कि खनिक खनन के दौरान जहरीली गैस के उत्सर्जन से अनजान थे।

कराची में विस्फोट से 16 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को सुबह एक आवासीय इमारत में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में महिलाओं और बच्चों सहित 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमशेद अशर ने कहा कि विस्फोट तड़के साढ़े चार बजे इमारत की पहली मंजिल पर हुआ। इमारत ओल्ड सोल्जर बाजार इलाके में है। पाकिस्तान में आज रमजान महीने का पहला दिन है। विस्फोट का कारण संभवत: गैस का रिसाव था।

सफलता संग असफलता भी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आज हम जिस युग में जी रहे हैं वहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता का नया आधार स्तंभ बन चुका है। दशकों तक एआई केवल साइंस-फिक्शन फिल्मों और अकादमिक शोध का हिस्सा था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के आने के बाद, इसने हमारे जीवन के हर पहलू को स्पर्श किया है। एआई की यात्रा मानवीय मेधा और मशीनी गति के मिलन की कहानी है। यह एक ऐसी शक्ति है जो डेटा के अथाह समंदर से अर्थपूर्ण जानकारी निकाल सकती है, जो जटिल गणितीय समस्याओं को सेकंडों में हल कर सकती है और जो मानवीय रचनात्मकता को नई परिभाषा दे रही है। लेकिन, क्या एआई हर जगह सफल है? इस प्रश्न का उत्तर 'हां' और 'ना' के बीच एक सूक्ष्म रेखा पर टिका हुआ है।

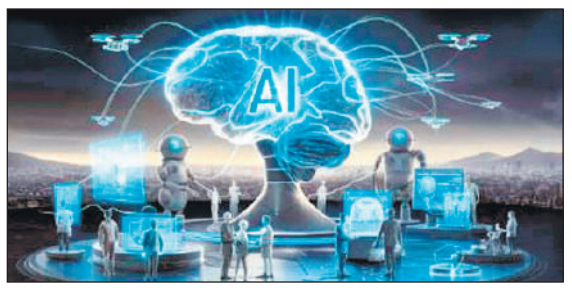

जहां एआई ने बाजी मारी

- स्वास्थ्य सेवा : एआई अब डॉक्टरों से बेहतर सटीकता के साथ एक्स-रे, एमआरआई और सीटी स्कैन का विश्लेषण कर रहा है।
- वित्तीय क्षेत्र : धोखाधड़ी का पता लगाने में एआई अद्वितीय है। यह लाखों लेनदेन को पलक झपकते स्कैन कर संदिग्ध गतिविधियों को रोकता है।
- लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स : अमेज़न या नेटफ्लिक्स के रिकमेंडेशन इंजन एआई से आपकी पसंद का पूर्वानुमान लगाकर लाभ को कई गुना बढ़ा रहे हैं।
- अनुवाद और भाषा : गूगल ट्रांसलेट और डीप एल जैसे टूल्स ने भाषाई बाधाओं को लगभग खत्म कर दिया है।

अभी हैं कई चुनौतियां

- डेटा की गुणवत्ता : एआई उतना ही अच्छा है जितना उसे दिया गया डेटा। यदि डेटा गलत है, तो एआई का परिणाम घातक हो सकता है।
- ऊर्जा की खपत : बड़े एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में अत्यधिक बिजली खर्च होती है, मशीनों को ठंडा करने में पानी भी अधिक लगता है, जो पर्यावरण के लिए एक चुनौती है।
- डिजिटल विभाजन : एआई संपन्न और विपन्न देशों के बीच की खाई को बढ़ा सकता है।
- डीपफेक और दुष्प्रचार : एआई का उपयोग गलत सूचनाएं फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है।
- कौशल की कमी : बाजार में एआई विशेषज्ञों की भारी कमी है।
- लागत : छोटे व्यवसायों के लिए उच्च-स्तरीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना महंगा है।

जहां एआई अभी भी मशीन

- नैतिक निर्णय : युद्ध की स्थिति या कानूनी न्याय प्रणाली में एआई पक्षपाती (बायस्ड) हो सकता है क्योंकि वह उपलब्ध पुराने डेटा से सीखता है जिसमें मानवीय पूर्वाग्रह शामिल होते हैं।
- क्रिएटिविटी बनाम ओरिजनलिटी : एआई चित्र बना सकता है, कविता लिख सकता है, लेकिन वह मौजूदा डेटा का पुनर्संयोजन होता है। उसमें वह 'आत्मा' या 'नया विचार' नहीं होता जो मानवीय अनुभव से उपजता है।
- सामान्य ज्ञान : एक बच्चा जानता है कि अगर कांच का गिलास गिरेगा तो टूट जाएगा, लेकिन एआई को इस भौतिक सत्य को समझने के लिए हजारों डेटा पॉइंट्स चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

करतारपुर गुरुद्वारा के जीर्णोद्धार में तेजी

इस्लामाबाद। करतारपुर गुरुद्वारे के आधिकारिक शासी निकाय ने सिख धार्मिक स्थल के जीर्णोद्धार में तेजी लाने का फैसला किया है। करतारपुर गुरुद्वारा पिछले साल बाढ़ से प्रभावित हुआ था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की शासी परिषद की आठवीं बैठक बुधवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय में सचिव साजिद चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परिषद ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण आवश्यक मरम्मत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की और बाढ़ को भारत की जल आक्रामकता से जोड़ते हुए कहा कि इससे कॉरिडोर परियोजना के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं।

भारतीय मूल महिला को दो हफ्ते की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला को कथित रूप से किराये के विवाद में टैक्सी चालक को थप्पड़ मारने के मामले में गुरुवार को दो सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई। शालिनी देवराजन ने 24 सिंगापुर डॉलर (करीब 19 अमेरिकी डॉलर) का किराया देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसके पास नकद नहीं है। उसने चालक द्वारा सुझाए गए डिजिटल भुगतान विकल्प भी अस्वीकार कर दिए। 36 वर्षीय महिला ने चालक को पुलिस थाने ले जाने की चुनौती दी, जिसे 73 वर्षीय चालक ने स्वीकार कर लिया। थाने में ही महिला ने चालक को थप्पड़ मार दिया।

दक्षिण अफ्रीका में बस हादसे में चार की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में गुरुवार को हुई एक बस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 31 लोग घायल हो गए। प्रांतीय परिवहन मंत्री वायलेट मैथी के अनुसार, बस दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत से जिम्बाब्वे जा रही थी, तभी जिम्बाब्वे की सीमा के पास एन1 राजमार्ग पर वह अनियंत्रित हो कर एक खाई में जा गिरी। मैथी ने बताया, अभी तक हमें चार लोगों की मौत की पुष्टि होने की खबर मिली है, जबकि कुछ अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

किम ने तैनात किए 50 नए रॉकेट लॉन्चर

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी पार्टी के एक अहम सम्मेलन से पहले अपनी सैन्य क्षमता को दर्शाने तथा प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के इरादे से कम दूरी की मिसाइल क्षमता वाले 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। किम की बहन ने एक अलग बयान में कहा कि उत्तर कोरिया शत्रु देश के खिलाफ अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है।

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस

प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के कूटनीतिक विकल्प का इस्तेमाल करे ईरान

● उपराष्ट्रपति वेंस ने भी की थी वार्ता टूटने पर सैन्य विकल्प की बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का किसी भी देश के साथ समझौता करने के लिए पहला विकल्प कूटनीति होता है, इसलिए ईरान को अमेरिका के साथ नए समझौते पर बातचीत करना चाहिए। यह बात व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कही। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ट्रंप हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। ईरान या दुनिया के किसी भी देश के मामले में कूटनीति हमेशा उनका पहला विकल्प होता है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन के साथ समझौता करना बहुत समझदारी भरा कदम होगा।

लेविट ने यह टिप्पणी ऐसे में की है, जब जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता फिर से शुरू हुई है, जिसमें अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमानी मिल रहे हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने कुछ उन्नति की बात कही है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि अभी भी काफी कमियां हैं और फारस की खाड़ी में अमेरिकी सेना की समानांतर बढ़ोतरी बातचीत के बड़े दांव को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की ओर से 2025 की शुरुआत में अपनाई गई अधिकतम दवाब की नीति ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला है, जिससे अमेरिका के अधिकारी कूटनीति सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहे हैं। लेविट का यह बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने एक न्यूज़ चैनल को बताया था कि अगर बातचीत विफल हो जाती है तो सैन्य कार्रवाई लेने का विकल्प भी उसके पास है।

ईरानी अफसरों, कारोबारियों पर वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को नए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें उन ईरानी अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाया गया है जिन पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरानी लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का आरोप है। यह कार्रवाई दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी शासन की हिंसक कार्रवाई के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया। इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 212 के तहत लगाए गए वीजा प्रतिबंध आदेश पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप की शर्तें नहीं मानीं तो हमला संभव

वॉशिंगटन। ईरान परमाणु वार्ताओं में अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को लगातार खारिज करता रहा तो अमेरिका उसके खिलाफ जल्द ही सैन्य अभियान शुरू कर सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस को अवगत कराया गया है कि पश्चिमी एशिया में हाल के दिनों में वायु और नौसैनिक संसाधनों की बड़ी तैनाती के बाद अमेरिकी सेना सप्ताहांत तक संभावित हमले के लिए तैयार हो सकती है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि ट्रंप निजी तौर पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दे चुके हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प पर सलाहकारों और सहयोगियों से राय ले रहे हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में तंत्री को मिली जमानत

कोल्लम। चर्चित सबरीमला स्वर्ण गबन मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत कोल्लम स्थित सतर्कता न्यायालय ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर के तंत्री कंदरारु राजीवरु को जमानत दे दी है। अदालत के इस फैसले को मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसने उनकी रिहाई का कड़ा विरोध करते हुए निरंतर हिरासत की मांग की थी। राजीवरु को मंदिर के द्वार चौखटों और द्वारपालक प्रतिमाओं पर किए गए स्वर्ण मढ़ाई कार्य में कथित अनियमितताओं और स्वर्ण के दुरुपयोग के मामले में आरोपी बनाया गया था। एसआईटी का आरोप है कि इस कार्य के निष्पादन के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुईं और इसमें मंदिर से जुड़े कुछ पदाधिकारियों तथा ठेकेदारों की मिलीभगत थी। अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के उन तर्कों पर विचार किया, जिनमें तंत्री को सीधे तौर पर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं से जोड़ने का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि स्वर्ण गबन में तंत्री की भूमिका थी।

भारत की रक्षा प्रौद्योगिकी का लाभ लें आसियान देश

विशाखापत्तनम में नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलान के उद्घाटन के दौरान उपस्थित रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी व अन्य।

● नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

विशाखापत्तनम, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान देशों को भारत की हिन्द प्रशांत रणनीति का केंद्र बताते हुए साझा सुरक्षा को क्षेत्रीय समृद्धि की आधारशिला करार दिया है। उन्होंने आसियान साझेदारों का आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भरता के प्रयासों से परिपक्व हुए भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी तंत्र का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

सिंह ने गुरुवार को यहां नौसेना के मिलन अभ्यास 2026 नौसैनिक अभ्यास के अवसर पर आसियान के नौ सदस्य देशों के मेहमान नौसेना प्रमुखों और नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बैठक ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति तथा क्षेत्रों के पार सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति (महासागर) की परिकल्पना के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने मिलन 2026 में आसियान नौसेनाओं की भागीदारी का स्वागत किया।

भारत की भूमिका को सराहा गया

भारत-आसियान अनौपचारिक बैठक की भावनाओं को दोहराते हुए आसियान प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। रक्षा मंत्री ने संयुक्त गतिविधियों के विस्तार का प्रस्ताव रखते हुए आसियान-भारत रक्षा विचार मंच संवाद तथा युवा नौसैनिक अधिकारियों की सहभागिता से संबंधित पहलों पर बल दिया, ताकि समुद्री स्थिरता सुनिश्चित हो।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक को उम्रकैद

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश जी कुई-यून ने कहा कि उन्होंने यून को नेशनल असेंबली (संसद) पर अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास के तहत सेना और पुलिस बल को जुटाने, नेताओं को गिरफ्तार करने और कुछ समय तक निरंकुश शासन स्थापित करने का दोषी करार दिया। नेशनल असेंबली में विपक्षी उदारवादी सांसदों का बहुमत है। यून के इस फैसले के खिलाफ अपील करने की संभावना है। एक विशेष अभियोजक ने यून के लिए मौत की सजा की मांग करते कहा कि उनके कार्यों ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा किया।

डीआरडीओ ने किया ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

● गगनयान मिशन में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

भारत ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल भार परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ स्थित रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

यह परीक्षण बुधवार को इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, एरियल डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, डीआरडीओ तथा टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला की टीमों के साथ किया गया। रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज का यह गतिशील परीक्षण जिसमें वास्तविक उड़ान के अधिकतम भार से भी अधिक योग्यता स्तर भार का अनुकरण किया गया, पैराशूट के अतिरिक्त डिज़ाइन सुरक्षा मार्जिन को प्रदर्शित करता है। यह परीक्षण उच्च शक्ति रिबन पैराशूट के डिज़ाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता को सिद्ध करता है। यह उपलब्धि एक बार फिर टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला के उन्नत परीक्षण सुविधा तथा अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

किरेन रीजीजू ने किया निगरानी ऐप का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमजेवीके) के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया जो देश भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। रीजीजू ने बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पीएमजेवीके योजना के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया, जो भारत भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। उन्होंने हज रिस्ट बैंड और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में चिंतन शिविर के आयोजन के लिए मंत्रालय की टीम की सराहना की।

ट्रंप ने किया गाजा के लिए शांति बोर्ड का अनावरण

वाशिंगटन, एजेंसी

● भारत ने बैठक में पर्यवेक्षक देश के रूप में भाग लिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को गाजा के लिए प्रस्तावित शांति बोर्ड का अनावरण किया। इस दौरान नौ सदस्य देशों ने गाजा राहत पैकेज के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर देने पर सहमति जताई जबकि पांच देशों ने युद्धग्रस्त फलस्तीनी क्षेत्र में तैनात किए जाने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय बल में भाग लेने के लिए सैनिकों को भेजने पर रजामंदी जताई।

इंडोनेशिया, मोरक्को, कजाकिस्तान, कोसोवो और अल्बानिया ने गाजा स्थिरीकरण बल के लिए सैनिक भेजने का वादा किया है, जबकि मिस्र और जॉर्डन ने इन प्रयासों के लिए पुलिस को प्रशिक्षित करने की प्रतिबद्धता जताई है। योजना के तहत सबसे पहले सैनिकों को राफा में तैनात किया जाएगा, जो एक प्रमुख केंद्र है। इस बीच, ट्रंप ने कहा कि कजाकिस्तान, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, मोरक्को, बहरीन, कतर, सऊदी अरब, उज्बेकिस्तान और कुवैत ने अंशदान करने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने इन देशों को धन्यवाद देते हुए कहा, खर्च किया गया हर डॉलर स्थिरता और सौहार्दपूर्ण क्षेत्र की आशा में निवेश है। भारत ने बैठक में पर्यवेक्षक देश के रूप में भाग लिया। भारत का प्रतिनिधित्व वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास की प्रभारी राजनयिक नामग्या खम्पा ने किया।

इजराइल व भारत में रक्षा सहयोग को एक और करार

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजराइल यात्रा से पहले, भारत और इजराइल ने रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य की संगोष्ठियों तथा सहकारी पहलों सहित संयुक्त गतिविधियों को मजबूत करने को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठकों की सुविधा प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसआईबीएटी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारत के रक्षा मंत्रालय के सहयोग से रक्षा कंपनियों के बीच एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 14.38 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

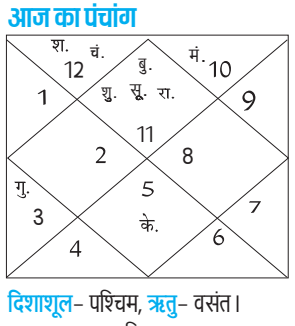

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 20.07 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष आज आपको अधिक परिश्रम करने से बचना चाहिए। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। विरोधी के साथ आपको उलझना पड़ सकता है। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

वृष आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो दिन अत्यधिक अनुकूल है।

मिथुन आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा नहीं होगा। केवल अपने काम पर ध्यान दें।

कर्क आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया देने से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सिंह आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। असभ्य भाषा बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

कन्या आज व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी प्रारंभ कर सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे, काम वैसे ही होंगे। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला आज अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विदेशी क्लाइंट्स से आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक आज आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें। सफलता शीघ्र ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा आज बढ़ सकती है।

धनु आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहा है, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे।

मकर आज सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षण का भाव बढ़ेगा।

कुंभ आज सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं। महिलाओं को थोड़ी स्वास्थ्य समस्या होने की संभावना है। मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी आवश्यक कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं।

मीन आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु कार्य आरंभ नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यधिक संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन वाले कार्यों से लाभ हो सकता है।

सुडोकू-67

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6		8			1	
5			1		6		4	
9					7			2
		8	3					6
		2				9		
4			6		5	7		
			9		2			5
	7							3
	6			1		2		

सुडोकू - 66 का हल

5	6	1	9	8	3	7	2	4
4	2	8	6	5	7	3	1	9
9	7	3	4	1	2	5	6	8
1	9	5	3	2	8	6	4	7
3	4	2	7	9	6	8	5	1
6	8	7	5	4	1	9	3	2
2	1	9	8	3	5	4	7	6
7	3	4	2	6	9	1	8	5
8	5	6	1	7	4	2	9	3

टी-20 विश्व कप ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के प्रदर्शन को सभी ने सराहा है और उम्मीद है कि कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सुपर आठ चरण में वे उसी 'छिपे रुस्तम' वाली कहानी को दोहरा सकेंगे जिसे दुनिया में सभी पसंद करते हैं।
-सिकंदर रजा, जिम्बाब्वे के कप्तान

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-ओमान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के सुपर आठ जगह नहीं बना पाई। उसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा। वह अपना आखिरी मैच शुक्रवार को ओमान के खिलाफ खेलेगा लेकिन इसका अब कोई महत्व नहीं रह गया है। जिम्बाब्वे और श्रीलंका सुपर आठ में पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

वैष्णवी आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बेंगलुरु। भारत की वैष्णवी अदकर ने बृहस्पतिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त माई होनतामा को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर आईटीएफ वुमैन्स ओपन डब्ल्यू100 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इक्कीस साल की वैष्णवी ने जापान की प्रतिद्वंद्वी को 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया की चौथी वरीय टेलाह प्रेस्टन से होगा। इससे पहले सहजा यमलापल्ली को ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीय तालिया गिब्सन से 0-6, 0-6 से हार का सामना करना पड़ा।

सिर्फ जीत हासिल करना मायने नहीं रखता : पारस म्हाम्ब्रे

मुंबई। पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भारत की टी20 विश्व कप में लगातार चार जीत का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सिर्फ जीत हासिल करने की बात नहीं है बल्कि यह मायने रखता है कि टीम कैसे जीतती है क्योंकि इन मुकाबलों में चार अलग अलग खिलाड़ियों ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार हासिल किए जिससे टीम की गहराई और 'टीमवर्क' का पता चलता है। भारत ने लगातार चार जीत से ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर आठ में जगह बनाई।

कप्तान बट पर प्रतिबंध के बाद पीएचएफ प्रमुख का इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान हॉकी में चल रहा संकट बृहस्पतिवार को गहरा गया जब आस्ट्रेलिया दौरे की व्यवस्था में कुप्रबंधन के कारण खिलाड़ियों के सड़क पर रहने को लेकर पीएचएफ की आलोचना करने वाले कप्तान अम्माद शकील पर दो साल का प्रतिबंध लगाने के बाद महासंघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने पद से इस्तीफा दे दिया। बुगती ने कहा कि उन्होंने पीएचएफ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा मैने प्रधानमंत्री को इस्तीफा भेज दिया है लेकिन उनसे और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से आस्ट्रेलिया में प्रो लीग के दौरान हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह भी किया है।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी हराया

टी-20 विश्व कप : खूब गरजे कप्तान रजा और बेनेट के बल्ले, जीत की लगाई हैट्रिक

कोलंबो, एजेंसी

ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को बृहस्पतिवार को छह विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिये 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए।

बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 55 रन बना लिये थे। सलामी बल्लेबाज बेनेट और ताडी मारूमानी (26 गेंद में 34 रन) ने टीम को शानदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिये 8.3 ओवर में 69 रन बनाये। मारूमानी को दुनिथ वेलालागे ने रिटर्न कैच लेकर पवेलियन भेजा। रियान बर्ल ने 12 गेंद में 23 रन बनाये लेकिन दासुन शनाका की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। इसके बाद रजा और बेनेट ने मोर्चा संभाला। रजा ने दिलशान मदुशंका को 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाये। इसके अगले ओवर में स्पिनर महीष तीक्षणा को एक छक्का और एक चौका लगाया। रजा को 19वें ओवर में दुशान हेमंता ने आउट किया और दो गेंद बाद ताशिंगा मुसेकिवा भी पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में जिम्बाब्वे को आठ रन चाहिये थे और टोनी मुनियोंगा ने तीक्षणा को छक्का लगाकर जिम्बाब्वे खेमे में खुशी का संचार कर दिया। इससे पहले धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई और वे सात विकेट पर 178 रन ही बना सके।

श्रीलंका पर जीत दर्ज करने के बाद पैवेलियन लौटते जिम्बाब्वे के टोनी मुनयोंगा (बाएं) और ब्रायन बेनेट। एजेंसी

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बायें हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया

चेन्नई। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन) की पारी के बाद मोहम्मद नबी (सात रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा पर 82 रन की जीत से अपना अभियान खत्म किया। कनाडा की टीम टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी जबकि अफगानिस्तान की यह दूसरी जीत रही। राशिद खान की अगुआई वाली टीम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थी जो दक्षिण अफ्रीका को 'डबल सुपर ओवर' तक ले गई, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी दोनों टीमों के बीच मुकाबले में अफगानिस्तान ने जदरान की 56 गेंद की अर्धशतकीय पारी से चार विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने कनाडा को 20 ओवर में आठ विकेट पर 118 रन ही बनाने दिए। अफगानिस्तान ने शानदार बल्लेबाजी के साथ शानदार गेंदबाजी की।

जीत का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

होप और जोसेफ के कमाल से वेस्टइंडीज की आसान जीत

- इटली को 42 रनों से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

कोलकाता, एजेंसी

कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत हासिल की। ग्रुप सी से सुपर-8 में दूसरी टीम इंग्लैंड पहुंची है।

अभिषेक शर्मा।

अभिषेक की शून्य की हैट्रिक, भारत की सबसे बड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने टी-20 विश्व कप में अपने चारों ग्रुप मैच जीत लिए हैं, लेकिन सुपर-8 में जाने से पहले ओपनर अभिषेक शर्मा का फॉर्म भारत की सबसे बड़ी चिंता होगी। भारत ने मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप के इतने ही मैचों में चार जीत हासिल की हैं और फिर भी, इस फॉर्मेट में नंबर 1 बैटर के बल्ले से एक भी रन की जरूरत नहीं पड़ी। लगातार तीन डक के बाद, अभिषेक ने यह पक्का कर दिया है कि कॉम्पिटिशन की सबसे खतरनाक बैटिंग लाइन-अप भी अपने सबसे अच्छे रूप में नहीं है। भारत के असिस्टेंट कोच, रयान टेन डेशकाटे ने फिलहाल इस छोटी सी चिंता को नजरअंदाज़ कर दिया है, कम से कम सबके सामने तो जरूर।

बुधवार को नीदरलैंड्स पर भारत की 17 रन की जीत के बाद टेन डेशकाटे ने कहा उसने कल रात नेट्स में बहुत अच्छी बैटिंग की, उसने 90 मिनट बैटिंग की। आपको उसे थोड़ी जगह भी देनी होगी। वह ग्रुप फेज में बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था, उसने कुछ दिन हॉस्पिटल में बिताए और (नामीबिया के खिलाफ) गेम मिस कर दिया। यह उसके लिए अब तक बहुत निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है। लेकिन मैंने कल रात उसकी बॉल स्ट्राइकिंग में कुछ बहुत अच्छे संकेत देखे। इसलिए उसके बारे में कोई चिंता नहीं है, जब दूसरा फेज आएगा तो वह ठीक हो जाएगा। यह समझा जा सकता है कि अभिषेक का इस कॉम्पिटिशन में एक भी रन न बना पाना चिंता की बात क्यों नहीं है। पहली बात, वह डेढ़ साल के शानदार प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में आया है, जिसने उसे दुनिया की रैंकिंग लिस्ट में टॉप पर पहुंचाया है। दूसरी बात, उसके आउट होने का कोई खास पैटर्न नहीं है, जबकि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों ने माना है कि उन्होंने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी के आउट होने की प्लानिंग में काफी समय बिताया था। उन्होंने संजय कृष्णमूर्ति की गेंद पर डीप कवर में कैच दे डाला, सलमान आगा की गेंद पर मिड ऑन पर पुल करने में चूक गए, और आर्यन दत्त की गेंद पर पुल करने से चूक गए। असल में कोई पैटर्न नहीं है। यह देखते हुए कि बाकी बैट्समैन ने अलग-अलग मौकों पर अच्छा खेला है, अभिषेक की मुश्किलों ने अभी तक टीम को परेशान नहीं किया है, ठीक वैसे ही जैसे ज़्यादातर दिनों में होता है जब अभिषेक रन नहीं बना पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी ने यह पक्का कर दिया कि अभिषेक का जल्दी आउट होना चिंता की बात नहीं है। इससे पहले, इसी तरह के दुर्लभ शुरुआती आउट में, संजू सैमसन ने बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी लगाई थीं, जब अभिषेक क्लिक नहीं कर पाए थे। टी20 में भारत का दबदबा ओपनर्स द्वारा शुरुआती कंट्रोल हासिल करने की वजह से आया है।

पारी के शुरू में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचें : गावस्कर

अहमदाबाद। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अभिषेक शर्मा मौजूदा टी-20 विश्व कप में उम्मीदों के दबाव से जूझ रहे हैं और वह चाहते हैं कि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी पारी की शुरुआत में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचे। अभिषेक ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ वह शुरू में ही आउट हो गए थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा अभिषेक शर्मा बहुत ही अच्छे इंसान हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा है। अगर उन्होंने अमेरिका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात कुछ और होती। अब बड़े छक्के लगाने वाला शीर्ष बल्लेबाज होने का दबाव उन पर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा अपनी बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताना होगा। उन्हें अपनी पारी की पहली ही गेंद पर चौका या छक्का लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर बड़े शॉट खेलने का मन करे तो ठीक है। लेकिन उन्हें 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गावस्कर ने कहा कि इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरुआत में समझदारी से क्रिकेट खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा एक रन लो और अपना खाता खोलो।

शिवम दुबे

टी-20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा

अहमदाबाद, एजेंसी

शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं होती, लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी-20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है। नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं। अपने दूसरे टी-20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड्स के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े। शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही। उन्होंने कहा यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है। दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है।

> टी-20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। पर एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद यदि मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा।
> -शिवम दुबे

रणजी ट्रॉफी | 24 फरवरी से खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर से होगी भिडंत

विशाल बढ़त के दम पर कर्नाटक पहुंचा फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। आठ बार की चैंपियन कर्नाटक ने पहली पारी की विशाल बढ़त के दम पर उत्तराखंड को सेमीफाइनल में पछाड़ते हुए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली।

मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में 503 रन की बढ़त ने कर्नाटक को फाइनल का टिकट दिला दिया। अब कर्नाटक की टीम 24 फरवरी को अपने घरेलू मैदान हुबली में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम से भिड़ेगी।

शहर के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन कर्नाटक ने छह विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन निचला क्रम ज्यादा योगदान नहीं दे सका और पूरी टीम 74.3 ओवर में 323 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने 127 रन की शानदार पारी खेली, जबकि केएल राहुल 86 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल ने 130 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के जड़े। उत्तराखंड की ओर से मयंक मिश्रा ने 69 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अभय नेगी ने 63 रन पर दो विकेट झटके। दोहरे शतक के लिए देवदत्त पड़िक्कल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से दिया गया।

लखनऊ : मैच समाप्ति के बाद एक दूसरे से मिलते कर्नाटक और उत्तराखंड के क्रिकेटर। - अमृत विचार

- देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

संक्षिप्त स्कोर

कर्नाटक
- पहली पारी : 736 रन
- दूसरी पारी : 323 (74.3 ओवर)

उत्तराखंड
- पहली पारी : 233 रन
- दूसरी पारी : 260/6 (62 ओवर)

उत्तराखंड की संघर्षपूर्ण वापसी

उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांच रन पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। अवनीश सुधा ने 71 गेंदों पर 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा। एक समय टीम का स्कोर छह विकेट पर 156 रन था, लेकिन इसके बाद सौरभ रावत (54) और अभय नेगी (57) ने सातवें विकेट के लिए 104 रन की अविजित साझेदारी कर मैच को रोमांचक बना दिया। कर्नाटक के श्रेयस गोपाल ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। आखिरकार दोनों टीमों के कप्तानों की सहमति से निर्धारित समय से 15 ओवर पहले मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में भारत को हराकर शृंखला 1-1 से बराबर की

कैनबरा, एजेंसी

जॉर्जिया वोल (88) और बेथ मूनी (46) के बीच पहले विकेट के लिए 128 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत को 19 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

वोल और मूनी की पहले विकेट की साझेदारी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी भागीदारी रही जिससे मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी जिसमें हरमनप्रीत कौर ने 36, स्मृति मंधाना ने 31 और शेफाली वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू को दो-दो विकेट मिले। शृंखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। भारत का स्कोर नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन था लेकिन मेहमान टीम ने आखिर में सात रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। शेफाली (23) की तेज शुरुआत के बाद मंधाना भी खुलकर खेल रही थीं। दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 54 रन बना लिए थे। लेकिन मोलिनू ने शेफाली को पगबाधा आउट करके भागीदारी का अंत किया और गार्डनर ने जेमिमा रोड्रिग्स (04) का अहम विकेट लिया।

स्मृति मंधाना को आउट करने के बाद जश्न मनातीं सोफी मोलिनू। एजेंसी